झारखण्ड का अपना दैनिक

झारखण्ड उजाला

सच आप तक

रांची, गुरुवार, 17 सितंबर 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रूपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -90 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

अवकाश की सूचना

विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर 17 सितंबर को झारखण्ड उजाला का कार्यालय में अवकाश रहेगा। अखबार का अगला अंक 19 सितंबर को बाजार में आयेगा। पाठको, हॉकर बंधुओं और विज्ञापनदताओं को विश्वकर्मा पूजा की हार्दिक शुभकामनाएं। खबरों से अपडेट रहने के लिए देखते रहें **jharkhandujala.com**

मोदी कैबिनेट का बड़ा फैसला : पीएफ के लिए बेसिक सैलरी लिमिट रु 15,000 से बढ़कर रु 25,000

एजेंसी

नयी दिल्ली। मोदी कैबिनेट ने कर्मचारियों के पीएफ कवरेज को लेकर बड़ा फैसला लिया है। कैबिनेट ने ढ्रञ्ज के लिए बेसिक सैलरी लिमिट रु 15,000 से बढ़ाकर रु 25,000 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस बदलाव से करीब 51 लाख कर्मचारियों को फायदा होगा। केंद्रीय कैबिनेट ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के तहत अनिवार्य कवरेज के लिए बेसिक सैलरी लिमिट बढ़ाने को मंजूरी दी है। अब यह सीमा रु 15,000 से बढ़कर रु 25,000 प्रति माह हो जाएगी। मौजूदा रु 15,000 की सीमा साल 2014 में तय की गई थी।

51 लाख कर्मचारियों को मिलेगा फायदा

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के मुताबिक, नई सीमा से करीब 51 लाख कर्मचारियों को सोशल सिक्योरिटी कवरेज के दायरे में आने का फायदा मिलेगा। सरकार इस बदलाव पर करीब रु 11,339 करोड़ खर्च करेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि कई राज्यों में अनस्किल्ड कर्मचारियों की न्यूनतम मजदूरी अब रु 15,000 से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में 2014 में तय की गई सीमा को बदलने की जरूरत महसूस की गई। उन्होंने बताया कि विचार-विमर्श के बाद बेसिक सैलरी लिमिट को रु 25,000 करने का फैसला लिया गया।

नई नौकरी वालों को भी मिलेगा फायदा

सरकार के मुताबिक, बेसिक सैलरी की सीमा बढ़ने से ज्यादा कर्मचारियों को सोशल सिक्योरिटी कवरेज मिल सकेगा। इससे नए रोजगार में आने वाले कर्मचारियों को भी ईपीएफओ से जुड़े लाभों के दायरे में लाने में मदद मिलेगी। सरकार के मुताबिक, ईपीएफओ की नई वेज सीलिंग 17 सितंबर 2026 से लागू होगी। इसके बाद पीएफ कवरेज के लिए बेसिक सैलरी की सीमा रु 15,000 से बढ़कर रु 25,000 प्रति माह हो जाएगी। यानी रु 15,000 से रु 25,000 के बीच बेसिक सैलरी पाने वाले नए कर्मचारियों का एक बड़ा हिस्सा ईपीएफओ के अनिवार्य सोशल सिक्योरिटी कवरेज के दायरे में आ सकेगा।

10 साल बाद बढ़ी ईपीएफओ वेज सीलिंग

ईपीएफओ की वेज सीलिंग लंबे समय तक नहीं बदली थी। सितंबर 2014 में इसे बढ़ाकर रु 15,000 प्रति माह किया गया था। अब सरकार ने इसे बढ़ाकर रु 25,000 करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि यह बदलाव मौजूदा वेतन स्तर, आय में बढ़ोतरी और फॉर्मल रोजगार के विस्तार को ध्यान में रखते हुए किया गया है।

रु 15,000 से रु 25,000 सैलरी वालों को क्या फायदा होगा?

मौजूदा व्यवस्था में रु 15,000 से अधिक बेसिक सैलरी पर नौकरी शुरू करने वाला कर्मचारी सामान्य तौर पर एढञ्जके अनिवार्य कवरेज के दायरे में नहीं आता, हालांकि कुछ परिस्थितियों में स्वैच्छिक/अन्य प्रावधान लागू हो सकते हैं। नई सीमा बढ़ने से रु 15,000 से रु 25,000 के बेसिक वेज बैंड में आने वाले पात्र कर्मचारियों के लिए ईपीएफओ से जुड़ी सामाजिक सुरक्षा का दायरा बढ़ेगा। सरकार के आधिकारिक बयान के मुताबिक, इस फैसले से कर्मचारियों की पीएफ सेविंग्स, ईपीएस के तहत पेंशन सुरक्षा और ईडीएलआई के तहत इंश्योरेंस सुरक्षा तक पहुंच बढ़ेगी। ये लाभ संबंधित स्कीम के लागू प्रावधानों के अनुसार मिलेंगे। नई वेज सीलिंग से ईपीएफओ के तहत वैधानिक योगदान और पेंशन योग्य वेतन से जुड़े

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

गौरव भगत
तीनपहाड़ थाना प्रभारी

पुलिस का दायित्व सेवा, सुरक्षा और विश्वास पर आधारित है। प्रत्येक नागरिक की सुरक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है। हम प्रतिबद्ध हैं कि तीनपहाड़ थाना क्षेत्र में शांति, कानून व्यवस्था और जन सहयोग को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,33,700**
चांदी (प्रति किलो) : **2,36,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **74,336.45**
निफ्टी :- **23,217.60**

मौसम

अधिकतम तापमान : **29** °
न्यूनतम तापमान : **22** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:36**
संध्या :- **17:51**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 1956 को भारतीय तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग का गठन किया गया।

झारखंड और ऑस्ट्रेलिया आएंगे साथ! सीएम हेमंत से मिले बर्नार्ड लिंच, खनन से लेकर खेल तक में बनेगी पार्टनरशिप

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। रांची में बुधवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से ऑस्ट्रेलिया के (कोलकाता स्थित) महावाणिज्यदूत बर्नार्ड लिंच ने औपचारिक शिष्टाचार मुलाकात की. इस बैठक के दौरान झारखंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने और विभिन्न क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी को मजबूत करने पर सकारात्मक और गहन विचार-विमर्श हुआ. बैठक के अंत में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को स्मृति चिह्न भेंट किए. मुख्यमंत्री ने बर्नार्ड लिंच को झारखंड की पारंपरिक कलाकृति वाला फ्रेम और एक क्रिकेट बॉल उपहार स्वरूप सौंपी.

कौशल विकास, तकनीक और खनिज क्षेत्र में सहयोग पर जोर

मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बताया कि बातचीत में कौशल एवं तकनीकी शिक्षा, प्रौद्योगिकी व नवाचार, खनिज संसाधन, खेल और पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण सेक्टरों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया. झारखंड के समृद्ध खनिज संसाधनों को देखते हुए खनन क्षेत्र में तकनीकी सहयोग और संस्थानों के बीच साझेदारी पर सहमति जताई गई. इसके अलावा, ऑस्ट्रेलियाई संस्थानों की मदद से झारखंड के युवाओं के लिए तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के नए अवसर पैदा करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई.

आदिवासी संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान का आदान-प्रदान

बैठक में झारखंड की समृद्ध आदिवासी विरासत और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को प्रमुखता से शामिल किया गया. मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की जनजातीय संस्कृति और ऑस्ट्रेलिया की स्वदेशी संस्कृति के अनुभवों और ज्ञान के बीच संवाद स्थापित करने की अपार संभावनाएं हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड की मानव पूंजी और प्राकृतिक संसाधनों को ऑस्ट्रेलिया की आधुनिक तकनीक और विशेषज्ञता से जोड़कर दोनों पक्षों के लिए पारस्परिक रूप से लाभकारी रास्ते तलाशे

झारखंड में एक कॉल पर मिलेगा ब्लड सरकार और एजेंसी के बीच हुआ एमओयू

तकनीकी सहयोग विभाग से भी मिलेगा सहयोग : शशि प्रकाश झा

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। झारखंड में जरूरतमंद मरीजों और उनके परिजन को समय पर सुरक्षित ब्लड उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने नई पहल की है. इसके तहत एक कॉल पर 4 घंटे के भीतर मरीज को ब्लड उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी. इस संबंध में बुधवार को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग और एमएस साइंस कंपनी के बीच एमओयू को अंतिम रूप दिया गया. नई व्यवस्था को अगले 90 दिनों यानी तीन महीने में पूरी तरह प्रभावी बनाने का लक्ष्य रखा गया है. एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि ब्लड कलेक्शन के लिए कंपनी खुद रक्तदान शिविर आयोजित करेगी. तकनीकी सहयोग विभाग की ओर से दिया जाएगा, जबकि मानव संसाधन सहित अन्य व्यवस्थाएं कंपनी करेगी. कंपनी को प्रति यूनिट ब्लड के आधार पर भुगतान किया जाएगा. अगले 90 दिनों के दौरान रक्तदान के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी. राज्य सरकार की इस पहल का उद्देश्य सरकारी और निजी अस्पतालों में रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना तथा रक्त की कमी के कारण मरीजों को होने वाली परेशानी को कम करना है.

निजी रक्तदान शिविरों के माध्यम से रक्त संग्रह

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों के अलावा एनसीसी, एनएसएस, पुलिस बल और निजी रक्तदान शिविरों के माध्यम से रक्त संग्रह किया जाएगा. इसके लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा. रक्तदान शिविरों में रक्तदाताओं के लिए रिफ्रेशमेंट की व्यवस्था भी एजेंसी की ओर से की जाएगी.

स्वास्थ्य मंत्री ने बुधवार को बताया खास दिन

बुधवार को नेपाल हाउस मंत्रालय में हुए एमओयू के दौरान स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी, विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह और एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा उपस्थित थे. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने दिन को बेहद खास दिन बताते हुए बताया कि झारखंड के लिए यह बड़ी उपलब्धि है कि अब मरीजों के परिजनों को ब्लड के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ेगा.

चार घंटे के भीतर ब्लड उपलब्ध कराने का लक्ष्य

उन्होंने कहा कि राज्य में पहली बार ऐसी व्यवस्था शुरू की जा रही है, जिसमें मरीज के कॉल करने पर चार घंटे के भीतर ब्लड उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. इसके लिए टोल फ्री नंबर जारी किया जाएगा और रांची में कमांड सेंटर स्थापित होगा, जहां से पूरी व्यवस्था का संचालन किया जाएगा. एमओयू के बाद उन्होंने कहा कि जिस एजेंसी के साथ एमओयू हुआ है, वहीं ब्लड कलेक्शन, जांच, स्टोरेज, रखरखाव और संबंधित अस्पताल तक रक्त पहुंचाने की जिम्मेदारी संभालेगी. ब्लड की जांच निर्धारित मानकों के अनुरूप की जाएगी. चाईबासा की घटना का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि किसी भी मरीज को बिना जांच किया हुआ रक्त नहीं दिया जाना चाहिए.

संक्षिप्त समाचार

नामकुम ओवरब्रिज पर सड़क दुर्घटना, स्कूटी सवार युवक की मौत

रांची। नामकुम ओवरब्रिज पर रात लगभग 8:30 बजे सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गयी। जिसकी पहचान राहे सोनाहातु निवासी उत्तम सिंह मुण्डा (26) के रूप में हुई है। उत्तम वर्तमान में दस माईल तुपुदाना में किराए पर रहकर रांची कमड़े स्थित होटलिप्स होटल मे कुक का काम करता था। बताया जा रहा है कि उत्तम होटल से काम करके अपने स्कूटी से घर जा रहा था। नामकुम ओवरब्रिज के नीचे से ओवरब्रिज के उपर जैसे ही चढ़ा उसी दरम्यान लोवाडीह के तरफ से तेज रफ्तार में जा रहे एक पिकअप वाहन उसे जोरदार टक्कर मारते हुए नामकुम चौक की ओर फरार हो गया। टक्कर के बाद युवक डिवाइडर से टकराया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी।

रांची में सड़क हादसे में गुलमोहर अस्पताल के कर्मी की मौत

रांची। खेलगांव थाना क्षेत्र के महावीर नगर गेट के समीप सड़क हादसे में सैनिक कॉलोनी, डुमरदगा निवासी राम लायक सिंह की मौत हो गयी. वह गुलमोहर अस्पताल से ड्यूटी खत्म कर घर लौट रहे थे. इसी दौरान सड़क पार करने के दौरान एक वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गये. स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें ऑटो से बूटी स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया.

सेमीकॉन इंडिया 2026 का पीएम मोदी आज करेंगे उद्घाटन, 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां होंगी शामिल

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को यहां तीन दिवसीय सेमीकॉन इंडिया 2026 का उद्घाटन करेंगे. इसमें वैश्विक चिप निमार्ता, नीति निमार्ता और निवेशक और प्रौद्योगिकी कंपनियां एक साथ आएंगी, क्योंकि भारत अपने सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का प्रदर्शन करेगा. द्वारका के यशोभूमि में 'सिलिकॉन टू सिस्टम्सः बिल्डिंग द इकोसिस्टम' थीम के तहत हो रहा यह इवेंट इस बात पर जोर देता है कि भारत अब यह नहीं पूछ रहा है कि वह चिप्स बना सकता है या नहीं, बल्कि अब वह यह पूछ रहा है कि वह अपने आस-पास सब कुछ कितनी तेजी से बना सकता है. तीन दिनों में 600 से अधिक प्रदर्शक, 300 अंतरराष्ट्रीय कंपनियां 15,000 वर्ग मीटर स्थान को भर देंगी और 150 से अधिक प्रसिद्ध वक्ता ज्ञान और बुद्धिमत्ता को साझा करेंगे. छह देश मंडप और 12 राज्य मंडप एक स्टार्टअप शोकेस, एक छात्र हैकथॉन, एक श्रमिक विकास मंडप और महिला फोरम के साथ बैठेंगे. इनमें से प्रत्येक पारिस्थितिकी तंत्र की एक छोटी झलक जिसे भारत ने पांच साल में बनाया है देखा जा सकता है. एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है. गौरतलब है कि चिप को डिजाइन करने में सालों और बनाने में महीनों लग जाते हैं, लेकिन इसका असर हर फोन, हर कार, हर अस्पताल के उपकरण पर लंबे समय तक रहता है. आज हमारे जीवन का हर उपकरण इस बात पर निर्भर करता है कि किसी ने, कहीं न कहीं, उस चिप को पहले बनाया है. चिप्स अब एक आला उत्पाद नहीं हैं. वे कारों, ड्रोन, हवाई जहाज, एमआरआई मशीनों और उपग्रहों के अंदर होते हैं. फिलहाल, वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग का मूल्य लगभग 4.3 ट्रिलियन डॉलर है और यह तेजी से बढ़ रहा है. सेमीकंडक्टर इस बढ़ते ढांचे के ठीक आधार पर हैं, इसकी नींव बनाते हैं. ऑटोमोबाइल, हेल्थकेयर से लेकर डिफेंस तक हर दूसरा उद्योग इस बात पर निर्भर करता है कि चिप फैब्रिकेशन प्लांट से क्या निकलता है. यही बात सेमीकंडक्टर को एक आधारभूत उद्योग बनाती है. बयान में कहा गया है. दुनिया ने यह मुश्किल तरीके से सीखा. उदाहरण के लिए कोविड महामारी के दौरान कार फैक्ट्रियों को बंद करना पड़ा. स्टील या लेबर की कमी की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए कि उन्हें चिप्स नहीं मिल पा रहे थे. जिन देशों ने दशकों तक सेमीकंडक्टर को किसी और की समस्या माना था, वे अचानक अपनी कैपेसिटी बनाने के लिए दौड़ पड़े. महामारी ने चिप्स की रेस नहीं लगाई.

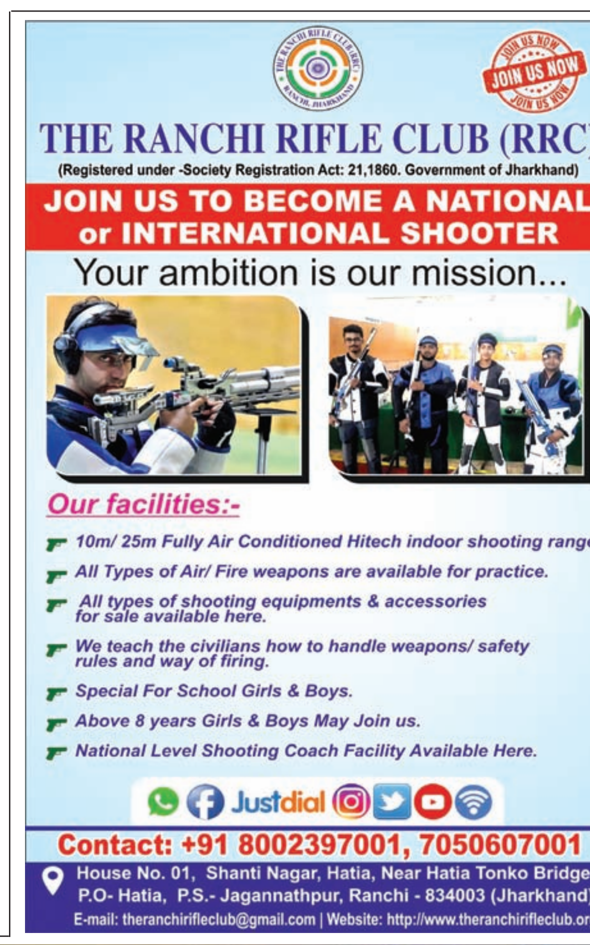

लोहरदगा में जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस की बैठक, नई जिम्मेदारियों पर पदाधिकारियों का सम्मान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जिला संगठन की मजबूती और समाजहित के मुद्दों पर हुआ मंथन, 6 अक्टूबर को लोहरदगा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यक्रम की तैयारियों पर भी चर्चा

लोहरदगा- लोहरदगा होटल गैलेक्सी में बुधवार को लोहरदगा जिला मोमिन कॉन्फ्रेंस की एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष सेराज अंसारी ने की, जबकि मुख्य रूप से झारखंड प्रदेश मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन की मजबूती, कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय और समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान नवमनोनीत जिला कार्यकारी अध्यक्ष मनोवर अंसारी, प्रदेश सचिव यासीन अंसारी तथा यूथ मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश सचिव सनाउल्लाह अंसारी का जिला कमेटी की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया। तीनों नवमनोनीत पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र एवं पगड़ी पहनाकर सम्मानित करते हुए नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी गई। पदाधिकारियों ने धन्यवाद देते हुए कहा कि संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसका ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूत एवं व्यापक बनाने के लिए कार्य किया जाएगा। बैठक में ऑल इंडिया मोमिन कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष के प्रस्तावित झारखंड दौरे को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम के अनुसार 4 अक्टूबर को हजारीबाग एवं कोडरमा, 5 अक्टूबर को चतरा एवं लातेहार तथा 6 अक्टूबर को लोहरदगा एवं गुमला में कार्यक्रम प्रस्तावित है। लोहरदगा में होने वाले कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिला कमेटी और प्रदेश पदाधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित कर आगे की रणनीति तैयार करने पर सहमति बनी। प्रदेश अध्यक्ष आबिद अली ने नवमनोनीत पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के उद्देश्यों और कार्यक्रमों को समाज के बीच पहुंचाने तथा एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में प्रदेश महासचिव मोजम्मिल अंसारी, प्रदेश सचिव सवारत हुसैन, रुस्तम अंसारी, शाहिद अंसारी, मुमताज अंसारी, एजाज अंसारी, मंजूर अंसारी, सकुर अंसारी, हाजी सुलतान, रब्बुल अंसारी, कारी सफाअत मंजर, अख्तर अंसारी, जुल्फान अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिसरी खास में डोर-टू-डोर चलाया गया मेगा जागरूकता अभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः नालसा नई दिल्ली एवं झालसा रांची के निर्देश तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह डालसा अध्यक्ष राज कमल मिश्रा एवं डालसा सचिव मनोरंजन कुमार के आदेशानुसार बुधवार को 60 दिवसीय मेगा जागरूकता अभियान के 21वें दिन किस्को प्रखंड के हिसरी पंचायत अंतर्गत ग्राम हिसरी खास में डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान चलाया गया।अभियान के दौरान पीएलवी शाहिद हुसैन, निशा कुमारी एवं कलिंदर उरांव ने घर-घर पहुंचकर ग्रामीणों को विभिन्न कानूनी प्रावधानों, नालसा की योजनाओं एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ग्रामीणों को नालसा की ज्ञान एवं शिक्षा योजना, वरिष्ठ नागरिकों से संबंधित योजनाओं, मानव-वन्यजीव संघर्ष के पीड़ितों को न्याय तक पहुंचाने की व्यवस्था, मानव तस्करी से संबंधित प्रावधानों सहित अन्य नालसा योजनाओं के बारे में बताया गया।पीएलवी ने ग्रामीणों को बताया कि जरूरतमंद लोगों को निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता का सहारा भी लिया जा सकता है। अभियान के दौरान ग्रामीणों को नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100, आपातकालीन हेल्पलाइन नंबर 112 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। अभियान का उद्देश्य ग्रामीणों को उनके कानूनी अधिकारों और उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करना था।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं संस्कारों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करती है:सचिव प्रियंका कुमारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में गणेश पूजा एवं विसर्जन धूमधाम से संपन्न

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय परिसर में गणेश चतुर्थी के अवसर पर भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ धूमधाम से की गई। पूजा कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी सहित विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।पूजन कार्यक्रम का विधिवत आयोजन आचार्य मुकेश पांडेय के द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण एवं विधि-विधान के साथ कराया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की।दूसरे दिन हवन, आरती एवं प्रसाद वितरण के बाद भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन बड़े ही उत्साह एवं धूमधाम के साथ किया गया। विसर्जन यात्रा में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों ने भक्तिभाव के साथ भाग लिया। पूरा परिसर गणपति बप्पा मोरया के जयघोष से गूंज उठा।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने भगवान श्री गणेश से विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश विघ्नहर्ता एवं बुद्धि के देवता हैं। उनकी आराधना से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा और नई प्रेरणा प्राप्त होती है। विश्वविद्यालय की सचिव प्रियंका कुमारी ने भी सभी को गणेश पूजा की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं संस्कारों के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करते हैं।मौके पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ)अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार,विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, व्याख्यातगण, कर्मचारीगण एवं छात्र -छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय परिवार में विशेष उत्साह देखने को मिला। पूजा एवं विसर्जन कार्यक्रम श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ।

मारवाड़ी युवा मंच ने किया गौ सेवा कार्यक्रम, गायों को खिलाई लापसी व गुड़

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़ ।मारवाड़ी युवा मंच रामगढ़ कैंट शाखा के तत्वावधान में रामगढ़ गौशाला में गौ सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मंच के सदस्यों ने गौशाला में मौजूद गायों को श्रद्धापूर्वक लापसी एवं गुड़ खिलाया तथा गौ सेवा कर समाज में सेवा और जीवदया का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान सदस्यों ने गौशाला की व्यवस्थाओं एवं गायों की देखभाल से संबंधित जानकारी भी ली। मंच के सदस्यों ने कहा कि गौ सेवा भारतीय संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है तथा समय-समय पर ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में जीवों के प्रति संवेदनशीलता का भाव बढ़ाना आवश्यक है।इस अवसर पर आशुतोष बेरलिया, संतोष गोकुलका, अभिषेक अग्रवाल, पीयूष अग्रवाल एवं गौरव गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जोड़ा तालाब सौंदर्यीकरण, सड़क मरम्मत व डिग्री कॉलेज निर्माण हेतु दिए कई दिशा निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज ने मांडू क्षेत्र का भ्रमण कर विभिन्न विकास योजनाओं, बुनियादी ढांचागत निर्माण कार्यों तथा प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए चिन्हित स्थलों का व्यापक निरीक्षण किया। भ्रमण के क्रम में उपायुक्त ने जोड़ा तालाब (मांडू) पहुंचकर इसके कायाकल्प और सौंदर्यीकरण का जायजा लिया तथा परिसर में अत्याधुनिक लाइटें लगाने, हरित पट्टी विकसित करने, पैदल पथ निर्माण और जल की निरंतर स्वच्छता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने नया मोड़ से गिद्दी हीरक रोड की स्थिति को देखते हुए विभिन्न समन्वयकारी एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल बनाकर शीघ्र सड़क मरम्मत कार्य शुरू कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने रेमरा, मांडू में प्रस्तावित डिग्री कॉलेज निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का भी स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को भूमि हस्तांतरण व निर्माण से जुड़ी प्रक्रियात्मक अड़चनों को दूर करते हुए तेजी से कार्य आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की अन्य विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के लिए चिन्हित स्थलों का भौतिक सत्यापन किया और सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विकास कार्य उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। इस संपूर्ण निरीक्षण भ्रमण के दौरान प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, अंचल अधिकारी तृप्ति विजया कुजूर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उत्तम क्षमा धर्म की आराधना से शुरू हुआ दसलक्षण महापर्व

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

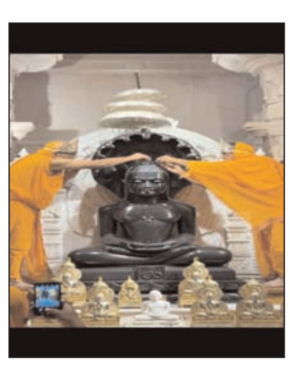

रामगढ़। दसलक्षण महापर्व के प्रथम दिन बुधवार, को रामगढ़ कैंट एवं रांची रोड स्थित जैन मंदिरों में श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास का वातावरण रहा। श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म की विधिवत पूजा-अर्चना की तथा भगवान की प्रतिमाओं का अभिषेक एवं शांतिधारा कर सुख-शांति और आत्मकल्याण की कामना की। सुबह से ही दोनों जिनालयों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। उपरोक्त जानकारी जैन समाज के अध्यक्ष राजेंद्र चूड़ीवाल ने दी।श्री दिगम्बर जैन मंदिर रामगढ़ में पाण्डुशिला पर विराजमान नमीनाथ भगवान जी की अष्टधातु प्रतिमा का कलशों द्वारा अभिषेक किया गया। अभिषेक के पुण्यार्जक श्री हीरालाल जी, किरण देवी जी, राजेन्द्र जी, प्रिया जी एवं दिशा पाटनी परिवार रहे। शांतिधारा का पुण्यार्जन श्री राजेन्द्र जी, राजेश जी एवं प्रतीक जी चूड़ीवाल परिवार द्वारा किया गया।मंदिर की तीनों वेदियों पर विराजमान बड़ी प्रतिमाओं का भी कलशों द्वारा अभिषेक संपन्न हुआ। इसके पुण्यार्जक श्री हीरालाल जी, किरण देवी जी, राजेन्द्र जी, प्रिया जी एवं दिशा पाटनी परिवार तथा श्री जीवन मल जी, जंबू जी, अभिजीत जी एवं अमित जी पाटनी परिवार रहे। श्री राकेश जी पांड्या के जन्मदिन के अवसर पर समस्त पांड्या परिवार द्वारा भी धार्मिक अनुष्ठान में पुण्यार्जन किया गया।चन्द्रप्रभु भगवान जी की प्राचीन प्रतिमा का कलशों द्वारा अभिषेक के पुण्यार्जक श्री जीवन मल जी, जंबू जी, अभिजीत जी एवं अमित जी पाटनी परिवार द्वारा किया गया। वहीं महावीर भगवान जी की प्राचीन प्रतिमा के अभिषेक के पुण्यार्जक श्रीमती इंद्रमणि देवी जी चूड़ीवाल परिवार द्वारा समस्त चूड़ीवाल परिवार की ओर से किया गया। आदिनाथ भगवान जी की बड़ी प्रतिमा पर शांतिधारा का पुण्यार्जन श्रीमती अरुणा जी एवं डॉ. शरद जी जैन परिवार द्वारा किया गया।रांची रोड स्थित जैन मंदिर में भी प्रथम दिवस पर धार्मिक अनुष्ठान विधिवत संपन्न हुए। प्रथम अभिषेक एवं शांतिधारा के पुण्यार्जक पदम सेठी परिवार रहे। मुख्य कलश का पुण्यार्जन सुभाष जी एवं वैभव पाटनी परिवार द्वारा किया गया। कलश अभिषेक में पाना देवी सेठी परिवार, सुरेश चंद जी सेठी परिवार, प्रमोद जी एवं श्रीमती बबीता सेठी परिवार तथा विनोद जी एवं श्रीमती संगीता सेठी परिवार ने पुण्यार्जन किया।मुनिश्री 108 पुण्यानंद जी महाराज, मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज एवं क्षुल्लकश्री 105 दिव्यानंद जी महाराज ससंघ के सान्निध्य में दसलक्षण महापर्व का आयोजन धार्मिक वातावरण में किया जा रहा है। प्रथम दिवस मुनिश्री 108 शुभानंद जी महाराज ने उत्तम क्षमा धर्म पर दिव्य मंगल प्रवचन दिया।मुनिश्री ने उत्तम क्षमा धर्म की महत्ता बताते हुए कहा कि क्षमा केवल शब्द नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि का मार्ग है। मनुष्य को क्रोध, मान, वैर और कटुता का त्याग कर सभी जीवों के प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव रखना चाहिए। क्षमा का भाव मन को निर्मल करता है और आत्मा को आध्यात्मिक उन्नति की ओर ले जाता है।धार्मिक अनुष्ठानों एवं मंगल प्रवचन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूजा, अभिषेक, शांतिधारा एवं प्रवचन के दौरान जिनालयों में भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा धर्म के संदेश को आत्मसात करते हुए दसलक्षण महापर्व के प्रथम दिन को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया।उपरोक्त जानकारी जैन समाज के मीडिया प्रभारी श्रवण जैन ने दी।

श्रीमद्भागवत कथा में धूमधाम से मनाया गया कृष्ण-रुक्मिणी विवाह उत्सव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा गुदरी बाजार स्थित मुंद्रिका बैंक्वेट में आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के आठवें दिन भगवान श्री कृष्ण और माता रुक्मिणी का विवाह उत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। जय प्रकाश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि कथा के समापन पर यज्ञ, हवन कर पूणार्हुति की जाएगी। कथा के पावन अवसर पर लोहरदगा के दैनिक जागरण के संपादक राकेश कुमार सिन्हा अपनी धर्मपत्नी काजल सिन्हा सहित सम्मिलित हुए और व्यासपीठ का आशीर्वाद लिया। कथा व्यास अयोध्या से पधारे अच्युत प्रपन्नाचार्य महाराज ने कृष्ण-रुक्मिणी विवाह के आध्यात्मिक प्रसंग पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रुक्मिणी समर्पण का प्रतीक हैं और भगवान श्री कृष्ण परमेश्वर हैं। जीव का ईश्वर से मिलन ही वास्तव में कृष्ण-रुक्मिणी विवाह है। इस दौरान जैसे ही भगवान कृष्ण और माता रुक्मिणी के विवाह की रस्म शुरू हुई, पूरा पंडाल 'जय श्री कृष्णा' के जयकारों से गूंज उठा। कथा के प्रारंभ में सुनील अग्रवाल, जय प्रकाश शर्मा, मनीष राजगढ़िया, सपत्नीक और राजन मेहता अपनी माता के साथ आरती में सम्मिलित हुए और व्यास पीठ का आशीर्वाद लिया कृष्ण और रुक्मणी की अलौकिक झांकी ने सभी का मन मोह लिया। सभी माताएं, बहनों ने विवाह उत्सव को बड़े धूम धाम से मनाया । शहर के गणमान्य लोग विवाह उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में भगवान के स्वरूपों की आरती उतारी और आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में उपस्थित मदन मोहन पांडे, शिव प्रसाद राजगढ़िया, राहुल कौशल,लखन साहू, उन्होंने इस धार्मिक आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और सनातन संस्कृति का संचार करते हैं। कथा के दौरान सजीव झांकी सजाई गई थी, जिसमें भगवान कृष्ण और रुक्मिणी के विवाह की रस्मों को जीवंत रूप दिया गया। मंगल गीतों और भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। विवाह संपन्न होने के बाद सभी भक्तों के बीच भव्य छप्पन भोग और प्रसाद का वितरण किया गया।इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य जय गोविंद, अशोक कांस्यकर, प्रमोद अग्रवाल, नरेंद्र मित्तल,मनीष राजगढ़िया, मुरली अग्रवाल,सुनील मेहता, संजय शर्मा, संजय अग्रवाल, कंचन कांस्यकर, निशु चौधरी, संजय चौधरी, आनंद पांडे सहित भारी संख्या में स्थानीय गणमान्य नागरिक और महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित रहे। सदस्यों ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

>>>: संक्षिप्त खबर :<<<

उपायुक्त ऋतुराज ने चुट्टू पालू घाटी में नेटवर्क कनेक्टिविटी का किया निरीक्षण

नया मोबाइल टावर लगाने हेतु प्रस्ताव तैयार करने के दिए निर्देश

रामगढ़। बुधवार को चुट्टू पालू घाटी क्षेत्र में नेटवर्क कनेक्टिविटी की समस्या को दूर करने तथा सड़क दुर्घटनाओं के दौरान त्वरित राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज उपायुक्त रामगढ़ ऋतुराज द्वारा घाटी क्षेत्र का विस्तृत निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान यह बात सामने आई कि चुट्टू पालू घाटी में मोबाइल टावर न होने के कारण नेटवर्क सेवा बाधित रहती है। इसके कारण दुर्घटना होने पर आपातकालीन सेवाओं (जैसे एम्बुलेंस, पुलिस बल और राहत टीम) को समय पर सूचना देने में अत्यधिक कठिनाई होती है।दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आपातकालीन प्रतिक्रिया समय (Response Time) को बेहतर बनाने के लिए उपायुक्त ऋतुराज ने जियो (Jio) की टेक्निकल टीम को निर्देश दिया कि वे घाटी क्षेत्र में नया टावर लगाने हेतु उपयुक्त स्थल का सर्वे कर शीघ्र एक विस्तृत प्रस्ताव जिला प्रशासन को उपलब्ध कराएं, ताकि बिना किसी विलंब के टावर लगाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके। निरीक्षण के दौरान नेटवर्क कनेक्टिविटी स्थापित करने के साथ-साथ घाटी में दुर्घटना संभावित क्षेत्रों की पहचान और अन्य सुरक्षा उपायों पर भी गहन विचार-विमर्श किया गया। मौके पर मुख्य रूप से वन प्रमंडल पदाधिकारी, रामगढ़ नितेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता,डीपीओ, यूआईडी आरती पंकज अंचल अधिकारी रामगढ़,जियो की तकनीकी टीम एवं जिला प्रशासन के अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

एनएसएस इकाई के तत्वावधान में एसआईआर जागरूकता रैली आयोजित

रामगढ़। डॉ. एस. राधाकृष्णन शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, सुकरीगढ़ा-लारी, रामगढ़ की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई के तत्वावधान में एसआईआर (SIR) के प्रति आम लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली गई। रैली में महाविद्यालय के विभिन्न सत्रों के प्रशिक्षुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रैली के माध्यम से प्रशिक्षुओं ने आसपास के लारी एवं सुकरीगढ़ा गांवों में जाकर आम लोगों को र.कफ से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की तथा इसके महत्व के प्रति जागरूक किया। प्रशिक्षुओं ने लोगों से लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए जागरूक, सजग एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर महाविद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव डॉ. संजय कुमार प्रभाकर, प्राचार्य डॉ. सुशील कुमार उपाध्याय, सहायक प्राध्यापक नयन कुमार मिश्रा,मोहम्मद परवेज अख्तर एवं व्याख्याता बाबूचंद प्रसाद, बरुण कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की पूरी देखरेख एवं अगुवाई एनएसएस समन्वयक एवं शारीरिक शिक्षक पिंटू कुमार पटेल के द्वारा की गई। इस जाकरुकता रैली में बी.एड. सत्र 2025-27, बी.एड. सत्र 2026-28, डी.एल.एड. सत्र 2025-27 एवं 2026-28 के प्रशिक्षुओं ने सहभागिता की। कुल 88 प्रशिक्षुओं ने रैली में भाग लेकर एसआईआर से संबंधित जानकारी आम लोगों तक पहुँचाने का कार्य किया।कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागी प्रशिक्षुओं में जूस एवं नास्ता वितरित किया गया। महाविद्यालय के पदाधिकारियों एवं शिक्षकों ने प्रशिक्षुओं के इस जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़े ऐसे कार्यक्रमों में निरंतर सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

साइकिल से चार धाम की यात्रा कर जांगी लौटे कुंदन कुमार, हुआ भव्य स्वागत

रामगढ़/गोला। गोला प्रखंड के जांगी निवासी कुंदन कुमार साइकिल से चार धाम की यात्रा पूरी कर अपने क्षेत्र लौटे। करीब 9 महीने तक चली इस यात्रा के बाद जांगी पहुंचने पर मगनपुर पंचायत के उप मुखिया अकबर अंसारी एवं स्थानीय लोगों और समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। कुंदन कुमार ने साइकिल से लंबी दूरी तय करते हुए चार धाम की यात्रा पूरी की। उनकी इस यात्रा को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। गोला पहुंचने पर लोगों ने उनका स्वागत करते हुए यात्रा के अनुभवों के बारे में जानकारी ली। कुंदन कुमार ने बताया कि साइकिल से चार धाम की यात्रा उनके लिए एक कठिन लेकिन यादगार अनुभव रहा। लंबे समय तक चली इस यात्रा के दौरान उन्हें विभिन्न स्थानों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं छोड़ी और अपनी यात्रा पूरी कर वापस लौटे।उनके लौटने की खबर पर जांगी और आसपास के लोगों में खुशी का माहौल रहा। स्थानीय लोगों ने कुंदन कुमार के साहस और संकल्प की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं

पारिवारिक विवाद में कुल्हाड़ी से मार कर पिता ने पुत्र की ले ली जान

कुडू थाना क्षेत्र के गरभूटोली की घटना

ग्रामीणों ने हत्यारे पिता को पकड़ कर पुलिस को सौंपा

लोहरदगाः कुडू थाना क्षेत्र के सलगी गरभूटोली गांव में पारिवारिक विवाद में एक पिता ने कुल्हाड़ी से मार कर अपने जवान पुत्र की हत्या कर दी है। घटना की जानकारी के पश्चात ग्रामीणों ने पिता को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया है वहीं कुडू थाना पुलिस ने शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी अनुसार पिता-पुत्र के बीच चल रहे विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि नशे की हालत में पिता ने अपने करीब 30 वर्षीय पुत्र संजय वर्मा पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों के अनुसार संजय वर्मा अविवाहित था। पिता सुरेश वर्मा और संजय के बीच पिछले करीब छह दिनों से किसी बात को ले झगड़ा चल रहा था। बुधवार को विवाद के दौरान सुरेश वर्मा ने कथित रूप से कुल्हाड़ी से संजय पर हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने के कारण संजय की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कुडू थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर घटना के पीछे पिता-पुत्र के बीच चल रहे विवाद और नशे की स्थिति को कारण माना जा रहा है। हालांकि, घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई के बाद ही हो सकेगी।

कुएं में मिला महिला का शव गांव में पसरा सन्नाटा

लोहरदगाः सेन्हा थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु में कुएं से महिला का शव मिलने की सूचना पर गांव में पसरा सन्नाटा गौरतलब हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के सेरेंगहातु में एक अधेड़ महिला का शव कुएं में तैरता देख क्षेत्र में सनसनी फैल गया। मृतिका महिला की पहचान सेरेंगहातु बड़का टोली निवासी लाल अजय नाथ शाहदेव की 34 वर्षीय पुत्री अंजली शाहदेव के रूप में हुआ। बताया जाता है कि कुएं के गहरे पानी में डूबने से अधेड़ महिला की मौत हुई है। फिलहाल घटना की सूचना सेन्हा थाना प्रभारी नीरज झा को मिलते ही उनके निर्देश पर एस आई दयानंद सरस्वती दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए पंचनामा करवा कर भेज अग्रतर कारवाई में पुलिस जुट गई। घटना के बाद स्थानीय लोग इस घटना का निंदा कर रहें। जबकि घटना का खुलासा नही हुआ है वहीं थाना प्रभारी नीरज झा ने बताया कि प्रथमदृष्टया महिला की मौत कुएं के गहरे पानी में डूबने से होना प्रतीत हो रहा है। परंतु अन्य कारण का पता नही चला है। जिसे ध्यान में रखते हुए सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

कानून-व्यवस्था को लेकर देर रात सड़क पर उतरे एसएसपी सुनसान इलाकों से लेकर क्राइम स्पॉट तक का लिया जायजा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। शहर की कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध पर प्रभावी नियंत्रण को लेकर रांची पुलिस ने निगरानी और गश्ती व्यवस्था को और सख्त करने की तैयारी शुरू कर दी है. इसी कड़ी में देर रात एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा और ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह खुद शहर के विभिन्न इलाकों का जायजा लेने निकले. वरीय पुलिस अधिकारियों ने देर रात कई संवेदनशील, सुनसान और अपराध की दृष्टि से महत्वपूर्ण इलाकों का निरीक्षण किया.

एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि अपराध की आशंका वाले स्थानों पर केवल औपचारिक गश्ती नहीं, बल्कि नियमित भौतिक निगरानी भी होनी चाहिए. क्षेत्र भ्रमण के दौरान पुलिस पदाधिकारियों ने उन स्थानों पर विशेष नजर डाली, जहां अड्डेबाजी, नशाखोरी, छिनतई, स्नैचिंग और अन्य असामाजिक गतिविधियों की शिकायतें मिलती रही हैं. अधिकारियों ने संबंधित थाना प्रभारियों को नियमित गश्ती बढ़ाने और किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई करने का सख्त निर्देश दिया.

पुलिस अधिकारियों ने शहर के उन इलाकों का भी निरीक्षण किया, जहां पूर्व में चोरी, छिनतई और स्नैचिंग जैसी घटनाएं सामने आती रही हैं. सुखदेवनगर, पंडरा, कोतवाली और अरगोड़ा थाना क्षेत्र के अलावा मुंडला पहाड़ समेत कई संवेदनशील स्थानों का जायजा लिया गया. इन इलाकों में गश्ती व्यवस्था की समीक्षा करते हुए थाना प्रभारियों को संदिग्ध व्यक्तियों और गतिविधियों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया. पुलिस का जोर ऐसे इलाकों में रात के समय पुलिस की मौजूदगी बढ़ाने पर है, ताकि अपराधियों और असामाजिक तत्वों में कानून का भय बना रहे.

देर रात के निरीक्षण के दौरान पुलिस टीम ऐसे स्थानों पर भी पहुंची, जहां अड्डेबाजी और नशेबाजी की शिकायतें सामने आती रही हैं. अधिकारियों ने थाना प्रभारियों को इन स्थानों को चिन्हित कर नियमित गश्ती करने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया. इसी क्रम में मुंडला पहाड़ इलाके में पुलिस ने छापेमारी की. कार्रवाई के दौरान वहां से अवैध शराब बरामद की गई. पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि शहर में किसी भी तरह की गैरकानूनी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

अपर बाजार स्थित बड़ा तालाब और उसके आसपास के इलाकों का भी पुलिस अधिकारियों ने निरीक्षण किया. यहां पूर्व में सामने आई चोरी और छिनतई की घटनाओं को देखते हुए निगरानी और गश्ती व्यवस्था मजबूत करने का निर्देश दिया गया. पुलिस को संदिग्ध व्यक्तियों पर नजर रखने, संवेदनशील स्थानों पर नियमित पेट्रोलिंग करने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया है.

देर रात शहर के भ्रमण के दौरान यातायात व्यवस्था की भी समीक्षा की गई. एसएसपी राकेश रंजन ने बताया कि रात में ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर भी कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं. निरीक्षण के दौरान ऐसे डिवाइडर कट को चिन्हित किया गया, जहां से वाहनों के अनियंत्रित तरीके से क्रॉस करने के कारण अक्सर यातायात बाधित होने की स्थिति बनती है. ट्रैफिक एसपी के साथ विचार-विमर्श के बाद ऐसे कटिंग को स्लाइडिंग बैरियर लगाकर बंद कराने का निर्णय लिया गया है. इससे वाहनों की अनावश्यक क्रॉसिंग पर रोक लगाने और यातायात को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी.

सड़क किनारे अनधिकृत तरीके से खड़े ऑटो और अन्य वाहनों को लेकर भी पुलिस ने सख्ती का निर्देश दिया है. पुलिस के अनुसार, बेतरतीब तरीके से सड़क किनारे वाहन खड़े होने से सड़क की चौड़ाई कम हो जाती है और यातायात प्रभावित होता है. नो-पार्किंग और अनधिकृत पार्किंग वाले स्थानों पर खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है. नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर जुमार्ना लगाने के साथ आवश्यक कार्रवाई भी की जाएगी. एसएसपी राकेश रंजन ने बताया की देर रात वरीय पुलिस अधिकारियों के खुद सड़क पर उतरने का मकसद शहर की जमीनी कानून-व्यवस्था का जायजा लेना और पुलिस गश्ती को प्रभावी बनाना है. पुलिस का फोकस क्राइम ब्लैक स्पॉट पर विशेष निगरानी, संवेदनशील इलाकों में गश्ती बढ़ाने, असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई और शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने पर है.

रांची एयरपोर्ट पर 17 सितंबर से शुरू होगा यात्री सेवा व स्वच्छता ही सेवा अभियान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर यात्रियों को बेहतरीन सुविधाएं और स्वच्छ माहौल देने के लिए 17 सितंबर से दो बड़े अभियानों की शुरूआत हो रही है. इनमें 'यात्री सेवा अभियान' और 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' शामिल हैं. इन दोनों अभियानों का मुख्य उद्देश्य एयरपोर्ट पर सेवा, सुरक्षा और स्वच्छता की एक उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति विकसित करना है, ताकि यात्रियों का सफर पूरी तरह से आरामदायक और सुगम हो सके. 17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक चलने वाले 'यात्री सेवा अभियान' का मूल मंत्र 'सेवा और संकल्प झ सर्विस विद स्माइल' रखा गया है. कल इसका भव्य उद्घाटन वंदे मातरम्, लोक नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा. इस 24 दिवसीय अभियान में हर दिन अलग-अलग सुविधाओं जैसे पार्किंग, बैगेज बेल्ट, डिजिटल सहूलियतों और साफ-सफाई की गहन जांच की जाएगी. इसके अलावा दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की सुविधाओं को और भी बेहतर बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा.

इस अभियान के दौरान 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस के मौके पर 'अतिथि देवो भवः' की भावना से यात्रियों का विशेष स्वागत किया जाएगा. वहीं, 10 अक्टूबर को एक व्यापक सर्विस ऑडिट के साथ इस अभियान का समापन होगा. इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा और इन सुधारों को हमेशा बनाए रखने के लिए एक विशेष प्लान भी लागू किया जाएगा. दूसरी तरफ, 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसकी थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' है. इसका लक्ष्य सिर्फ साफ-सफाई करना नहीं है, बल्कि इसमें आम जनता और युवाओं की सक्रिय भागीदारी को भी सुनिश्चित करना है. इसके तहत सफाई मित्रों के स्वास्थ्य की जांच की जाएगी और लोगों को कचरा प्रबंधन, 'कबाड़ से कला' तथा आरआरआर (रिड्यूस-रीयूज-रीसाइकिल) के प्रति जागरूक किया जाएगा.

20 सितंबर तक झारखंड में बदला रहेगा मौसम, गरज-चमक के साथ तेज हवा का अलर्ट, 21 से फिर बारिश के आसार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

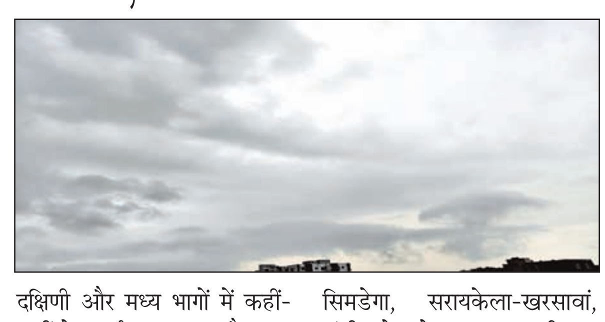

रांची। झारखंड में अगले पांच दिनों तक मौसम का मिजाज पूरी तरह साफ रहने वाला नहीं है. मौसम केंद्र के ताजा पूवार्नुमान के मुताबिक 16 सितंबर से 20 सितंबर तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बादल छाए रहने के साथ कहीं-कहीं मेघ गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं. हालांकि, इस दौरान दिन के तापमान में बहुत बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है, बल्कि अधिकतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है. मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के मुताबिक 21 सितंबर से बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र विकसित होने की संभावना है. इसके बाद एक बार फिर झारखंड में बारिश की गतिविधियां बढ़ सकती हैं और बारिश का सिलसिला देखने को मिल सकता है.

16 सितंबर को राज्य के उत्तर, दक्षिणी और मध्य भागों में कहीं-कहीं मेघ गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है. इसके दायरे में रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा और धनबाद जिले आते हैं. वहीं, दक्षिणी झारखंड के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां में भी कहीं-कहीं गरज-चमक, वज्रपात और तेज हवा चल सकती है.

17 सितंबर को मौसम की गतिविधियां राज्य के दक्षिणी, मध्य और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में देखने को मिल सकती हैं. इन इलाकों में पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, रांची, बोकारो, गुमला, हजारीबाग, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा, कोडरमा, धनबाद के साथ-साथ पलामू, गढ़वा, चतरा और लातेहार शामिल हैं. इन जिलों में कहीं-कहीं मेघ गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है. इसी दिन उत्तर-पूर्वी झारखंड के देवघर, दुमका, गिरिडीह, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में भी गरज-चमक और वज्रपात के साथ तेज हवा चल सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक 18, 19 और 20 सितंबर को भी राज्य में कहीं-कहीं मेघ गर्जन और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी.

रांची में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दूसरे दिन बवाल, बल प्रयोग में एक युवती घायल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। रांची में अतिक्रमण हटाओ अभियान मंगलवार को दूसरे दिन सुबह 10 बजे से शुरू हुआ. अभियान शुरू होते ही स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध किया, जिससे मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई. प्रशासनिक अधिकारियों ने लोगों से कार्य में बाधा नहीं डालने और शांतिपूर्वक अभियान चलने देने की अपील की. काफी देर तक समझाने के प्रयास किए गए, लेकिन लोग नहीं माने और विरोध के दौरान धक्का-मुक्की शुरू हो गई.

स्थिति बिगड़ने पर अतिरिक्त पुलिस बल को मौके पर बुलाया गया. अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू होते ही अपना घर टूटता देख लोगों का आक्रोश भड़क उठा और कुछ लोगों ने पत्थरबाजी शुरू कर दी. पत्थरबाजी में वहां से गुजर रहे राहगीरों को चोटें आईं. हालात को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया, जिसमें एक युवती घायल हो गई. उसकी पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है और उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है.

पार्षद नीलम चौधरी हिरासत में

विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्षद नीलम चौधरी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया. क्षेत्र में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है और अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी है.

नीलांबर-पीतांबर यूनिवर्सिटी के वीसी दिनेश कुमार सिंह पर गिरेगी गाज ! लोकभवन ने सरकार को भेजा पद से हटाने का प्रस्ताव

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह की कुर्सी पर संकट गहरा गया है. लोकभवन सचिवालय ने उन्हें पद से हटाने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेज दिया है. अब सरकार की सहमति मिलते ही लोकभवन सचिवालय की ओर से कुलपति को बर्खास्त करने का आदेश जारी किया जा सकता है. लोकभवन सचिवालय ने प्रस्ताव भेजे जाने की पुष्टि की है.

दरअसल, राज्य में लागू नए विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत अब कुलपति को राज्यपाल अपने स्तर से सीधे पद से नहीं हटा सकते हैं. कुलपति की बर्खास्तगी के लिए राज्य सरकार की सहमति जरूरी है. ऐसे में लोकभवन की ओर से भेजे गए प्रस्ताव पर अब सरकार और मुख्यमंत्री की सहमति का इंतजार है.

लोकभवन सचिवालय की ओर से सरकार को भेजे गए प्रस्ताव में कुलपति डॉ. दिनेश सिंह पर कई गंभीर आरोपों का उल्लेख किया गया है. इसमें वित्तीय अनियमितता, गबन और सरकारी नियमों का पालन नहीं करने जैसे आरोप शामिल हैं. प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि विश्वविद्यालय के पीएल खाते में जमा राशि का इस्तेमाल नियमों के मुताबिक करने के बजाय अपनी इच्छा के अनुसार किया गया. इसके अलावा राज्यपाल की सहमति के बिना पसंद के लोगों को अलग-अलग पदों पर नियुक्त करने का भी उल्लेख किया गया है.

झारखंड राज्य विश्वविद्यालय विधेयक, 2026 के अध्याय-3 की धारा 13 में कुलपति को हटाने की प्रक्रिया का प्रावधान है. इसके तहत राज्य सरकार की ओर से उचित जांच के बाद कुलाधिपति और मुख्यमंत्री मिलकर कुलपति को पद से हटाने का निर्णय ले सकते हैं. हालांकि, अधिकारों के दुरुपयोग या विश्वविद्यालय के हितों को नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों में कुलपति को हटाने से पहले उन्हें अपना पक्ष रखने का मौका देना जरूरी है. उन्हें कारण बताने का उचित अवसर और व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर भी दिया जाना है.

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने 15 सितंबर को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात कर कुलपति डॉ. दिनेश कुमार सिंह को तत्काल पद से हटाने की मांग की थी. वित्त मंत्री ने अपने पत्र में कुलपति पर वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े आरोपों का हवाला दिया था. मंत्री के मुताबिक, वित्त विभाग की अंकेक्षण रिपोर्ट के आधार पर पहले ही कुलपति के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर अगले आदेश तक रोक लगाई गई थी.

खबर एक नजर

दुर्गा पूजा की तैयारियों को लेकर डीसी से मिले महानगर पूजा समिति

रांची। आगामी दुर्गा पूजा की तैयारियों और शहर की व्यवस्थाओं को लेकर महानगर दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने बुधवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री से मुलाकात की. समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित उपायुक्त के कार्यालय कक्ष में हुई बैठक में पूजा के दौरान शहर की साफ-सफाई, सड़कों की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और पेयजल व्यवस्था समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई. समिति के सदस्यों ने कहा कि दुर्गा पूजा के दौरान शहर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटते हैं. ऐसे में साफ-सफाई, बेहतर सड़क, पर्याप्त रोशनी और पेयजल की व्यवस्था जरूरी है. उन्होंने इन व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त कराने की मांग उपायुक्त के समक्ष रखी. उपायुक्त ने समिति के सदस्यों की मांगों को गंभीरता से सुना. उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश जारी करने का भरोसा दिया, ताकि पूजा के दौरान आम लोगों और श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो. बैठक में अपर जिला दंडाधिकारी (विधि व्यवस्था) धन्यजय, समिति के आजीवन सदस्य डॉ. अजीत सहाय, अध्यक्ष, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र वर्मा, संजय मिनोचा, जय सिंह यादव, सागर कुमार, मो. इस्लाम, राजन वर्मा, संजय सिन्हा, उज्जवल दुबे, अमरनाथ साहू, राजू और मयंक गिरी समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

आवासीय विद्यालयों में 400 रुपये प्रति घंटी के हिसाब से शिक्षक होगें नियुक्त

रांची। जिला कल्याण शाखा की ओर से विभागीय आवासीय विद्यालयों में शिक्षकों की अंशकालिक नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की गई जा रही है. इसमें विज्ञान, गणित, जीव विज्ञान विषयों को शामिल किया है. इसके लिए शिक्षकों को ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट और बीएड डिग्रीधारियों को रखा जाएगा. इस दौरान शिक्षकों को प्रति घंटी 400 रुपये मानदेय दिए जाएंगे. ये शिक्षक छह महीने से लेकर एक साल तक सेवा देंगे. जिला कल्याण कार्यालय की ओर से जारी आदेश से अभ्यर्थी का गृह जिला रांची होना अनिवार्य है. संबंधित विषय में स्नातकोत्तर/स्नातक के साथ बीएड अथवा मान्य शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी. शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को भी चयन में प्राथमिकता दी जाएगी. शिक्षकों का चयन जिले के विभिन्न विभागीय आवासीय विद्यालयों के लिए किया जाना है. इनमें अनुसूचित जाति आवासीय बालिका उच्च विद्यालय कमड़े, अनुसूचित जाति आवासीय उच्च विद्यालय बुंडू, अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय तमाड़; अनुसूचित जनजाति आवासीय उच्च विद्यालय बारीडीह, अनुसूचित जनजाति आवासीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय अमन बुरू बुंडू. अनुसूचित जनजाति आवासीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय ओरमांझी, पिछड़ी जाति आवासीय बालिका +2 उच्च विद्यालय जेल रोड शामिल है.

मंत्री के आश्वासन पर 108 एंबुलेंस कर्मियों का आंदोलन 20 दिनों के लिए स्थगित

रांची। 108 एंबुलेंस कर्मचारियों ने अपना चरणबद्ध आंदोलन 20 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है. बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद संघ ने यह फैसला लिया. बैठक में एंबुलेंस कर्मचारियों की लंबित मांगों और दूसरी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई. सरकार की ओर से समस्याओं के समाधान के लिए जरूरी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया. इसके बाद कर्मचारियों ने आंदोलन स्थगित करने का निर्णय लिया. झारखंड प्रदेश एंबुलेंस कर्मचारी संघ ने कहा कि उसे उम्मीद है कि 20 दिनों के अंदर सरकार कर्मचारियों की मांगों पर ठोस कार्रवाई करेगी. अगर मांगों का समाधान नहीं हुआ, तो 6 अक्टूबर 2026 से फिर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया जाएगा. संघ ने भारतीय मजदूर संघ और मीडिया का भी धन्यवाद किया. संघ ने कहा कि मीडिया के सहयोग से कर्मचारियों की समस्याएं सरकार तक पहुंचीं और उनकी आवाज को मंच मिला. बैठक में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री राजीव रंजन सिंह, प्रदेश मंत्री सह प्रभारी रामाशंकर प्रसाद, रांची जिला मंत्री सुबोध कुमार यादव, एंबुलेंस कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीरज तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष मुकेश कुमार, उपाध्यक्ष रविकांत देव, प्रदेश कोषाध्यक्ष कुणाल बनर्जी समेत कई पदाधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे.

झारखंड में एसआईआर पर सीईओ का प्रशिक्षण सत्र, आधार सत्यापन और दावा-आपत्ति पर विस्तृत दिशा-निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। राज्य में मतदाताओं के विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है. इसके तहत दावा-आपत्ति एवं दस्तावेज सत्यापन को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से राज्य के सभी जिलों के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी शामिल हुए. इसमें प्रशिक्षण-सह-शंका निवारण सत्र भी आयोजित किया गया.

इस मौके पर आधार से संबंधित सत्यापन के विभिन्न पहलुओं एवं दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी गई. यूएडीआईए क्षेत्रीय कार्यालय, रांची के निदेशक नीरज कुमार ने आधार से संबंधित सत्यापन के विभिन्न तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक पहलुओं के संबंध में अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया. साथ ही प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों एवं शंकाओं का समाधान भी किया गया. मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रक्फ़ के तहत प्राप्त दावे एवं आपत्तियों की सुनवाई तथा दस्तावेजों के सत्यापन की प्रक्रिया निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों एवं प्रक्रियाओं के अनुरूप निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सुनिश्चित की जाए. उन्होंने कहा कि प्रत्येक दावे एवं आपत्ति का नियमानुसार परीक्षण करते हुए मतदाता सूची की शुद्धता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना सभी संबंधित पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है. उन्होंने निर्देश दिया कि ERO, AERO एवं Additional AERO अपने-अपने क्षेत्र में दस्तावेज सत्यापन एवं सुनवाई से जुड़े पदाधिकारियों एवं कर्मियों को भी प्रशिक्षण में दी गई जानकारी से अवगत कराएं, ताकि जमीनी स्तर पर प्रक्रिया के क्रियान्वयन में एकरूपता बनी रहे और किसी प्रकार की भ्रम की स्थिति उत्पन्न न हो. सीईओ मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने बैठक में निर्देशित करते हुए कहा कि दावा-आपत्ति एवं दस्तावेज सत्यापन से संबंधित कार्यों का निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए. संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए सुनवाई एवं सत्यापन की प्रक्रिया को सुचारू रूप से आगे बढ़ाएं. उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मतदाता सूची में शामिल होने से वंचित न रहे तथा कोई अपात्र अथवा विदेशी नागरिक मतदाता सूची में शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना है.

कोर्ट में जवाब के बाद तय होगी जेटेट की परीक्षा तिथि, मॉडल प्रश्न पत्र भी होगा जारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता।

रांची। झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा की अगली परीक्षा तिथि अभी तय नहीं हुई है. शोधार्थी चंदन कुमार ने बताया, अगले सप्ताह अदालत में मामले पर जवाब दाखिल होने के बाद परीक्षा की तारीख तय की जाएगी. जैक सचिव से हुई बातचीत में उन्हें बताया गया कि परीक्षा तिथि के साथ मॉडल प्रश्न पत्र भी जारी किया जाएगा. ऐसे में 11 अक्टूबर की तारीख को परीक्षा होने की संभावना फिलहाल कम है. झारखंड प्रशिक्षित शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष सह शोधार्थी चंदन कुमार ने बताया कि परीक्षा की तारीख अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुई है. उन्होंने बताया कि अगले सप्ताह अदालत में इस मामले में जवाब दाखिल किया जाना है. इसके बाद ही परीक्षा की अगली तिथि तय होने की संभावना है. चंदन ने बताया कि जैक सचिव सच्चिदानंदन तिग्गा से हुई बातचीत में अगले सप्ताह परीक्षा की तिथि और मॉडल प्रश्न पत्र एक साथ जारी करने की बात कही गई है. जो 11 अक्टूबर की तारीख को परीक्षा होने की खबरें सामने आ रही थीं, लेकिन फिलहाल इस तारीख पर परीक्षा होना संभव नहीं दिख रहा है. उन्होंने कहा कि अदालत की प्रक्रिया और आगामी त्योहारों को देखते हुए परीक्षा में देरी की संभावना बनी हुई है. अभ्यर्थियों की ओर से मॉडल प्रश्न पत्र जारी करने की मांग भी की गई थी, जिस पर समय पर मॉडल प्रश्न पत्र जारी करने का आश्वासन मिला है.

गणेश पूजा पर मयूरकोला पंचायत में मटका फोड़ व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। गणेश पूजा के शुभ अवसर पर मयूरकोला पंचायत में श्रद्धा, उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। गणेश पूजा समिति की ओर से मंगलवार देर शाम धार्मिक आयोजन के साथ मटका फोड़ प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पंचायत क्षेत्र के बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियों का आनंद उठाया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित मटका फोड़ प्रतियोगिता आकर्षण का मुख्य केंद्र रही। प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ मटका फोड़ने का प्रयास किया। प्रतियोगिता में करीना कुमारी ने प्रथम स्थान, देवनारायण साह ने द्वितीय स्थान तथा अभिषेक ठाकुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को आयोजन समिति की ओर से सम्मानित किया गया। इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें स्थानीय प्रतिभाओं ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। नृत्य प्रस्तुति में अंश पाण्डेय ने प्रथम स्थान, राधिका ग्रुप ने द्वितीय स्थान तथा अंजू कुमारी ने तृतीय स्थान हासिल किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान गणेश जी के जयकारों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल भक्तिमय एवं उत्सवपूर्ण बना रहा। आयोजन को सफल बनाने में गणेश पूजा समिति के सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कार्यक्रम में समिति के मिथुन साह, विकास भंडारी, रितेश चौधरी, अनुप लाल रजक, विनोद साह, राकेश साह, भोला साह एवं कृष्णा ठाकुर समेत अन्य सदस्य उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने बताया कि ऐसे आयोजन का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और ग्रामीणों के बीच आपसी भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द को मजबूत करना है। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर ग्रामीणों ने आयोजन समिति के सदस्यों का आभार जताया और भविष्य में भी इस तरह के सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने की बात कही।

तीनपहाड़ के भोराबांध गांव में पोखर में नहाने के दौरान डूबने से व्यक्ति की मौत, गांव में मातम

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ थाना क्षेत्र के भोराबांध गांव में 58 वर्षीय व्यक्ति का शव पाए जाने से गांव में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान मदन सोरेन (58) के रूप में हुई है।परिजनों ने बताया कि मृतक मदन सोरेन बीते मंगलवार शाम घर के सामने स्थित पोखर में नहाने के लिए गया था। परिजनों के अनुसार मृतक मिर्गी की बीमारी से पीड़ित था, जिस कारण यह घटना घटी। आशंका जताई जा रही है कि नहाने के दौरान मिर्गी का दौरा पड़ने से वह पोखर में डूब गया।घटना की सूचना मिलते ही तीनपहाड़ थाना के एएसआई उमेश उपाध्याय दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।तीनपहाड़ थाना पुलिस ने मामले में यूडी केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी का असफल प्रयास, ताला तोड़ने में नाकाम रहे चोर

राजमहल/साहिबगंज। इन दोनों राजमहल थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है।ताजा मामला राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत काला पत्थर गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 608 का है जहां अज्ञात चोरों ने मंगलवार की रात चोरी का प्रयास किया। हालांकि, चोर केंद्र के मुख्य गेट का ताला तोड़ने में असफल रहे, जिससे केंद्र के महत्वपूर्ण अभिलेख और अन्य सामान चोरी होने से बच गए।जानकारी के अनुसार, बुधवार को सेविका प्रतिमा देवी एवं सहायिका आंगनबाड़ी केंद्र खोलने पहुंचीं तो मुख्य गेट के ताले को क्षतिग्रस्त अवस्था में देखा। अज्ञात चोरों ने ताला तोड़ने का काफी प्रयास किया था, लेकिन ताला नहीं टूट सका। इसके बाद चोर मौके से फरार हो गए।घटना की जानकारी मिलते ही सेविका ने घटनास्थल से ही राजमहल थाना पुलिस को फोन के माध्यम से सूचना दी। खबर लिखे जाने तक थाने में लिखित शिकायत देने की प्रक्रिया चल रही थी। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी है।घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए और घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं होने लगीं। ग्रामीणों का कहना है कि मंगलहाट क्षेत्र में इन दिनों लगातार चोरी की घटनाओं की खबरें सामने आ रही हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है और जुआ व नशे जैसी गतिविधियां भी होती हैं।ग्रामीणों ने पुलिस-प्रशासन से क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने तथा चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

चप्पल पकड़ने के दौरान गहरे पानी में फिसला पैर, जल्ला में डूबने से 9 वर्षीय किशोर की मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवारिया गांव में बुधवार को जल्ला (झील) में डूबने से 9 वर्षीय किशोर अनुज कुमार की मौत हो गई। मृतक गांव निवासी संजय मंडल का पुत्र था। घटना के बाद गांव में मातम पसर गया, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह करीब 11:30 बजे अनुज घर से कुछ देरी में जल्ला में खेत के किनारे पैर धो रहा था। इसी दौरान उसकी चप्पल पानी के गहरे हिस्से में बह गई। चप्पल पकड़ने के प्रयास में उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।किशोर को डूबता देख आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल जल्ला में छलांग लगाकर उसे बाहर निकाला। हालांकि, तब तक अनुज मूर्छित हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और आनन-फानन में उसे राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लेकर गए।अस्पताल में चिकित्सक डॉ. सादिक अंसारी ने जांच के बाद किशोर को मृत घोषित कर दिया। अनुज की मौत की खबर मिलते ही बुधवारिया गांव में मातम और सन्नाटा पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मालदा मंडल में 21 हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर स्थापित, ट्रेन परिचालन की सुरक्षा होगी और मजबूत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। यात्री सुरक्षा को और सुदृढ़ करने तथा ट्रेनों के सुरक्षित एवं सुचारु परिचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूर्व रेलवे के मालदा मंडल ने महत्वपूर्ण पहल की है। मंडल रेल प्रबंधक, मालदा मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में मंडल के विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों पर कुल 21 हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर (लअइऊ) स्थापित किए गए हैं।मालदा टाउन, बरहरवा, साहिबगंज, जमालपुर, भागलपुर, धुलियान गंगा, हंसडीहा, बाराहाट और गोड्डा रेलवे स्टेशनों सहित विभिन्न स्थानों पर लगाए गए ये स्वचालित ट्रैकसाइड सुरक्षा उपकरण चलती ट्रेनों के एक्सल बेयरिंग में होने वाली असामान्य गर्मी का पता लगाने में सक्षम हैं। इससे रेलवे कर्मचारियों को समय रहते सूचना मिलती है और आवश्यक निवारक कार्रवाई की जा सकती है।हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर गर्म और अत्यधिक गर्म पहियों तथा एक्सलों की भी पहचान करते हैं। ऐसी स्थिति ब्रेक बाइंडिंग की संभावित समस्या का संकेत हो सकती है। लअइऊ से असामान्य तापमान का पता चलने के बाद अगले चेकिंग स्टेशन पर संबंधित कोच या वैगन की जांच की जाती है। इससे ब्रेक बाइंडिंग और रोलिंग स्टॉक के हैंड ब्रेक के उचित रूप से रिलीज न होने जैसी समस्याओं को समय रहते रोकने में मदद मिलती है।

HABD की प्रमुख विशेषताएं

- गुजरती ट्रेनों के एक्सल बॉक्स की स्वचालित इन्फ्रारेड स्कैनिंग।
- ट्रेन के चलते समय तेजी से तापमान की माप।
- एक्सल बेयरिंग के तापमान में असामान्य वृद्धि का शुरूआती स्तर पर पता लगाना।
- रेलवे कर्मचारियों को समय पर सूचना उपलब्ध कराना।
- बेहतर निगरानी और निवारक रखरखाव में सहायता।

मालदा मंडल में HABD की स्थापना से ट्रेन परिचालन के दौरान संभावित तकनीकी समस्याओं की समय रहते पहचान और जांच में सहायता मिलेगी। रेलवे के अनुसार, यह कदम यात्री सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और निवारक सुरक्षा उपायों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मालदा मंडल सुरक्षित, सुचारु और विश्वसनीय रेल परिचालन के लिए आधुनिक सुरक्षा प्रणालियों को लगातार मजबूत करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

राधानगर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार, भेजा जेल

उधवा/साहिबगंज। राधानगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों को पुलिस ने बुधवार को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस संबंध में राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि पुलिस ने कार्रवाई करते हुए जीआर 837/17(एस) के गैर-जमानतीय वारंटी फुदकीपुर नया टोला के मीठू मंडल को विधिवत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में उपस्थापन के लिए भेज दिया गया। वहीं दूसरी कार्रवाई में राधानगर थाना कांड संख्या-258/26 के प्राथमिकी अभियुक्त मध्य पियारपुर निवासी साईद इस्लाम उर्फ सईद हुसैन को गिरफ्तार किया गया। कागजी प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मंदिर से 8 किलो की पीतल की घंटी चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

राजमहल/साहिबगंज। राजमहल थाना क्षेत्र के मंगलहाट स्थित आरक्यूएस कंपनी के राम-सीता मंदिर से अज्ञात चोरों ने लगभग 8 किलोग्राम वजन की पीतल की घंटी चोरी कर ली। घटना बीते मंगलवार रात करीब 12 बजे के बाद की बतायी जा रही है। सुबह मंदिर पहुंचने पर घंटी गायब मिली, जिसके बाद ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही आरक्यूएस कंपनी के कर्मचारी और ग्रामीण मौके पर जुट गये। मिली जानकारी के अनुसार, आरक्यूएस कंपनी के दिनेश जलान ने अपनी कंपनी की जमीन पर क्षेत्रवासियों के लिए कंपनी मजदूर संघ के सामूहिक सहयोग से मंदिर का निर्माण कराया है। मंदिर में लगी पीतल की घंटी आरक्यूएस कंपनी की ओर से दान स्वरूप दी गयी थी। कंपनी प्रबंधक प्रणव प्रसाद ने बताया कि कंपनी की ओर से लगायी गयी लगभग 8 केजी वजन की पीतल की घंटी को अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया। उन्होंने बताया कि करीब एक माह पूर्व ही घंटी लगायी गयी थी। सुबह मंदिर की पुजारी लक्ष्मी मिश्रा एवं अन्य श्रद्धालु मंदिर पहुंचे तो घंटी गायब मिली। इसके बाद घटना की जानकारी हुई। कंपनी प्रबंधक के अनुसार, इस घटना से मंदिर परिवार को लगभग 10 हजार रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। क्षेत्र के लोगों एवं कंपनी कर्मचारियों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कराने तथा मंदिर से घंटी खोलकर ले जाने वाले आरोपितों की पहचान कर शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की है। साथ ही मंदिर समेत क्षेत्र के अन्य धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की अपील की है। कंपनी प्रबंधक प्रणव प्रसाद ने कहा कि धार्मिक स्थल से इस तरह चोरी की घटना होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। इस घटना से श्रद्धालुओं की आस्था भी आहत हुई है।

आवास सूची को लेकर बरहरवा प्रशासन का बड़ा अपडेट, पंचायत भवनों में देखें अपना नाम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण 2.0 के तहत आवास की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों के लिए बरहरवा प्रखंड प्रशासन ने जरूरी सूचना जारी की है। आवास प्लस 2.0 सर्वे-2024 के आधार पर तैयार स्थायी प्रतीक्षा सूची को ग्रामसभा से अनुमोदन मिलने के बाद अब पंचायत स्तर पर सार्वजनिक कर दिया गया है। प्रशासन की ओर से सभी पंचायतों के पंचायत भवन एवं पंचायत सचिवालय में लाभुकों की सूची चस्पा कर दी गई है। इसमें आवास के लिए स्वीकृत तथा अस्वीकृत दोनों श्रेणी के लाभुकों के नाम शामिल हैं। ग्रामीण अपने संबंधित पंचायत भवन में जाकर सूची देख सकते हैं और यह पता कर सकते हैं कि उनका नाम किस स्थिति में दर्ज है। बरहरवा बीडीओ सन्नी कुमार दास ने बताया कि सूची देखने के बाद यदि किसी व्यक्ति को नाम, पात्रता अथवा लाभुक की स्थिति को लेकर आपत्ति हो, तो वह निर्धारित समय के भीतर लिखित दावा-आपत्ति जमा कर सकता है। पात्र व्यक्ति का नाम सूची से छूट गया हो या किसी पात्र लाभुक को गलत तरीके से अस्वीकृत किया गया हो, ऐसी स्थिति में भी आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है। दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए संबंधित लाभुक को बरहरवा प्रखंड कार्यालय स्थित आवास शाखा के कंट्रोल रूम में कार्यालय अवधि के दौरान लिखित आवेदन देना होगा। इसके लिए 12 सितंबर से 30 सितंबर 2026 तक समय निर्धारित किया गया है। प्रखंड प्रशासन प्राप्त आवेदनों की जांच संबंधित स्तर से कराएगा। बीडीओ ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जल्द पंचायत भवन पहुंचकर सूची में अपना नाम और स्थिति की जांच कर लें। किसी प्रकार की त्रुटि मिलने पर अंतिम तिथि से पहले दावा-आपत्ति दाखिल करें। प्रशासन ने साफ किया है कि 30 सितंबर के बाद प्राप्त होने वाली दावा-आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए लाभुकों से समय रहते सूची की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने को कहा गया है।

साहिबगंज में आज धूमधाम से होगी विश्वकर्मा पूजा, रेलवे के पंडाल बने आकर्षण का केंद्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

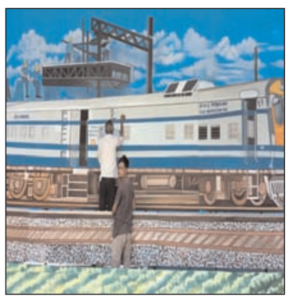

साहिबगंज। शहर सहित जिला भर में आज धूमधाम से शिल्पदेव भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना की जाएगी। विश्वकर्मा पूजा को लेकर शहर सहित जिला भर में काफी धूम है। शहर के सब्जी मंडी स्थित रेलवे के टीआरडी डिपार्टमेंट में अपने विभाग का कार्य विद्युतीकरण का कार्य ओर मरम्मती करते रेलवे कर्मी को अपने टॉवर वैगन कार से सिन के माध्यम से दिखाया गया है। हाल ही में फरक्का स्टेशन समीप रेलवे ट्रैक धसने के बाद टीआरडी डिपार्मेंट ने तार का मरम्मती किया था उसी को दशार्या है। वही भव्य पंडाल भी बनाया गया है। टॉवर वैगन कार के बीच विश्वकर्मा भगवान विराजमान रहेगा। संयुक्त क्रू बुकिंग लॉबी में हाथी का मुंह नुमा पंडाल ओर शीश महल पंडाल आकर्षक का केंद्र रहेगा। कैरेज एंड वैगन डिपार्टमेंट में भव्य व आकर्षक पंडाल बनाया जा रहा है। वही स्टेशन परिसर में, रेलवे विद्युत विभाग, टेलीफोन विभाग, डीएमयू मेंटेनेंस शेड, सिग्नल डिपार्टमेंट, आईओडब्ल्यू, पीडब्ल्यूआई सहित कल कारखाना, क्रेशर प्लांट सहित रेलवे के विभाग में विश्वकर्मा पूजा का आयोजन ओर मेला का आयोजन किया गया है।मेला देखने बिहार, झारखंड, बंगाल से लोग आते है। वही पूजा में आदिवासी समुदाय के लोग भी बढ़ चढकर हिस्सा लेते है।

बिरसा मार्केट के 99 स्टोर में पुलिस की छापेमारी, 290 ग्राम गांजा बरामद

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुई कार्रवाई, नाबालिग युवक को किया गया निरुद्ध; दंडाधिकारी की मौजूदगी में चला अभियान

पतरातू: पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के निर्देश पर पतरातू थाना क्षेत्र में मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने पीटीपीएस स्थित बिरसा मार्केट के 99 स्टोर में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम ने 290 ग्राम गांजा बरामद किया। कार्रवाई के दौरान एक नाबालिग युवक को पकड़ा गया, जिसे नियमानुसार निरुद्ध किया गया है। छापेमारी अभियान दंडाधिकारी के रूप में अंचल अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता की मौजूदगी में चलाया गया। अभियान में पतरातू थाना प्रभारी एसके गुप्ता तथा एएसआई सुजीत कुमार भी शामिल रहे। पुलिस टीम ने मौके पर आवश्यक जांच-पड़ताल करते हुए बरामद मादक पदार्थ को जब्त किया। पुलिस के अनुसार, मामले में नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। मादक पदार्थों की अवैध बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने को लेकर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

कस्तूरबा विद्यालय में छात्रा की शिकायत से मचा हड़कंप

वार्डन पर मारपीट और 10 हजार रुपए मांगने का आरोप, डीसी से जांच की गुहार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, पतना की कक्षा 11वीं की छात्रा की शिकायत ने विद्यालय व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। छात्रा ने विद्यालय की वार्डन प्रिया सरिता हांसदा पर मारपीट करने, मानसिक रूप से परेशान करने तथा अलग-अलग मौकों पर रुपये मांगने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर छात्रा ने साहिबगंज उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के मुताबिक, 14 सितंबर को विद्यालय में किसी मामूली बात को लेकर छात्रा और वार्डन के बीच विवाद हुआ। छात्रा का आरोप है कि इस दौरान वार्डन ने उसके साथ बदसलूकी की तथा बाल पकड़कर खींचते हुए मारपीट की। घटना के बाद छात्रा की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद उसके पिता उसे इलाज के लिए कल्याण हॉस्पिटल लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया।

नामांकन और टीसी के समय रुपये मांगने का आरोप

छात्रा ने उपायुक्त को दिए आवेदन में वार्डन पर नामांकन के समय तथा अपनी बहन का स्थानांतरण प्रमाण पत्र लेने के दौरान 10 हजार रुपये मांगने का आरोप भी लगाया है। छात्रा का कहना है कि वह आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से है और इतनी राशि देने में सक्षम नहीं थी। रुपये देने में असमर्थता जताने के बाद उसे कथित तौर पर परेशान किया गया। छात्रा ने पूर्व में भी मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने की बात शिकायत में कही है। छात्रा ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ उचित कार्रवाई करने तथा विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। शिकायत सामने आने के बाद अब मामले की जांच पर सबकी नजर है।

वार्डन ने आरोपों को किया खारिज

वहीं, वार्डन प्रिया सरिता हांसदा ने छात्रा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने छात्रा के साथ मारपीट नहीं की और न ही किसी तरह के रुपये की मांग की। वार्डन के अनुसार, क्लास के समय छात्रा कपड़े धो रही थी, जिस पर उसे केवल डांट-फटकार लगाई गई थी। फिलहाल छात्रा के आरोप और वार्डन के पक्ष में विरोधाभास है। ऐसे में प्रशासनिक जांच के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

उपायुक्त के मार्गदर्शन में छह बच्चों का फोस्टर केयर के माध्यम से समुदाय में सफल पुनर्स्थापन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग। उपायुक्त श्री हेमन्त सती के मार्गदर्शन में ग्राम कोनहर, पंचायत धौठवा, प्रखंड कटकमसांडी के छह बच्चों का लगभग आठ माह के सतत फॉलो-अप एवं समन्वित प्रयासों के बाद फोस्टर केयर व्यवस्था के माध्यम से उसी समुदाय में सफलतापूर्वक पुनर्स्थापन किया गया। इस पहल का उद्देश्य बच्चों को परिवार-आधारित देखभाल उपलब्ध कराने के साथ उन्हें उनके परिचित सामाजिक एवं सामुदायिक वातावरण से जोड़े रखना है। उल्लेखनीय है कि छह बच्चों को 7 जनवरी 2026 को बाल कल्याण समिति (CWC), हजारीबाग के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। बच्चों की माता का छठे बच्चे के जन्म के बाद निधन हो गया था, जबकि पिता के शराब पर निर्भरता के कारण बच्चों की पर्याप्त देखभाल प्रभावित हो रही थी। इसके बाद बच्चों की सुरक्षा, देखभाल, शिक्षा एवं पुनर्स्थापन को लेकर आवश्यक प्रक्रिया प्रारंभ की गई। बाल कल्याण समिति (CWC) एवं जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), हजारीबाग द्वारा पुनर्स्थापन एवं फोस्टर केयर प्लेसमेंट से संबंधित आवश्यक दस्तावेजीकरण एवं औपचारिकताएं पूरी की गईं। छह बच्चों में से दो बालकों को सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय, बानाहपा, दारू में शिक्षा से जोड़ा गया, जबकि चार बच्चों को फोस्टर केयर व्यवस्था के तहत रखा गया।

पुनर्स्थापन प्रक्रिया के दौरान बच्चों ने डीडीसी श्रीमती रिया सिंह से भी बातचीत की। बच्चों का पुनर्स्थापन उनके उसी समुदाय में किया गया, ताकि वे अपने परिचित सामाजिक एवं सामुदायिक वातावरण से जुड़े रह सकें तथा सुरक्षित एवं सहयोगात्मक माहौल में आगे बढ़ सकें। बच्चों के गांव लौटने पर ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बच्चों की वापसी से गांव का माहौल उत्सव जैसा रहा और ग्रामीण उन्हें वापस देखकर काफी प्रसन्न नजर आए।इस पूरी प्रक्रिया में श्रीमती पूजा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, कटकमसांडी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। उनके सहयोग से बच्चों के पुनर्स्थापन के दौरान आवास एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को सुगम बनाया गया। वहीं, बाल कल्याण समिति एवं जिला बाल संरक्षण इकाई, हजारीबाग द्वारा आवश्यक प्रक्रियाओं को पूरा करने तथा बच्चों के पुनर्स्थापन एवं फोस्टर केयर प्लेसमेंट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई। उपायुक्त श्री हेमन्त सती ने कहा कि बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण, शिक्षा एवं समुचित देखभाल जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। परिवार एवं समुदाय आधारित देखभाल के माध्यम से बच्चों को उनके परिचित सामाजिक परिवेश से जोड़ना उनके समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को बच्चों की आगे की देखभाल, शिक्षा एवं विकास की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।छह बच्चों का समुदाय में सफल पुनर्स्थापन परिवार-आधारित देखभाल, सामुदायिक पुनर्समावेशन एवं शिक्षा की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे बच्चों को आवश्यक देखभाल एवं संरक्षण उपलब्ध कराने के साथ संस्थागत देखभाल की आवश्यकता को कम करने में भी मदद मिलेगी।

डालसा द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़ : झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ दिवाकर पांडेय के निर्देश पर डालसा सचिव रूपा बंदना किरो के मार्गदर्शन में आज पाकुड़ के किताझोर में एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के उद्देश्य नालसा के डॉन योजना के तहत समाज को नशा मुक्त बनाने एवं नालसा के संवाद व जागृति योजना के तहत लोगों को कानून की जानकारी दी गई। इस दौरान मो आलम जिला को आर्डिनेटर पीएचडी पाकुड़ , किताझोर के वार्ड परिषद मिथुन मरांडी एवं नेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड एच विश्वास ने संयुक्त रूप से नशा के दुष्परिणाम पर विस्तृत जानकारी दी। लोगों को नशा से होने वाले मानसिक शारीरिक हानि के बारे में बताया गया। तम्बाकू बीड़ी सिगरेट एवं नशीले पदार्थों से से दूर रहने की अपील की गई। इस दौरान पैरा लीगल वॉलिंटियर्स याकूब अली, मोकमाउल शेख ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ से मिलने वाले निःशुल्क कानूनी सहायता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही नालसा के टॉल फ्री नंबर 15100 पर कानूनी सहायता हेतु संपर्क करने को कहा। मौके पर पैरा लीगल वॉलिंटियर्स अमूल्य रत्न रविदास, एजारूल शेख, सामाजिक कार्यकर्ता फजर शेख, स्वपन प्रभाणिक मो मोताकाबेर शेख, हबीबुर शेख, शीला सोरेन, जाकिर हुसैन, इनायतुल शेख, आशिकूल अंसारी, समेत क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

विभिन्न क्षेत्रों की प्रस्तावित योजनाओं पर हुआ विस्तृत विचार-विमर्श, चर्चा के उपरांत योजनाओं का चयन कर समिति द्वारा किया गया अनुमोदन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में बुधवार को जिला योजना कार्यकारिणी समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य जिला योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों एवं एजेंसियों द्वारा प्रस्तावित योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श कर जनहित एवं स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं का चयन एवं अनुमोदन करना था।बैठक में स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, खेल, समाज कल्याण, पर्यटन, जेएसएलपीएस, कल्याण सहित विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित प्रस्तावित योजनाओं पर विभागवार एवं एजेंसीवार चर्चा की गई। संबंधित विभागों एवं कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर विचार- विमर्श के उपरांत समिति द्वारा योजनाओं का चयन कर उन्हें पारित किया गया।उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि जिला योजना के माध्यम से जिले के विकास को गति देने तथा आमजनों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधारभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से योजनाओं का चयन किया जा रहा है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को योजनाओं के चयन एवं क्रियान्वयन में जनहित, स्थानीय आवश्यकता एवं प्राथमिकता को विशेष महत्व देने का निर्देश दिया।उन्होंने स्वीकृत योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यान्वयन एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान जिला योजना के अंतर्गत प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। इस दौरान उप विकास आयुक्त, परियोजना निदेशक, आईटीडीए, सिविल सर्जन, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला क्रीड़ा पदाधिकारी, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल तथा भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

त्योहारों पर मुस्तैदी और अवैध खनन-नशे पर 'जीरो टॉलरेंस', एसपी अनुदीप सिंह ने दिए कड़े निर्देश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पाकुड़: समाहरणालय स्थित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में बुधवार को एसपी अनुदीप सिंह (भा.पु.से.) की अध्यक्षता में अगस्त माह की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, आगामी त्योहारों की सुरक्षा तैयारी और लंबित मामलों के निष्पादन को लेकर थाना प्रभारियों को कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए।

त्योहारों पर रहेगी कड़ी नजर, गश्ती बढ़ाने के आदेश

एसपी अनुदीप सिंह ने श्री गणेश चतुर्थी पर्व के मूर्ति विसर्जन और आगामी त्योहारों को देखते हुए जिले के सभी थाना व ओपी प्रभारियों को विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। असामाजिक तत्वों और संवेदनशील स्थलों पर सतत निगरानी रखने तथा चोरी, लूट व गृहभेदन की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए नियमित गश्त और सघन जांच अभियान चलाने के आदेश दिए गए।

अगस्त में दर्ज हुए 94 मामले, 124 का हुआ निष्पादन

माह अगस्त की समीक्षा के दौरान पाया गया कि जिले में कुल 94 नए कांड प्रतिवेदित हुए, जिनकी तुलना में 124 पुराने व नए मामलों का निष्पादन किया गया।

पोक्सो व स्पेशल एक्टः POCSO Act के मामलों को निर्धारित समयावधि में निपटाने और IT U NDPS Act के मामलों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया।

वारंट व कुर्की: लंबित वारंट और कुर्की के कम से कम 50 प्रतिशत निष्पादन का लक्ष्य तय किया गया।

अपराधियों पर नकेलः पिछले 5 वर्षों में संपत्ति मूलक अपराधों में शामिल रहे अपराधियों पर नियंत्रण के लिए उउअ, निगरानी पंजी और गुंडा पंजी में नाम दर्ज करने का प्रस्ताव भेजने को कहा गया।

अवैध खनन और मादक पदार्थों पर जीरो टॉलरेंसः एसपी ने अवैध पत्थर, कोयला और बालू के खनन व परिवहन के खिलाफ जिला खनन टास्क फोर्स के साथ मिलकर नियमित छापेमारी करने के निर्देश दिए। साथ ही अवैध मादक पदार्थों की खरीद-बिक्री पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए निरंतर कार्रवाई करने को कहा।

सड़क सुरक्षा, जांच अभियान और e-Dar: सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी से समन्वय बनाकर प्रतिदिन स्थान और समय बदलकर सघन वाहन जांच अभियान (हेलमेट, सीट बेल्ट, इंश्योरेंस व ड्रंक एंड ड्राइव) चलाने का निर्देश दिया गया। दुर्घटना से संबंधित सभी मामलों की प्रविष्टि e-Dar पोर्टल पर करना अनिवार्य किया गया है।

थाना आने वाले फरियादियों से शालीन व्यवहार का निर्देश: एसपी ने स्पष्ट किया कि थानों में आने वाले शिकायतकताओं और महिलाओं को बेवजह परेशान न किया जाए। उनकी समस्याओं को शालीनता से सुनकर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाए। इसके अलावा पासपोर्ट, चरित्र सत्यापन और परिवाद पत्रों का त्वरित निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। सामाजिक कुरीतियों, साइबर अपराध, नशामुक्ति, मानव तस्करी और बाल विवाह के खिलाफ हर माह स्कूल, कॉलेज और हाट-बाजारों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। महिला थाना प्रभारी को प्रत्येक सप्ताह शैक्षणिक संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इस समीक्षा बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पाकुड़, सभी पुलिस निरीक्षक, थाना व ओपी प्रभारी, अपर लोक अभियोजक और जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्वच्छ हवा के लिए सामूहिक भागीदारी जरूरी - नगर निगम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद। स्वच्छ वायु दिवस 2026 के अवसर पर धनबाद नगर निगम की ओर से न्यूटन हाल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने कहा कि स्वच्छ हवा के लिए प्रत्येक नागरिक को जागरुक होकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की। नगर आयुक्त आशीष गंगवार ने बताया कि वायु प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए नगर निगम की ओर से सभी 55 वार्डों में वृक्षारोपण एवं स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाए गए। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धनबाद नगर निगम ने स्वच्छ शहरों की रैंकिंग में झारखंड में प्रथम और देश में 18वां स्थान प्राप्त किया है। वायु गुणवत्ता की निगरानी के लिए 10 सेंटर आधारित मॉनिटरिंग सिस्टम और पांच बड़े एलइडी डिस्पले लगाए गए हैं। नगर निगम की ओर से खुले में कचरा जलाने पर रोक, निजी वाहनों के सीमित उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और हरित ऊर्जा अपनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में स्कूली छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण पर प्रदर्शनी लगाई, जबकि साथी फाउंडेशन ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। मौके पर वन प्रमंडल पदाधिकारी विकास पालीवाल, एसडीएम लोकेश बारंगे, सीटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, ग्रामीण एसपी एस. मोहम्मद याकूब, बीबीएमकेयू कुलपति प्रोफेसर डॉ. रामकुमार सिंह बीआईटी सिंदरी निदेशक प्रो. (डॉ.) पंकज राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

सांसद मनीष जायसवाल ने मांडू विस क्षेत्र में किया तूफानी दौरा, अरगडा क्षेत्र में कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग- हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने बुधवार को मांडू विधानसभा क्षेत्र का तूफानी दौरा किया और कई कार्यक्रमों में शामिल हुए। उन्होंने सीसीएल के अरगडा क्षेत्र में कई विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया गया। सबसे पहले हेसालोंग में सामुदायिक भवन, गिद्दी-सी में ओपन जिम व फुटबॉल ग्राउंड तथा डीएवी स्कूल गिद्दी-ख में ओपन जिम का उद्घाटन किया गया। वहीं रेलीगढ़ा में डीएमएफटी मद से टेकर स्टैंड से पोस्ट ऑफिस तक नाली एवं पीसीसी पथ निर्माण का शिलान्यास किया। कार्यक्रम में उनके साथ मांडू विधायक निर्मल महतो उर्फ तिवारी महतो भी मौजूद रहे।इस दौरान हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल के क्षेत्रीय दौरे और उनके स्तर से क्षेत्र में विकास एवं जनसुविधाओं से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की भी खूब चर्चा हुई। कार्यक्रम में ग्रामीणों से उन्होंने सीधा संवाद कर स्थानीय समस्याओं और आवश्यकताओं की जानकारी ली गई तथा जल्द इसके नराकरण की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने की बात कही ।सांसद मनीष जायसवाल ने अपने दौरे के दरम्यान डीएवी स्कूल गिद्दी-ख में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया गया। विद्यार्थियों के विज्ञान मॉडल और प्रोजेक्ट की सराहना करते हुए उन्हें नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया गया।मौके पर लोकसभा सांसद प्रतिनिधि सत्येंद्र नारायण सिंह, डाड़ी सांसद प्रतिनिधि गुंजन साव, विधायक प्रतिनिधि गुड्डू यादव, संजीत पटेल, डाड़ी मंडल अध्यक्ष राजदीप प्रसाद, कोयलांचल सांसद प्रतिनिधि रणजीत पांडे, मांडू विधानसभा सह सांसद प्रतिनिधि पुरुषोत्तम पांडे, वरिष्ठ भाजपा नेता करुण सिंह, सांसद प्रतिनिधि रीमा देवी, विधायक प्रतिनिधि भुवनेश्वर महतो, जिला परिषद सदस्य लाखनलाल महतो, सर्वेश सिंह, पिंकु देवी, हेसालोंग मुखिया सीमा देवी, उपमुखिया मनीष यादव, गिद्दी ख मुखिया उषा देवी, सीसीएल अरगडा महाप्रबंधक सत्यजीत कुमार, एसओपी राजीव कुमार, एसओसी नासीर, सीएसआर नोडल अधिकारी कुमार अंकित समेत अन्य अन्य गणमान्य लोग उनके साथ उपस्थित रहें ।

अवैध अल्ट्रासाउंड मशीन जब्त, संचालक फरार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पलामू। जिले के सतबरवा प्रखंड क्षेत्र के सीमावर्ती इलाके कसियाडीह के पास एक निजी मकान में अवैध रूप से संचालित अल्ट्रासाउंड मशीन को जब्त कर लिया गया है। मनिका स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी डॉक्टर दिव्या क्षितिज कुजूर के नेतृत्व में मनिका पुलिस प्रशासन और सतबरवा पुलिस प्रशासन के सहयोग से बुधवार शाम छापेमारी की गई।गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मकान में घुसकर अल्ट्रासाउंड मशीन को जब्त कर लिया। मकान मालकिन कलावती देवी ने बताया कि यह मशीन ओम रंजन नामक डॉक्टर की है, जो मनिका में डॉक्टर के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि यहां गर्भवती महिलाओं, बच्चों और पुरुषों का भी अल्ट्रासाउंड किया जाता था। कलावती ने दावा किया कि अल्ट्रासाउंड मशीन की कागजी प्रक्रिया के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है।स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ दिव्या क्षितिज कुजूर ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि यहां अवैध रूप से अल्ट्रासाउंड मशीन लगाई गई है। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के सहयोग से छापेमारी की गई। डॉक्टर कुजूर ने कहा कि अभी मामले की जांच चल रही है। जांच पूरी होने के बाद ही कोई ठोस जानकारी दी जा सकती है।छापेमारी के दौरान अल्ट्रासाउंड मशीन का संचालक मौके से फरार हो गया। प्रशासन ने मामले की आगे की जांच शुरू कर दी है।

उपायुक्त ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष रक्तदान अभियान की तैयारियों की समीक्षा की

18, 24 एवं 28 सितंबर को ब्लड बैंक, पाकुड़ में होगा विशेष रक्तदान शिविर; सभी विभागों एवं संस्थानों को दिया गया रक्तदान का लक्ष्य

पाकुड़ : उपायुक्त मेघा भारद्वाज की अध्यक्षता में बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आगामी 18, 24 एवं 28 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले विशेष रक्तदान शिविर की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में रक्तदान अभियान को सफल बनाने, अधिक से अधिक रक्तदाताओं की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा जिले में पर्याप्त रक्त उपलब्धता बनाए रखने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।बैठक के दौरान सभी संबंधित विभागों एवं संस्थानों को रक्तदान हेतु लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को अपने- अपने विभाग एवं संस्थान के स्तर पर अधिक से अधिक लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए प्रेरित करने तथा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों एवं आमजनों से समन्वित प्रयास के साथ अभियान को सफल बनाने की अपील की। जिला स्वास्थ्य समिति, पाकुड़ द्वारा 18, 24 एवं 28 सितंबर 2026 को ब्लड बैंक, पाकुड़ में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में घायल मरीजों, थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों, एनीमिया से ग्रसित मरीजों एवं अन्य गंभीर परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता होती है। ऐसे में समय पर रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए नियमित रक्तदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। उपायुक्त ने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का पुनीत कार्य है। आपके द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में सहायक हो सकता है। जिले में रक्त की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने चैंबर ऑफ कॉमर्स, स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संगठनों एवं आम नागरिकों से बढ़-चढ़कर रक्तदान करने का अनुरोध किया।उन्होंने कहा कि अभियान में बेहतर कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा तथा उत्कृष्ट योगदान देने वाले रक्तदाताओं एवं संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि ह्लरक्तदान महादान है। आइए, हम सभी मिलकर इस पुनीत अभियान का हिस्सा बनें और किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में अपना अमूल्य योगदान दें।

कुम्हार टोली में बही भक्ति की बयार, संकट मोचन हनुमान मंदिर में श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ

सुनील कुमार अग्रवाल व सोमा डे अग्रवाल ने किया आयोजन, वृंदावन से पहुंचे ब्रह्मऋषि देवदास जी महाराज सुना रहे कथा

हजारीबाग के कुम्हार टोली स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का बुधवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। कथा का आयोजन सुनील कुमार अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी सोमा डे अग्रवाल के द्वारा कराया जा रहा है। श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से अधिक से अधिक श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति से जोड़ने के उद्देश्य से कथा का आयोजन संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में किया गया है।कथा के प्रथम दिन आयोजनकर्ता परिवार के घर से आचार्यों के सान्निध्य में विधि-विधान के साथ गणेश पूजन, पंचदेव पूजन एवं नवग्रह पूजन किया गया। इसके बाद महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली, जो मंदिर परिसर पहुंची। मंदिर परिसर में विधिवत वेदी का निर्माण कर पूजन-अनुष्ठान संपन्न कराया गया। इसके बाद दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन हुआ।श्रीधाम वृंदावन से पहुंचे ब्रह्मऋषि देवदास जी महाराज अपने संगीतमय प्रवचन के माध्यम से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान करा रहे हैं। उनके साथ पांच आचार्य केशव जी, आदेश जी, अरविंद जी, आशीष जी एवं कान्हा जी भी अनुष्ठान में अपनी भूमिका निभा रहे हैं। कथा के दौरान भजनों और भक्तिमय प्रस्तुति से पूरा मंदिर परिसर भक्तिरस में डूब गया।आयोजकों ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा 16 से 22 सितंबर तक प्रतिदिन दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक चलेगी। उन्होंने शहर के सभी धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा में शामिल होकर श्रीमद्भागवत का श्रवण करने और आध्यात्मिक ज्ञान की गंगा में डुबकी लगाने की अपील की है।

खेल और संस्कृति झारखंड की पहचान : सुदीप

खूंटी । तोरपा प्रखंड अंतर्गत बरकुली पंचायत के रायसेमला में हॉकी खेल समिति की ओर से आयोजित पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए।मौके पर विधायक ने फाइनल मुकाबले से पूर्व खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया और हॉकी स्टिक से शॉट मारकर प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर महिला समिति की सदस्यों ने पारंपरिक गीत एवं नृत्य प्रस्तुत कर विधायक का स्वागत किया। वहीं विधायक ने कहा कि खेल और संस्कृति झारखंड की पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ स्थानीय परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का अवसर मिलता है।विधायक ने कहा कि तोरपा विधानसभा क्षेत्र में हॉकी सहित विभिन्न खेलों में युवाओं की प्रतिभा और क्षमता उल्लेखनीय है। ग्रामीण स्तर पर आयोजित खेल प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने और आगे बढ़ने का मंच प्रदान करती हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने और अनुशासन एवं मेहनत को अपनी सफलता का आधार बनाने का आह्वान किया।

दुकान से 114 बोतल विदेशी शराब बरामद, संचालिका गिरफ्तार

रांची। राजधानी रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र के मुरला पहाड़, हेहल में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक दुकान से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। पुलिस ने मामले में दुकान की संचालिका को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार वरीय पुलिस अधीक्षक रांची को गुप्त सूचना मिली थी कि मुरला पहाड़ हेहल के पास स्थित एक दुकान में अवैध रूप से विदेशी शराब का भंडारण कर उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना के बाद नगर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने अमन स्टोर में छापेमारी की।तलाशी के दौरान दुकान से अलग-अलग कंपनियों की कुल 114 बोतल विदेशी शराब और बीयर बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने बरामद शराब को जब्त कर विधिवत सील कर दिया और दुकान की संचालिका पूर्णिमा कुमारी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि बरामद शराब में किंगफिशर बीयर की बोतल और केन बीयर, गॉडफादर बीयर, अल्ट्रामैक्स बीयर के साथ-साथ आरएस, बी-7, सहित अन्य नामी गिरामी कंपनियों की शराब शामिल है। पुलिस ने कुल 114 बोतल केन बरामद किए हैं।छापेमारी टीम में सुखदेवनगर थाना प्रभारी सुनील कुमार कुशवाहा, पुलिस अवर निरीक्षक संतोष कुमार यादव, राहुल कुमार मेहता, सुचिन कुमार मिश्रा, महिला आरक्षी ममता इन्दु, आरक्षी रूपमनी सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय, डिस्ट्रिक्ट ऑयल सीड्स मिशन एवं डिस्ट्रिक्ट स्टेयरिंग कमिटी की समीक्षा बैठक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबाग। उपायुक्त श्री हेमंत सती की अध्यक्षता में आत्मा शासकीय निकाय (ATMA Governing Body), डिस्ट्रिक्ट ऑयल सीड्स मिशन एवं डिस्ट्रिक्ट स्टेयरिंग कमिटी की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कृषि विभाग एवं संबद्ध विभागों द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, गत वर्ष किए गए कार्यों तथा आगामी कार्ययोजनाओं की समीक्षा की गई।समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने कहा कि आत्मा के माध्यम से कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार एवं आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों एवं उन्नत विधियों का उपयोग कर कृषकों की उत्पादकता एवं आय में वृद्धि की दिशा में प्रभावी कार्य किया जाना आवश्यक है। उपायुक्त ने गत वर्ष आत्मा के माध्यम से किए गए कार्यों की समीक्षा करते हुए योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पात्र कृषकों तक इसका लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने अच्छे एवं प्रगतिशील कृषकों को चिह्नित कर उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ देने तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।बैठक में मत्स्य विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने झींगा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। साथ ही हजारीबाग में मोती पालन के क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं प्रशासन की ओर से आवश्यक सहयोग प्रदान करने की बात कही।जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिले के कृषकों को विभिन्न क्षेत्रों में एक्सपोजर विजिट, स्किल डेवलपमेंट एवं प्रशिक्षण आदि से जोड़ने की योजना प्रस्तावित है। इसके माध्यम से कृषकों को आधुनिक कृषि तकनीक, नवाचार एवं बेहतर कृषि प्रबंधन की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। बैठक में बताया गया कि दिसंबर के प्रथम सप्ताह में वृहद एकीकृत कृषि मेला₹ का आयोजन प्रस्तावित है। मेले में कृषि, पशुपालन, मत्स्य, उद्यान सहित विभिन्न संबद्ध विभागों की योजनाओं की जानकारी कृषकों को दी जाएगी। विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे, जहां कृषकों को योजनाओं की जानकारी एवं लाभ उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जाएगी। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि कृषकों के खेतों में ड्रोन तकनीक के माध्यम से कीटनाशक के छिड़काव का कार्य भी कराया जाएगा। ड्रोन के द्वारा धान की फसल में प्रायोगिक छिड़काव भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, गोरिया करमा, हजारीबाग, कनीय पौधा संरक्षण पदाधिकारी कार्यालय, हजारीबाग एवं ATMA हजारीबाग के समन्वय से किया जाएगा

इससे आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के साथ-साथ कृषि कार्य को अधिक सुविधाजनक एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। बैठक में नेशनल फूड सिक्योरिटी एंड न्यूट्रीशन मिशन (NFSNM) 2026-27 के तहत चावल, दलहन एवं रागी के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे कार्यों की भी जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त कृषि पदाधिकारी द्वारा ₹आत्मनिर्भरता इन प्लेसेस से संबंधित कार्यों एवं गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी गई। उपायुक्त ने कहा कि कृषि एक निरंतर नवाचार की मांग करने वाला क्षेत्र है। बदलते समय के साथ कृषकों को आधुनिक तकनीक, नई कृषि पद्धतियों एवं वैज्ञानिक जानकारी से जोड़ना आवश्यक है। उन्होंने जिले के सभी प्रखंडों में कार्यरत एटीएम (ATM) एवं बीटीएम (इळट) को आवश्यक प्रशिक्षण देने का निर्देश दिया, ताकि वे कृषकों तक आधुनिक कृषि तकनीक एवं योजनाओं की जानकारी प्रभावी रूप से पहुंचा सकें। बैठक में कृषि विभाग सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

भटखिजरी में जय श्रीराम समिति की बैठक, नई कमेटी का हुआ गठन

लोहरदगा: सदर प्रखंड के भटखिजरी गांव स्थित महावीर मंदिर प्रांगण में बुधवार को जय श्रीराम समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समिति के जिला उपाध्यक्ष सूरज दसोंधी ने की। बैठक से पूर्व विधिवत मंगला आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं सनातन समाज के लोग शामिल हुए। आरती के बाद समिति के विस्तार एवं संगठन को मजबूत करने को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में सर्व सम्मति से भटखिजरी गांव की नई कमेटी का गठन किया गया। इसमें मुकेश साहू, गंदूरा लोहरा, राजेश साहू, सुरेश साहू, दशरथ लोहरा एवं नरेश साहू को संरक्षक बनाया गया। वहीं बजरंग साहू को अध्यक्ष, चंदन साहू को कार्यकारी अध्यक्ष, जितेंद्र साहू को महामंत्री, कार्तिक लोहरा को उपाध्यक्ष, नंदलाल साहू को संगठन मंत्री, रामनंदन साहू को कोषाध्यक्ष तथा सतेंद्र साहू को मठ-मंदिर प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस अवसर पर जिला संरक्षक लक्ष्मी भगत ने कहा कि संगठन ही सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त बुराइयों का अंत एक दिन अवश्य होता है। भगवान श्रीराम ने रावण का अंत कर अधर्म पर धर्म की विजय स्थापित की थी। उन्होंने कहा कि जिला कमेटी के गठन में सनातन समाज के विश्वास और भरोसे की जीत हुई है। संगठन की एकजुटता और शक्ति 14 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में दिखाई देगी। इसमें सनातन समाज के लोगों को आमंत्रित किया जाएगा।नव निर्वाचित अध्यक्ष बजरंग साहू ने कहा कि समाज को एकजुट करना और समाज में व्याप्त बुराइयों को दूर करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। संगठन को मजबूत बनाने के लिए सभी लोगों को साथ लेकर कार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी शपथ ग्रहण समारोह में गांव के लोग बड़ी संख्या में शामिल होकर नव गठित कमेटी का उत्साहवर्धन करेंगे। बैठक के अंत में जिला उपाध्यक्ष उदय महतो ने सभी नवनिर्वाचितपदाधिकारियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार जताया। मौके पर जिला संरक्षक लक्ष्मी भगत, अजय सोनी, जिला उपाध्यक्ष उदय महतो, प्रकाश साहू, भीम लोहरा, गोविंदा लोहरा, बिक्की महली, सूरज साहू, श्रवण साहू, तरुण साहू समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समिति के सदस्य मौजूद थे।

आसमानी बिजली की चपेट में आने से मजदूर की मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: सदर थाना क्षेत्र के डंपिंग यार्ड में काम करने वाले 55 वर्षीय मजदूर अयूब अंसारी की आसमानी बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान कुरसे गांव निवासी अयूब अंसारी, पिता अली बख्श के रूप में हुई है। जानकारी अनुसार अयूब अंसारी डंपिंग यार्ड में बॉक्साइट अनलोडिंग का काम करता था। बॉक्साइट अनलोडिंग करने के बाद वह पेशाब करने के लिए गए थे। इसी दौरान अचानक आसमानी बिजली की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से मजदूर को सदर अस्पताल भेजा गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उनके हें मृतयु की पुष्टि कर दी। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल में परिजनों की भीड़ जुट गई। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू भी सदर अस्पताल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार के बेटों से मुलाकात कर सहयोग राशि दी और हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। इधर, स्थानीय लोगों ने डंपिंग यार्ड परिसर में मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर भी सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर परिसर में मजदूरों के लिए पर्याप्त मूलभूत सुविधाएं और सुरक्षा व्यवस्था होती, तो ऐसी घटनाओं से बचाव की संभावना रहती। कुछ स्थानीय लोगों ने आशंका जताई कि डंपिंग यार्ड परिसर में वज्रपात से बचाव के उपाय उपलब्ध कराया जाए। वहीं, सिविल सर्जन ने बताया कि देर शाम होने के कारण मृतक का पोस्टमार्टम नहीं हो सका है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

मरकच्चों स्व. दशरथ तिवारी जी की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा में शामिल विधायक श्री रोशन लाल चौधरी

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

मरकच्चो, कोडरमा। मरकच्चो प्रखंड अंतर्गत भगवतीडीह में जिला परिषद मरकच्चो, कोडरमा के प्रतिनिधि सदस्य श्री रविशंकर कुमार उर्फ मंटू तिवारी जी के पूज्य पिता, पूर्व डीएसपी एवं समाज के प्रति सदैव समर्पित व्यक्तित्व परम श्रद्धेय स्व. दशरथ तिवारी जी की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया।समारोह में बरही विधायक माननीय रोशन लाल चौधरी जी एवं माननीय मनोज यादव जी के साथ सम्मिलित होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।पुलिस सेवा में रहते हुए स्व. दशरथ तिवारी जी ने कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया। उनका व्यक्तित्व केवल एक कुशल पुलिस अधिकारी के रूप में ही नहीं, बल्कि एक संवेदनशील, सरल और मानवीय सोच रखने वाले व्यक्ति के रूप में भी सदैव स्मरण किया जाएगा।उनकी प्रथम पुण्यतिथि पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए यह अनुभूति हुई कि समय व्यक्ति को हमसे दूर कर सकता है, लेकिन उसके संस्कार, आदर्श और समाज के लिए किए गए कार्य सदैव जीवित रहते हैं। स्वर्गीय तिवारी जी की जीवन-यात्रा आने वाली पीढ़ियों के लिए कर्तव्य, सेवा और मानवीय मूल्यों की प्रेरणा बनी रहेगी।

नेतृत्व विकास कार्यशाला के लिए लोहरदगा के दो प्रधानाध्यापक रवाना

झुंझुनू में आयोजित प्रशिक्षण में करेंगे झारखंड का प्रतिनिधित्व, विद्यालय नेतृत्व व नवाचार के सीखेंगे गुर

लोहरदगा: स्वर्ण पदक प्रमाणित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित विशेष नेतृत्व क्षमता विकास कार्यशाला में शामिल होने के लिए लोहरदगा जिले के दो प्रधानाध्यापक बुधवार को राजधानी एक्सप्रेस से राजस्थान के लिए रवाना हुए। पीएमश्री राजकीय उत्क्रमित उच्च विद्यालय, जिंगी के प्रधानाध्यापक अलीरजा अंसारी एवं पीएमश्री राजकीय मध्य विद्यालय, नवाड़ीपाड़ा के प्रधानाध्यापक अरुण राम इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोहरदगा की ओर से झारखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।राज्य परियोजना निदेशक, झारखंड सरकार के पत्रांक 3386, दिनांक 24 अगस्त 2026 के अनुसार शिक्षा विभाग, झारखंड द्वारा आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 16 से 24 सितंबर तक राजस्थान के झुंझुनू में होगा। कार्यशाला में विद्यालय नेतृत्व, शैक्षणिक प्रबंधन, प्रभावी प्रशासन, नवाचार आधारित शिक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम में सुधार तथा विद्यालय विकास की आधुनिक कार्यप्रणालियों से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य प्रधानाध्यापकों को प्रभावी शैक्षणिक नेतृत्वकर्ता के रूप में विकसित करना है, ताकि वे अपने विद्यालयों में नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण को और मजबूत कर सकें। दोनों प्रधानाध्यापकों के विद्यालयों का स्वर्ण पदक प्रमाणित विद्यालयों की सूची में शामिल होना जिले के लिए गौरव की बात है। उनके चयन से शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल है।रवाना होने से पूर्व अलीरजा अंसारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण व्यक्तिगत उपलब्धि से अधिक विद्यालय और जिले के लिए नई सीख एवं नवाचार लेकर लौटने का अवसर है। प्रशिक्षण में प्राप्त ज्ञान को विद्यालय में लागू करने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा। वहीं अरुण राम ने कहा कि विद्यालय नेतृत्व को प्रभावी बनाने और विद्यार्थियों के सीखने के परिणाम में सुधार के लिए प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव का उपयोग विद्यालय के हित में किया जाएगा। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने दोनों प्रधानाध्यापकों को शुभकामनाएं देते हुए उनके चयन को लोहरदगा के सरकारी विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक नेतृत्व और गुणवत्तापूर्ण कार्यों की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

चैंबर उपाध्यक्ष चुने जाने के बाद बंशीधर मंदिर पहुंचे अमित जायसवाल

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

– बंशीधर मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली की कामना, चैंबर सदस्यों ने किया भव्य स्वागत

– डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत कपूर का पौधा किया समर्पित

मेदिनीनगर। पलामू

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष चुने जाने के बाद पलामू के छतरपुर पूर्वी जिला पार्षद अमित कुमार जायसवाल बुधवार को बंशीधर मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली और लोगों के अमन-चैन की कामना की। इस दौरान चैंबर के सदस्यों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।अमित के पिता पर्यावरणविद डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने पर्यावरण धर्म के तहत मंदिर परिसर में हिमाचल के कपूर का पौधा प्रार्थना के साथ समर्पित किया। चैंबर सदस्यों ने नवनिर्वाचित क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अमित जायसवाल की रमना से ही अगुआई की और उन्हें मंदिर से कार्यालय तक ले जाकर स्वागत किया।रांची में हुए चैंबर चुनाव में अमित को 59 मत मिले, जबकि निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 30 मत प्राप्त हुए। उन्होंने 29 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। बंशीधर नगर चैंबर के अध्यक्ष शंभूनाथ, सचिव गोपाल जायसवाल, संरक्षक उदय जायसवाल समेत दर्जनों सदस्यों ने अमित को बधाई दी।डॉ. कौशल ने कहा कि अमित ने मुखिया, जिला परिषद सदस्य और अब चैंबर के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष के रूप में चार चुनाव लड़े और सभी में जीत दर्ज की। उन्होंने इसे अमित की मेहनत, जनता के विश्वास और संस्कारों का परिणाम बताते हुए ह्यजीत का चौकाह्न करार दिया।मौके पर सूर्य प्रकाश, अनिकेत विश्वकर्मा, कामेश्वर प्रसाद, उमेश कुमार, सुनील कुमार,दीप जायसवाल, चंद्र प्रकाश जायसवाल छोटू रंजन. राजन कुमार. विनोद कुमार कसेरा. मिकी जायसवाल. राकेश कुमार विश्वकर्मा संजय कुमार. राकेश कुमार और ओम प्रकाश चौबे समेत कई लोग मौजूद थे।

पकरी बरवाडीह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 का आयोजन

जागेश्वर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

केरेडारी / हजारीबाग। सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के तहत पकरी बरवाडीह कोल माइनिंग प्रोजेक्ट द्वारा गर्री कला हाई स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम ₹समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा₹ है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच सतर्कता, ईमानदारी, पारदर्शिता एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक (इन्फ्रा), पकरी बरवाडीह, पवन कुमार रावत ने बड़ी संख्या में उपस्थित स्कूली विद्यार्थियों को सतर्कता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि मजबूत नैतिक मूल्यों की नींव बचपन से ही रखी जाती है और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी को अपनाना जरूरी है। विद्यार्थी ही भविष्य में समाज एवं राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (विजिलेंस) विकास सिंह भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को सतर्कता जागरूकता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा दैनिक जीवन में ईमानदारी और पारदर्शिता अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल के माध्यम से पकरी बरवाडीह प्रबंधन द्वारा युवा पीढ़ी में नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता बढ़ाने और समाज में ईमानदारी, पारदर्शिता व उत्तरदायित्व की संस्कृति को मजबूत करने का संदेश दिया गया। बोलिए, इसका एक ऑफिशियल न्यूज पोस्टर / फोटो वाला बैनर भी बना दूँ क्या NTPC / PBCMP लोगो के साथ?

आजसू जिला प्रभारी विशु रजवार ने किया विभिन्न गणेश पूजा पंडाल

रामगढ़। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गोला पंचायत अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर आयोजित श्री श्री गणेश पूजा में गिरिडीह लोकसभा सांसद चन्द्र प्रकाश चौधरी के निर्देश पर युवा आजसू जिला प्रभारी विशु रजवार एवं आजसू पार्टी प्रखंड उपाध्यक्ष राजू कुमार महतो शामिल हुए। इस दौरान युवा आजसू जिला प्रभारी विशु रजवार ने भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान श्री गणेश सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सफलता प्रदान करें तथा क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द बना रहे। इस अवसर पर आजसू पार्टी प्रखंड उपाध्यक्ष राजू कुमार महतो ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से समाज में एकता, भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे आयोजनों में शामिल होने से भक्ति के साथ-साथ शक्ति और नई ऊर्जा मिलती है। मौके पर आजसू पार्टी पंचायत अध्यक्ष आतेश पोद्दार, प्रकाश दांगी, छात्र संघ प्रखंड सचिव प्रीत नायक, कार्यकारी अध्यक्ष बिक्की स्वर्णकार सहित पार्टी के अन्य कार्यकर्ता एवं स्थानीय श्रद्धालु मौजूद रहे।

गणपति महोत्सव के दूसरे दिन भक्ति और सांस्कृतिक संध्या का संगम

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

भव्य महाआरती में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, नृत्य प्रतियोगिता में कलाकारों ने बांधा समां

पाकुड़ : रेलवे मैदान पाकुड़ में सार्वजनिक गणेश पूजा समिति द्वारा आयोजित 28वें गणपति महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही रेलवे मैदान में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। शाम को पूजा-अर्चना के उपरांत बाबा गणपति जी की भव्य महाआरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।महाआरती के दौरान पूरा रेलवे मैदान भक्तिमय वातावरण में डूब गया। गाजे-बाजे और जयकारों के बीच बाबा गणपति जी की आरती की भव्यता देखते ही बन रही थी। पुरोहित सजल चटर्जी एवं शुभो सहाना ने विधिवत पूजा-अर्चना एवं महाआरती संपन्न कराई। आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

दीप प्रज्वलित कर सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ:

महाआरती के उपरांत सांस्कृतिक संध्या का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन अनुमंडल पदाधिकारी साइमन मरांडी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव, सहायक उपाध्यक्ष डीबीएल ब्रजेश कुमार, वार्ड पार्षद निभा देवी, ईआरएमयू अध्यक्ष अखिलेश कुमार चौबे, सचिव संजय कुमार ओझा, सहायक स्टेशन प्रबंधक कुमार विकास एवं राणा शुक्ला ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया।मंचासीन अतिथियों का स्वागत अविनाश पंडित, अजीत कुमार, तन्मय पोद्दार, पिंटू हाजरा, राज चौधरी, अंकित शर्मा, बुवाई रजक एवं अंकित मंडल ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिह्न भेंट कर किया।

विभिन्न जिलों से पहुंचे कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति:

सांस्कृतिक संध्या के मुख्य आकर्षण नृत्य प्रतियोगिता में कोलकाता, मालदा, रामपुरहाट, जंगीपुर, भागलपुर एवं साहिबगंज सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे कलाकारों ने हिस्सा लिया। कोलकाता से आए नृत्य निर्णायक उज्ज्वल हालदार एवं शंकर लाल साहा ने प्रतियोगिता की जिम्मेदारी संभाली, जबकि उद्घोषक कैलाश मध्यान्ह ने कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा।प्रतियोगिता में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष रूप से छोटे-छोटे नवोदित बाल कलाकारों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने खूब तालियां बटोरीं। बच्चों के आत्मविश्वास और शानदार प्रदर्शन ने दर्शकों को देर तक बांधे रखा।

सुरक्षा व्यवस्था रही चाक-चौबंद:

कार्यक्रम के दौरान रेलवे मैदान दर्शकों से खचाखच भरा रहा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं दर्शकों की मौजूदगी को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की थी। निरीक्षक-सह-प्रभारी अनिल गुप्ता के नेतृत्व में पुलिस बल ने सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाल रखी थी। वहीं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी रवि राकेश ने कार्यक्रम स्थल के चप्पे-चप्पे पर नजर बनाए रखी।कार्यक्रम का संचालन अनिकेत गोस्वामी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में पूजा के संस्थापक हिसाबी राय,संजय कुमार राय, रणजीत राम,निर्भय कुमार सिंह,नितिन मंडल, रवि पटवा, अग्नि अंश राज, अभिषेक कुमार, कृष्ण घोष, रतुल दे एवं साकेकुल आलम सहित समिति के सदस्यों एवं कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।गणपति महोत्सव के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने रेलवे मैदान को देर रात तक उत्सव के रंग में रंगे रखा। भक्ति और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के इस सुंदर संगम ने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया।

ईरान की सीमाओं के हालात देखिये, युद्ध ने खड़ा कर दिया है बहुत बड़ा मानवीय संकट

सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष ने पूरे पश्चिम एशिया को एक गहरे मानवीय संकट में धकेल दिया है। बीते एक महीने से लगातार हो रही बमबारी ने न केवल हजारों लोगों की जान ली है, बल्कि लाखों लोगों को अपना घर छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, 28 फरवरी से अब तक अमेरिका और इजराइल के हमलों में कम से कम 1937 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि चौबीस हजार आठ सौ से अधिक लोग घायल हुए हैं। ये आंकड़े इस बात की गंभीरता को दर्शाते हैं कि यह संघर्ष अब व्यापक मानवीय आपदा बन चुका है।

इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक, इस संघर्ष के कारण अब तक बत्तीस लाख से अधिक लोग ईरान के भीतर ही विस्थापित हो चुके हैं। तेहरान, इस्फहान और केरमानशाह जैसे बड़े शहरों में सबसे ज्यादा हवाई और ड्रोन हमले हुए हैं, जिसके चलते लोग इन इलाकों को छोड़कर अपेक्षाकृत सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण क्षेत्रों और कैस्पियन सागर के पास के उत्तरी इलाकों की ओर जा रहे हैं। लेकिन हालात इतने खराब हैं कि सुरक्षित स्थान भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं रह गए हैं। कई जगहों पर लगातार हमलों के कारण लोगों के सामने यह दुविधा है कि वे अपने घरों में रहें या पलायन का जोखिम उठाएं।

अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, यह संकट अब ईरान की सीमाओं से बाहर भी फैल चुका है। 19 मार्च तक अस्सी हजार से अधिक लोग देश छोड़ चुके हैं। इनमें से सबसे ज्यादा लोग अफगानिस्तान पहुंचे हैं, जहां सत्तर हजार से अधिक लोगों ने शरण ली है। इसके अलावा पाकिस्तान, अजरबैजान, इराक और तुर्कमेनिस्तान में भी हजारों लोग पहुंचे हैं। यह पलायन इस बात का संकेत है कि लोगों को अब अपने देश में जीवन सुरक्षित नहीं लग रहा। डर, असुरक्षा और लगातार हो रहे हमलों ने

आम नागरिकों को अपनी जान बचाने के लिए मजबूर कर दिया है।

वहीं सीमाओं पर हालात और भी ज्यादा कठिन होते जा रहे हैं। ईरान से भागकर अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमाओं तक पहुंचने वाले लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राहत एजेंसियों के अनुसार, सीमाई चौकियों पर भारी भीड़, लंबी कतारें और सीमित संसाधनों के कारण लोगों को कई दिनों तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई स्थानों पर भोजन, पानी और चिकित्सा सुविधाओं की भारी कमी है।

इसके अलावा, सुरक्षा स्थिति भी बेहद चिंताजनक बनी हुई है। अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा पर लगातार झड़पें और गोलाबारी हो रही है, जिससे शरण लेने आए लोगों की जान भी खतरे में पड़ रही है। हाल के दिनों में सीमा क्षेत्रों में तोपखाने हमलों और सैन्य कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं, जिनमें आम नागरिक भी घायल हुए हैं। साथ ही कई बार सीमाएं अचानक बंद कर दी जाती हैं या सीमित समय के लिए खोली जाती हैं, जिससे हजारों लोग बीच रास्ते में फंस जाते हैं। कुछ मामलों में लोगों को जबरन वापस लौटाया जा रहा है, जबकि कई परिवार बिछड़ जा रहे हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जो लोग एक युद्ध से बचकर भाग रहे हैं, वे अक्सर दूसरे संघर्ष और असुरक्षा के माहौल में पहुंच जाते हैं, जिससे उनकी स्थिति और भी दयनीय हो जाती है।

ईरान से भाग रहे लोगों की कहानियां भी बेहद मार्मिक हैं। कई लोग अपने देश की सरकार से नाराज हैं और इस संघर्ष को बदलाव का मौका मान रहे हैं। कुछ लोगों ने विदेशी सैन्य हस्तक्षेप का समर्थन भी किया है, जो इस बात को दशार्ता है कि देश के भीतर असंतोष कितना गहरा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एक व्यक्ति ने बताया कि पिछले 47 वर्षों का दर्द अब असहनीय हो चुका है। वहीं एक अन्य व्यक्ति, जो सात साल जेल में रहा, उसने कहा कि जो पीड़ा उन्होंने झेली है, उसे समझ पाना आसान नहीं है। हालांकि, लोग डर और उम्मीद दोनों के बीच जी रहे हैं। वह अपनी जान और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, लेकिन साथ ही यह भी चाहते हैं कि यह संघर्ष किसी बड़े बदलाव की ओर ले जाए।

वहीं ईरान में रहने वाले चालीस लाख से अधिक अफगान शरणार्थी इस संकट में सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। इनमें से अधिकतर शहरों में रहते हैं, जो हमलों का मुख्य लक्ष्य बने हुए हैं। इनमें से कई लोगों की आजीविका खत्म हो चुकी है और उनके पास न तो सुरक्षित स्थान है और न ही देश छोड़ने की अनुमति है। बताया जा रहा है कि करीब पैंतीस हजार अफगान पहले ही वापस अपने देश लौट चुके हैं, जबकि दस लाख से अधिक लोगों पर जबरन वापसी का खतरा मंडरा रहा है। यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि अफगानिस्तान खुद संकट से जूझ रहा है। दूसरी ओर, ईरान के शहरों से आ रही तस्वीरें बेहद चिंताजनक हैं। कई इलाकों में घर, अस्पताल और स्कूल बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। तेहरान के लगभग हर इलाके में इमारतों को नुकसान पहुंचा है। लोग अपने घरों की खिड़कियों पर टेप लगा रहे हैं ताकि कांच टूटने से होने वाली चोटों से बचा जा सके। इंटरनेट सेवाएं बाधित हैं और बैंकिंग व्यवस्था भी प्रभावित है, जिससे आम जीवन और कठिन हो गया है। लोग रातभर बम धमाकों की आवाज सुनते हुए डर के साये में जी रहे हैं।

उधर, मानवीय संगठनों का कहना है कि राहत कार्यों के लिए जरूरी धन की भारी कमी है। हर सप्ताह अरबों रुपये युद्ध पर खर्च हो रहे हैं, लेकिन प्रभावित लोगों के लिए भोजन, आश्रय और चिकित्सा सहायता के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। बताया जा रहा है कि ईरान में करीब अट्ठाइस लाख लोगों की मदद के लिए 80 मिलियन डॉलर की जरूरत है, जबकि अफगानिस्तान में 17.5 मिलियन लोगों के लिए 1.71 बिलियन डॉलर की आवश्यकता है। लेकिन अब तक इसका बहुत छोटा हिस्सा ही उपलब्ध हो पाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह युद्ध जारी रहा तो यह एक और बड़े मानवीय संकट का रूप ले सकता है। लाखों लोग सीमाओं के पार जाने को मजबूर होंगे, जिससे पहले से दबाव झेल रहे देशों पर और बोझ बढ़ेगा। देखा जाये तो यह संघर्ष आम लोगों को ऐसी पीड़ा दे रहा है जिसके लिए वे जिम्मेदार नहीं हैं। इसलिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की जा रही है कि सभी पक्ष नागरिकों और बुनियादी ढांचे पर हमले रोकें और कूटनीतिक समाधान की दिशा में आगे बढ़ें।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। व्यापार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन उसके लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ेगा। कार्यों में सफलता मिलने से नई ऊर्जा का अनुभव करेंगे। निवेश से बचना होगा। पारिवारिक संबंध मधुर होंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें। कार्यक्षेत्र में सहकर्मी से विवाद हो सकता है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। किसी धार्मिक यात्रा पर जाने के योग बनेंगे।

वृषभ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। लंबे समय से अटकी योजना पूरी हो सकती हैं। नौकरी के नए अवसर मिलने की संभावना रहेगी। कार्यभार अधिक होने से शारीरिक और मानसिक रूप से थकान महसूस करेंगे। खर्च की अधिकता रहेगी। परिवार में किसी से मनमुटाव हो सकता है। मित्रों की सलाह काम आएगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। यात्रा सुखद रहेगी। धर्म कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार की स्थिति यतावत रहेगी। कठिन परिश्रम से सभी कार्य सफल होंगे और मित्रों का पूरा सहयोग मिलेगा, अनावश्यक खर्च बढने से तनाव में रह सकते हैं। स्वास्थ्य की स्थिति कमजोर रहेगी। दाम्पत्य जीवन अच्छा रहेगा। धर्म-ध्यान में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक आयोजनों में शामिल हो सकते हैं। परिवार में बड़ों का स्नेह व विश्वास प्राप्त होगा।

कर्क राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार में आर्थिक लाभ मिल सकता है, लेकिन फैसले सोच-समझकर लेने होंगे। सौदे संभलकर करें, अन्यथा किसी बड़े नुकसान की भी संभावना रहेगी। मित्रों से अच्छे संबंध रहेंगे और परिवार में हर्ष-उल्लास का वातावरण रहेगा। नौकरीपेशा वर्ग में उत्साह बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे। यात्रा पर जाने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने की संभावना रहेगी। आकस्मिक धनलाभ के योग भी रहेंगे। आमदनी बढ? से मानसिक सुख की प्राप्ति होगी और परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें। घर में मांगलिक कार्य हो सकते हैं। खान-पान का ध्यान रखना होगा।

कन्या राशि :- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। कारोबार लाभदायक रहेगा और नौकरी में तरक्की के साथ स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। लम्बे समय से प्रयासरत कार्यों में सफलता मिलेगी। आमदनी में वृद्धि से आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण नहीं होने से तनाव झेलना पड़ सकता है। खान-पान में सावधानी रखें। मित्रों से कार्यों में मदद मिलेगी। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

तुला राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार में आशानुरूप सफलता और फायदा मिलेगा। व्यापार में नई ऊंचाइयों को छू सकते हैं। सामाजिक कार्यों में भाग लेने से समाज में प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। अधिक परिश्रम से मानसिक एवं शारीरिक रूप से थकान व अस्वस्थता महसूस करेंगे। छोटी मोटी यात्रा करना पड़ सकता है। परिवार के साथ समय बिताएंगे। दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृश्चिक राशि :- आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। मेहनत के बेहतर परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभकारी सौदे होंगे। व्यापारिक रुकावटें दूर होंगी। नए निवेश के अवसर मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। अनावश्य खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल सुखमय होगा। जीवनसाथी से सामंजस्य बना रहेगा। खान-पान का ध्यान रखें, स्वास्थ्य संबंधी परेशानी आ सकती है।

धनु राशि :- आज का दिन अच्छा रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा, लेकिन अनावश्यक खर्च बढने से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। संपर्कों के जरिए प्रगति के नए अवसर मिलेंगे, जिससे ऊर्जा व उत्साह से परिपूर्ण रहेंगे। पैतृक संपत्ति से धनलाभ होने के योग रहेंगे। परिवार में मांगलिक कार्यों की योजना बनेगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा। सेहत का ख्याल रखें। यात्रा लाभदायी रहेगी।

मकर राशि :- आज का दिन आर्थिक रूप से लाभकारी रहेगा। कारोबार में अच्छा मुनाफा और नौकरी में तरक्की मिलने के योग रहेंगे। प्रॉपर्टी और शेयर बाजार में निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा। नए लोगों से मुलाकात हो सकती है। व्यक्तिगत स्वार्थ हावी हो सकता है। सेहत संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कारोबार के सिलसिले में यात्रा भी कर सकते हैं। परिवार में किसी से मनमुटाव की संभावना रहेगी।

कुम्भ राशि :- आज का दिन सामान्य रहेगा। बेरोजगारों को रोजगार के अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को थोड़ी अड़चनें आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में कार्यभार बढ़ेगा और खर्च की अधिकता से आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। सामाजिक कार्यों में मन लगेगा व समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पारिवारिक जिम्मेदारी पूर्ण करेंगे। प्रभावशाली लोगों से मुलाकात होगी। जीवनसाथी का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- आज का दिन उतार-चढ़ाव भरा रहेगा। कारोबार की स्थिति सामान्य रहेगी। सफलता के कई अवसर हाथ आएंगे, लेकिन काम का बोझ बढने से कई मौके हाथ से फिसल भी सकते हैं। क्रोध की अधिकता रहेगी, इसलिए वाणी पर संयम रखकर वाद-विवाद से बच सकते हैं। सामाजिक गतिविधियों में शामिल हो सकते हैं। निवेश सोच समझकर करें। यात्रा पर जाने से बचें और स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कहीं भारी न पड़ जाए गाइडलाइन पर गुस्सा

इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव गलत माना गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

दरअसल नए नियमों में 'जातिगत भेदभाव' का मतलब केवल अनुसूचित जाति यानी एससी, अनुसूचित जनजाति यानी एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के खिलाफ भेदभाव बताया गया है। विवाद इसी को लेकर है । सामान्य वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों का आरोप है कि यह परिभाषा एकतरफा है और इसमें 'सामान्य वर्ग' के खिलाफ भेदभाव या झूठी शिकायतों का कोई जिक्र नहीं है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026' यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है। इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव गलत माना गया है। इस नियम में शिक्षा में समानता को बाधित करने वाले या मानवीय गरिमा का उल्लंघन करने वाले हर काम को गलत माना गया है। इस गाइडलाइन के तहत हर उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र यानी ईओसी स्थापित करना जरूरी होगा। इस केंद्र का उद्देश्य संस्थान में समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुँच को बढ़ावा देना तो होगा ही, साथ ही शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना भी होगा। इस गाइडलाइन के अनुसार, हर संस्थान को ईओसी के तहत एक समता समिति बनानी होगी, जिसका अध्यक्षता संस्थान का प्रमुख होगा । समिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग व्यक्ति और महिला का प्रतिनिधित्व जरूरी होगा , ताकि समावेशी निर्णय-प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

सामान्य वर्ग की आशंका की वजह है, पहले से लागू एससी और एसटी कानून, जिसके गलत इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है। उसके तहत बिना वजह झूठे आरोपों के चलते सामान्य जीवन ही नहीं, बल्कि सरकारी दफ्तरों तक में सामान्य वर्ग के लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें बिना वजह प्रताड़ना और गिरफ्तारी तक झेलनी पड़ी है। उसी आलोक में यूजीसी के इस नए नियम का विरोध हो रहा है ।

वैश्विक संकट के दौर में वैश्विक पर्यटन उद्योग

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के साइड इफेक्ट के रुप में दुनिया का पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। एक मोटे अनुमान के अनुसार 152 करोड़ पर्यटकों से गुलजार रहने वाला वैश्विक पर्यटन उद्योग के वैश्विक हालातों के चलते वर्तमान हालातों में मंदी से भी अतिमंदी के दौर से गुजरने की संभावना से नहीं नकारा जा सकता। वैसे तो सभी देशों में पर्यटन उद्योग पर विपरीत असर पड़ने जा रहा है पर सबसे अधिक असर मध्यपूर्व के देशों में देखा जा सकता है। जानकारों के अनुसार अकेले मध्यपूर्व को ही 600 मिलियन अमेरिकी डॉलर का नुकसान भुगतना पड़ सकता है। दुनिया में सबसे अधिक पर्यटक फ्रांस की धरती पर जाते है और माना जाता है कि 9 से 10 करोड़ पर्यटक तो फ्रांस का रुख करते हैं। जहां तक भारत का प्रश्न है हमारे यहां भी लगभग 2 करोड़ विदेशी पर्यटक देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का रुख करते हैं। पर युद्ध के वैश्विक हालातों के चलते विश्व के अन्य देशों की तरह से भारत के भी विदेशी पर्यटकों की आवाही पर विपरीत प्रभाव पड़ना ही है। एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत और दुनिया के देशों में देशी पर्यटकों की संख्या में उछाल के चलते इस उद्योग को संजीवनी अवश्य मिलती लगती है।

वर्तमान दौर में दुनिया के चौधरी बने देशों को यह समझ लेना चाहिए कि अब वह जमाना गया जब हफ्ते दो हफ्ते में युद्ध का फैसला हो जाया करता था। आज छोटा से छोटा देश भी युद्ध को लंबा खींचने की कुब्बत रखता है। इसे हम रुस यूक्रेन युद्ध से अच्छी तरह से समझ सकते हैं। अमेरिका ने भी जब ईरान पर आक्रमण किया तो ट्रंप का कायास यही था कि दो चार दिन में ईरान के घुटने टिकवा देंगे पर ट्रंप और नेतन्याहू के सारे कयास धरे के धरे रह गए और इनके चक्कर में दुनिया अस्थिरता और वैश्विक संकट में और आ गई। आज हालात यह हो गए हैं कि युद्ध तो आप शुरू कर सकते हो पर युद्ध शुरू होने के बाद कब बंद होगा यह आपके हाथ में नहीं रहेगा। युद्ध के चलते अब हालात ऐसे हो गए है कि चाह कर भी पर्यटक घूमने का रुख नहीं कर पा रहे हैं। केवल और केवल ट्रंप के दादागिरी पूर्ण रवैये के चलते दुनिया की देशों की जीडीपी में करीब 10 प्रतिशत की हिस्सेदारी निभाने वाला पर्यटन उद्योग बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। होटल और ट्रेवल उद्योग से जुड़ी एजेंसियां के सामने बड़ा संकट आ गया है तो दुनिया के देशों और संस्कृतियों से जुड़ने और समझ कर एक दूसरे के नजदीक आने की जो पहल पर्यटन उद्योग के चलते हुई थी उस पर लगभग विराम के से हालात होते जा रहे हैं। 10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक का पर्यटन उद्योग आज संकट के दौर में आ गया है। उदाहरण के तौर पर देखा जाए तो थाईलैंड की

अर्थव्यवस्था में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी पर्यटन उद्योग की है और वह लगातार दूसरे साल गंभीर संकट के दौर में आ गई है। जैसे तैसे पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हजार डॉलर प्रतिदिन के लग्जरी कमरों की कीमत घटकर 300 डॉलर तक कर देने के बाद भी पर्यटक रुख नहीं कर रहे हैं। हालात विकट से विकटतर होते जा रहे हैं।

दरअसल वैश्विक हालातों के चलते एक और उड़ाने रद्द होती जा रही है तो युद्ध के चलते लोगों में असुरक्षा की भावना होती जा रही है। पता नहीं कब कहां क्या हो जाए और कहीं जाएं वहीं पर बंद होकर के रह जाएं। इस तरह की आशंकाओं से भी दो चार हो रहे हैं। मध्यपूर्व के देशों में तो लगभग यही हालात है। कब किस देश और किस स्थान पर मिसाइल अटैक हो जाएं कहा नहीं जा सकता। क्योंकि अमेरिका-इजरायल व ईरान युद्ध की खास नकारात्मक बात यह है कि इन दो देशों पर मिसाइल अटैक नहीं हो रहे बल्कि इनसे थोड़ी सी भी सहानुभूति रखने वाले देष कब निशाने पर आ जाएं कहा नहीं जा सकता। मध्यपूर्व में मिसाइल अटैक और हार्मुज जलडमरुमध्य के हालात इसके उदाहरण है। हालात तो यहां तक खराब होने की संभावना से इंकार नहीं करते कि मध्यपूर्व के देषों में तो पानी का गंभीर संकट तो हो सकता है। आज कच्चा तेल, एलपीजी की ही समस्या नहीं अपितु दुनिया को जोड़ने वाले इंटरनेट के बाधित होने की संभावनाओं से नकारा नहीं जा सकता। लगता है एक दूसरे के अहम् के चलते आमआदमी कहीं हाशिये में चला गया है। युद्ध के सामान्य नियम भी ताक में रख दिए गए हैं और आमनागरिकों, बच्चों, अस्पतालों, घनी आबादी इलाकों में भी मिसाइल दागने से कोई परहेज नहीं रह गया है।

कोरोना के दौरान जिस तरह से पर्यटन उद्योग प्रभावित हुआ था आज उसी तरह के हालात बनते दिख रहे हैं। कोरोना के बाद पिछले सालों में पर्यटन उद्योग ने तेजी पकड़ी थी और लगने लगा था कि 2030 तक पर्यटन उद्योग को जबरदस्त बूस्ट मिलेगा पर अब हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और लगता नहीं है कि आने वाले दिनों में कोई सुधार दिखाई देगा। हांलाकि एक सकारात्मक पक्ष यह देखा जा सकता है कि भारत सहित विश्व के देशों में देशी पर्यटन को अवष्य बढावा मिलने लगा है। लोग अपने ही देश में आसपास के स्थानों को एक्सप्लोर करने लगे हैं। खैर वर्तमान हालात पर्यटन उद्योग के लिए बेहद चुनौती भरे हो गए हैं और सामान्य हालात होने के अभी तो दूर दूर तक आसार ही नहीं दिख रहे हैं।

सेना में झुंझुनू के जवान बेमिसाल है

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया था, वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गई लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया है। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतीत होता है कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तान का कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाकिस्तान युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतु सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनों अंगो की आन की रक्षा के लिए यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता है। राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवकों में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही है। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता है। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजों ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर शेखावाटी ब्रिगेड का गठन किया था। देश रक्षा के लिए सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानों को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा है। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक संख्या है। भारतीय सेना में योगदान के लिए झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की ओर से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुए यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है।

कारगिल युद्ध के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुए थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शामिल थे। जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धों में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त किए हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किए गए आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्ध-सभी अभियानों में यहां के सैनिकों ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया है। झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्ध में वीरता के लिए देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है।

संक्षिप्त डायरी

बिहार में गंगा किनारे बनाया जाएगा 350 किमी लंबा फोरलेन रोड, इन 12 जिलों को करेगा कनेक्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में जिलों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत करने के लिए कई सारे रोड प्रोजेक्ट्स पर काम किए जा रहे हैं. इसी क्रम में अब गंगा के दोनों किनारों पर फोरलेन रोड बनाए जाने की योजनाहै. इस प्रोजेक्ट से 12 जिलों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. बिहार में बक्सर से भागलपुर जिले के बीच फोरलेन एक्सप्रेसवे प्रोजेक्ट बनाए जाने की योजना है. इस एक्सप्रेसवे को गंगा के दोनों किनारों पर बनाया जाएगा. यह परियोजना लगभग 350 किलोमीटर लंबी बताई जा रही है. इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से बक्सर से भागलपुर के बीच की दूरी सिर्फ 4 घंटे में ही पूरी की जा सकेगी. दोनों किनारों पर बनाए जायेंगे बांध मिली जानकारी के अनुसार, बक्सर से भागलपुर के बीच दोनों किनारों पर बांध बनाए जायेंगे. इसके ऊपर फोरलेन एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा. इस प्रोजेक्ट को लेकर गंगा नदी की गहराई भी बढ़ाई जाएगी, इसके लिए नदी से गाद को निकाला जाएगा. इससे फायदा यह हो सकेगा कि नदी के जलधारण की क्षमता बढ़ेगी और बाढ़ के खतरे को भी कम करने में मदद मिल सकेगी. इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार की ओर से मास्टर प्लान तैयार कर लिया गया है. 350 किलोमीटर लंबा होगा कॉरिडोर यह 350 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बिहार के लिए बेहद खास बताया जा रहा है. गंगा नदी में कई छोटी-बड़ी नदियां मिलती हैं. ऐसे में जिन जगहों पर छोटी नदियां मिलेंगी, वहां पुल बनाए जाने की भी योजना है. इस तरह से यह पूरा कॉरिडोर लोगों की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ही तैयार किया जाएगा. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इन 12 जिलों में होगा रूट इस फोरलेन एक्सप्रेसवे से 12 जिलों को सीधा फायदा पहुंच सकेगा. जानकारी के मुताबिक, गंगा नदी के उत्तर और दक्षिण किनारों पर सड़क बनाई जाएगी. उत्तर बिहार में यह सड़क सारण, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, खगड़िया और कटिहार से जुड़ेगा जबकि दक्षिण बिहार में बक्सर, भोजपुर, पटना, लखीसराय, मुंगेर और भागलपुर से. इस तरह से उत्तर से लेकर दक्षिण बिहार के जिलों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत हो सकेगी. इन नदियों पर बैराज बनाने की योजना इस प्रोजेक्ट को लेकर यह भी जानकारी सामने आई है कि सोन नदी पर बैराज बनाया जा सकता है. इतना ही नहीं, सोन नदी के अलावा बूढ़ी गंडक, बागमती और महानंदा जैसी नदियों पर भी बैराज बनाए जाने की प्लानिंग की गई है. फिलहाल, इस रोड प्रोजेक्ट के लिए डीपीआर बनाई जा रही है. सबकुछ सही होने के बाद आगे की प्रक्रिया की जाएगी. फोरलेन रोड से होगा ये फायदा फोरलेन रोड के पूरा होने से पड़ोसी राज्यों के बीच कनेक्टिविटी भी आसान हो सकेगी. उत्तर प्रदेश, झारखंड और पश्चिम बंगाल जाना आसान हो जाएगा. बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा, जिससे लोगों का दिल्ली भी आना-जाना आसान हो सकेगा. इससे व्यापार, रोजगार और उद्योग को भी बढ़ावा मिल सकेगा.

बिहार में कानून-व्यवस्था सख्त: डीएम को मिलीं विशेष शक्तियां, माफिया और अपराधियों पर सीधे होगी कार्रवाई

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार ने कानून-व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जिलाधिकारियों (डीएम) को विशेष शक्तियां सौंपी हैं. अब पेपर लीक, भू-माफिया, साइबर अपराध और असामाजिक तत्वों पर डीएम सीधे कार्रवाई कर सकेंगे. बिहार सरकार ने कानून-व्यवस्था को दुरुस्त करने और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए अहम कदम उठाया है. बिहार अपराध नियंत्रण अधिनियम (CCA) के तहत जिलाधिकारियों को विशेष प्रशासनिक और न्यायिक शक्तियां सौंपी गई हैं. इसका मतलब है असामाजिक तत्वों और संगठित अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए सरकार ने डीएम की ताकत बढ़ा दी है. अब पेपर लीक से लेकर जमीन और बालू माफिया तक पर डीएम का पहरा बढ़ाया गया है. गृह विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, राज्य के सभी डीएम को अगले छह महीनों के लिए 25 सितंबर से 24 मार्च 2027 तक यहअधिकार दिए गए हैं. इसके तहत जिलाधिकारी ऐसे असामाजिक तत्व या अपराधी, जिससे शांति भंग होने या अपराध करने की आशंका हो, बिना लंबी अदालती प्रक्रिया के सीधे हिरासत में भेजने का आदेश जारी कर सकते हैं. डीएम सीधे कुर्की का दे सकेंगे आदेश यदि कोई आरोपी शांति बनाए रखने का बॉन्ड भरने से इनकार करता है या उसका उल्लंघन करता है, तो डीएम उसे सीधे जेल भेजने का आदेश दे सकते हैं. डीएम को यह तय करने की छूट होगी कि किसी व्यक्ति पर कार्रवाई करने के लिए कौन सा सबूत पर्याप्त है. इस प्रक्रिया में भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के कड़े नियम आड़े नहीं आएंगे. यदि कोई आरोपी के आदेश या नोटिस के बाद फरार होता है, तो डीएम उसकी संपत्ति को कुर्क करने और जब्त करने की कानूनी प्रक्रिया शुरू करवा सकते हैं. संशोधित उउअ के तहत जिलाधिकारी को कई महत्वपूर्ण शक्तियां दी गई हैं. डीएम-चिह्नित अपराधी को जिले या जिले के किसी हिस्से से बाहर जाने का आदेश दे सकेंगे. अपराधी को समय-समय पर थाने में हाजिरी लगाने का निर्देश दे सकेंगे. उसकी गतिविधियों की जानकारी देने का आदेश दे सकेंगे. संदिग्धों की तलाशी और संपत्ति जब्ती की कार्रवाई कर सकेंगे. वारंट जारी करने की शक्ति का इस्तेमाल कर सकेंगे. लोक व्यवस्था के लिए खतरा बनने वाले लोगों को हिरासत में लेने का आदेश दे सकेंगे. पहली बार में 12 महीने तक और बाद में 6-6 महीने के लिए बढ़ाई राज्य सरकार की मंजूरी से यह पाबंदी पहली बार में 12 महीने तक और बाद में 6-6 महीने के लिए बढ़ाई जा सकती है. डीएम नोटिस भेजने के साथ ही संबंधित व्यक्ति के खिलाफ वारंट जारी कर सकते हैं. बॉन्ड भरवाने और वारंट जारी करने के मामले में डीएम को एक सक्षम अदालत या न्यायालय का दर्जा और शक्तियां दी गई हैं. भू-माफिया-अवैध कब्जाधारियों की बढ़ेगी मुश्किल बिहार में जमीन विवाद और भू-माफियाओं की गतिविधियां लंबे समय से कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती हुई हैं. संशोधन के बाद ऐसे लोग, जो गैरकानूनी तरीके से किसी की चल या अचल संपत्ति पर कब्जा करते हैं या संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाते हैं, उनके खिलाफ भी उउअ लगाने का रास्ता साफ हो गया है.

बिहार के 25 जिलों में आज बिगड़ा रहेगा मौसम, भारी बारिश के साथ वज्रपात की चेतावनी

पटना (एजेंसी) बिहार में मौसम का इन दिनों मिलाजुला असर देखने के लिए मिल रहा है. इस बीच मौसम विभाग ने 25 जिलों में अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में भारी बारिश के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है. बिगड़े मौसम के दौरान लोगों से सावधान रहने की अपील की गई है. : बिहार में मॉनसून एक्टिव है. कुछ जिलों में बारिश का असर देखने के लिए मिल रहा है तो किसी जिले में धूप की वजह से उमस झेलनी पड़ रही है. इस बीच मौसम विभाग ने आज 25 जिलों में अलर्ट जारी किया है. इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने, भारी बारिश के साथ वज्रपात की आशंका जताई गई है. मौसम विभाग ने जिन जिलों में अलर्ट जारी किया है, उनमें पूर्वी चंपारण, पश्चिम चंपारण, शिवहर, सीतामढ़ी, मधुबनी, सुपौल, अररिया, किशनगंज, गोपालगंज, सारण, सीवान, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, समस्तीपुर, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया, कटिहार, बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास और कैमूर शामिल है. इन जिलों के लोगों को बिगड़े मौसम के दौरान खुले में नहीं रहने की अपील की गई है. मौसम विभाग का पूर्वानुमान मौसम विभाग की माने तो, 17 और 18 सितंबर को भी कुछ ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है. 17 सितंबर को राज्य के कुछ जिलों में बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं. इस दिन खगड़िया, औरंगाबाद और रोहतास जिले में भयंकर बारिश की संभावना जताई गई है. उत्तर बिहार के दरभंगा, पूर्वी चंपारण, मधुबनी, सीतामढ़ी समेत अन्य जिलों में चेतावनी जारी की गई है. इसके साथ ही 18 सितंबर को भी कुछ जिलों में बारिश की गतिविधियां जारी रह सकती हैं. मौसम विभाग की माने तो, बक्सर, भोजपुर, अरवल, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, बांका और जमुई जिले में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इसके अलावा बाकी के जिलों में मौसम सामान्य बना रह सकता है. कुछ जिलों में दिनभर बादलों की आवाजाही जारी रह सकती है. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें अब तक कितनी हुई बारिश? मौसम विभाग के मुताबिक, इस साल के मॉनसून सीजन में बारिश का आंकड़ा काफी कम रहा. बताया जा रहा है कि अब भी सामान्य से लगभग 36 प्रतिशत बारिश कम हो पाई है. पिछले 24 घंटे में बात करें तो, सीवान में 43 मिमी, जमुई में 28 मिमी, पूर्वी चंपारण में 46 मिमी और बांका में 30 मिमी बारिश हुई. इसके अलावा भी कुछ जिलों में थोड़ी-बहुत बौछारें हुईं. पटना में मौसम का हाल पटना में मौसम की बात करें तो, पिछले कुछ दिनों से हो रही हल्की बारिश की वजह से उमस से लोगों को काफी हद तक राहत मिली. आज भी पटना के कई हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है.

जमीन मालिकों के लिए 31 अक्टूबर तक चलेगा अभियान, 90 लाख जमाबंदियों में होगा सुधार

पटना (एजेंसी) बिहार में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से 15 सितंबर से ही अभियान शुरू कर दिया गया है. इस दौरान 90 लाख जमाबंदियों में सुधार किया जाएगा. बिहार के मुख्य सचिव की ओर से इसके लिए डेडलाइन जारी कर दिया गया है. बिहार के जमीन मालिकों से जुड़ी जरूरी खबर है. अगर जमीन की जमाबंदी में नाम गलत है, पिता के नाम में गलती है, खाता-खेसरा ठीक नहीं है या जमीन का रकबा और लगान गलत दर्ज है, तो इसे सुधारने का काम शुरू कर दिया गया है. बिहार में जमीन से जुड़े रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए सरकार ने अब अभियान शुरू कर दिया है. मंगलवार से ही शुरू हुआ अभियान जानकारी के मुताबिक, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग का जमाबंदी अपडेट करने और नामांतरण उत्तराधिकार विशेष अभियान मंगलवार से ही शुरू हो गया है. यह अभियान 31 अक्टूबर तक मिशन मोड में चलाया जाएगा. सरकार का लक्ष्य करीब 90 लाख जमाबंदियों में सुधार करना है. साढ़े चार करोड़ जमाबंदियां दर्ज मिली जानकारी के अनुसार, बिहार में करीब साढ़े चार करोड़ जमाबंदियां दर्ज हैं. इनमें लगभग 90 लाख रिकॉर्ड में किसी न किसी तरह की गड़बड़ी या जानकारी की कमी बताई जा रही है. इस तरह से देखा जा सकता है कि हर पांचवीं जमाबंदी में सुधार की जरूरत पड़ सकती है. कौन-कौन सी गलतियों को किया जाएगा ठीक? अभियान के दौरान जमाबंदी में दर्ज रैयत का नाम, पिता का नाम, खाता-खेसरा, जमीन का रकबा और लगान जैसी जानकारियों को मूल रिकॉर्ड से मिलाया जाएगा. अगर डिजिटल रिकॉर्ड और पुराने जमाबंदी पंजी में अंतर मिलता है तो उसे ठीक किया जाएगा. इसके साथ ही जिन जमाबंदियों में शून्य रकबा, शून्य लगान या जरूरी जानकारी गायब है, तो उसे भी दुरुस्त किया जाएगा. मृत व्यक्ति के नाम पर जमीन है तो क्या होगा? जानकारी के के मुताबिक, कई जगह जमीन की जमाबंदी आज भी ऐसे व्यक्ति के नाम पर चल रही है जिनकी मृत्यु हो चुकी है. अब ऐसे मामलों की भी पहचान की जाएगी. राजस्व कर्मचारी वैध उत्तराधिकारियों की वंशावली तैयार करेंगे और नियम के अनुसार उनके नाम पर उत्तराधिकार नामांतरण की प्रक्रिया शुरू होगी. डीएम-सीओ को आदेश जारी बताया जा रहा है कि मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने अधिकारियों को पूरी तरह से टाइट कर दिया है. इसके साथ ही उन्हें अभियान तय समय पर पूरा करने का निर्देश दिया है. इतना ही नहीं, डीएम और कमिश्नर इस अभियान की निगरानी करेंगे और सीओ हर रोज काम को लेकर लेटेस्ट रिपोर्ट देंगे. अभियान से लोगों को फायदा राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के इस अभियान से लोगों को काफी फायदा हो सकेगा. लोगों को जमीन की रजिस्ट्री, लोन लेने और दाखिल-खारिज में आसानी हो सकेगी. जमीन विवाद के मामले कम हो सकेंगे. साथ ही अगर जमाबंदी स्पष्ट होगी तो सर्वे का काम भी तेजी से निपटाया जा सकेगा. इस तरह से कई तरह के फायदे लोगों को हो सकते हैं.

वैशाली के राघोपुर में बाढ़ का जायजा लेने पहुंचे शिवराज सिंह चौहान और सम्राट चौधरी, ट्रैक्टर से किया निरीक्षण

पटना (एजेंसी) केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को वैशाली के बाढ़ग्रस्त राघोपुर इलाके का दौरा किया. उन्होंने ट्रैक्टर से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर फसल क्षति का जायजा लिया और स्थानीय लोगों से मुलाकात की. बिहार में बाढ़ की स्थिति के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी बुधवार को वैशाली के बाढ़ प्रभावित राघोपुर इलाके का जायजा लेने पहुंचे. दोनों नेताओं ने तेरसिया और आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और प्रभावित लोगों तथा किसानों से बातचीत की. बाढ़ के पानी और जलभराव वाले इलाकों तक पहुंचने के लिए ट्रैक्टर का भी इस्तेमाल किया गया. खेतों में पहुंचकर फसल नुकसान का लिया जायजा दौरे के दौरान मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री का विशेष फोकस बाढ़ से किसानों को हुए नुकसान पर रहा. तेरसिया क्षेत्र में खेतों और बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण कर फसल क्षति की स्थिति देखी गयी. किसानों से बातचीत कर बाढ़ के कारण खेती पर पड़े असर की जानकारी ली गयी. केंद्रीय टीम भी बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन कर रही है. राघोपुर के कई गांव बाढ़ से प्रभावित हैं. गंगा के जलस्तर बढ़ने से खेतों में पानी पहुंचने के कारण फसलों को नुकसान हुआ है. स्थानीय स्तर पर राहत और बचाव कार्य भी जारी है. वोट के जरिए क्षेत्र में केन्द्रीय टीम भ्रमण करते हुए` बाढ़ पीड़ितों से करेंगे बातचीत, अधिकारियों के साथ होगी समीक्षा बैठक दौरे के दौरान दोनों नेता बाढ़ प्रभावित लोगों से भी बातचीत कर उनकी समस्याओं की जानकारी ले रहे हैं. इसके बाद मुख्यमंत्री सचिवालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में बाढ़, राहत और बचाव कार्य तथा किसानों को हुए नुकसान की समीक्षा की जाएगी. केंद्रीय मंत्री के दौरे में कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की टीम भी शामिल है. इसका उद्देश्य बाढ़ से हुए नुकसान का जमीनी स्तर पर आकलन करना है. एक दिन पहले 8.27 लाख परिवारों को भेजी गयी राहत राशि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार, 15 सितंबर को बाढ़ प्रभावित 8,27,472 परिवारों के बैंक खातों में ₹7,000 प्रति परिवार की दर से कुल ₹579.23 करोड़ की आनुग्रहिक राहत राशि उ‍ळ के माध्यम से भेजने की शुरूआत की थी. इस राहत के बीच राघोपुर में मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री का दौरा फसल क्षति और जमीनी स्थिति के आकलन के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

किसानों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याओं और नुकसान की जानकारी ली जा रही है. राघोपुर में बाढ़ से खेती पर पड़ा असर राघोपुर दियारा क्षेत्र में बाढ़ के कारण बड़ी संख्या में खेत प्रभावित हुए हैं. खेतों में पानी भरने से फसलों को नुकसान पहुंचा है. ऐसे में किसानों की मांग और फसल क्षति का आकलन दौरे के प्रमुख मुद्दों में शामिल है. केंद्रीय और राज्य स्तर पर नुकसान का आकलन होने के बाद सहायता से जुड़े फैसलों की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी. दौरे के दौरान राघोपुर के पूर्व विधायक सतीश यादव समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी मौजूद रहे.

बिहार में नहीं टला बाढ़ का खतरा, 15 जिलों के 49.74 लाख लोग प्रभावित, गंगा-गंडक-कोसी लाल निशान के ऊपर

पटना (एजेंसी) बिहार में अब भी बाढ़ का खतरा नहीं टला है. कई जिलों में स्थिति गंभीर बनी हुई है. लगभग 49.74 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं. गंगा, गंडक, कोसी, पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं. ऐसे में परेशानी अब भी बनी हुई है. पटना से प्रह्लाद कुमार की रिपोर्ट बिहार में अलग-अलग नदियों के जलस्तर में बढ़ोतरी के कारण बाढ़ की स्थिति बनी हुई है. आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार राज्य के 15 जिलों पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, मुजफ्फरपुर, बक्सर, समस्तीपुर, खगड़िया, बेगूसराय, दरभंगा, अररिया, पूर्णिया,मधेपुरा और कटिहार के 88 प्रखंडों की 575 ग्राम पंचायतों में 49.74 लाख आबादी बाढ़ से प्रभावित हुई है. सरकार की ओर से प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव कार्य लगातार चलाए जा रहे हैं. गंडक, कोसी और पुनपुन समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त सूचना के मुताबिक गंडक नदी मुजफ्फरपुर के डुमरिया घाट, कोसी खगड़िया के बलतारा और कुरसेला, जबकि गंगा गांधीघाट, हाथीदह, भागलपुर और कहलगांव में खतरे के निशान से ऊपर बह रही है. पुनपुन नदी श्रीपालपुर में और बागमती नदी बेनीबाद और सोनाखान में खतरे के निशान से ऊपर है. राहत शिविरों में 11,508 बाढ़ पीड़ित बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अलग-अलग जिलों में 843 सामुदायिक रसोई केंद्र संचालित किए जा रहे है. इनके माध्यम से अब तक करीब 1.56 करोड़ लोगों को भोजन कराया गया है. इसके अलावा 13 राहत शिविर भी चल रहे हैं, जहां 11,508 बाढ़ शरणार्थियों के लिए आवासन, भोजन और चिकित्सा सहित अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है. 4.30 लाख पॉलीथीन शीट और 79 हजार ड्राई राशन पैकेट बांटे प्रभावित परिवारों के बीच करीब 4.30 लाख पॉलीथीन शीट, 79 हजार ड्राई राशन पैकेट और 1400 पशु पैकेट वितरित किए गए है. आवागमन और राहत कार्यों के लिए 1160 नावों का परिचालन हो रहा है.

हर शहर में बनेगी सिग्नेचर रोड, नाइट मार्केट से निखरेगी शहरों की खूबसूरती

पटना (एजेंसी) बिहार के सभी शहरों को खूबसूरत बनाने की एक बड़ी तैयारी शुरू हो गई है. अब हर शहर में 'सिग्नेचर रोड' विकसित की जाएंगी. इन सड़कों पर आधुनिक सुविधाएं होंगी और व्यवस्थित नाइट मार्केट भी बनाया जाएगा. बिहार के सभी शहरों के स्वरूप को और अधिक आकर्षक और व्यवस्थित बनाने की बड़ी तैयारी शुरू कर दी गई है. नगर विकास एवं आवास विभाग ने राज्य के सभी नगर निकायों में सड़कों के विकास और सौंदर्यीकरण के कार्यों को तेज गति देने का निर्देश जारी किया है. इसके तहत प्रदेश के प्रत्येक नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत क्षेत्र में एक से दो किलोमीटर लंबी मुख्य सड़क को ह्यसिग्नेचर रोडह्ण के रूप में विकसित किया जाएगा. नगर विकास एवं आवास विभाग के परियोजना पदाधिकारी-सह-उप निदेशक द्वारा जारी पत्र के अनुसार, सिग्नेचर रोड के लिए ऐसी मुख्य सड़कों का चयन किया जाए, जिनकी चौड़ाई पर्याप्त हो. चयनित सड़कों पर योजनाबद्ध तरीके से चौड़ीकरण, आधुनिक प्रकाश व्यवस्था, व्यापक पौधरोपण और सौंदर्यीकरण के साथ अन्य आधुनिक नागरिक सुविधाओं को भी विकसित करने पर विशेष जोर दिया गया है. व्यवस्थित नाइट मार्केट विकसित करने की योजना शहरवासियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इन चुनिंदा सड़कों पर आवश्यकतानुसार एक व्यवस्थित नाइट मार्केट विकसित करने की भी योजना है. इससे न केवल स्थानीय स्तर पर व्यापार को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि शहरों की नाइटलाइफ और उनकी कुल खूबसूरती में भी चार चांद लग जाएंगे. दो चरणों में समयबद्ध तरीके से पूरी होंगी योजनाएं इन विकास योजनाओं को तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए विभाग ने दो अलग-अलग चरण निर्धारित किए हैं. इसके तहत अक्टूबर 2026 तक ताकि सभी कार्य समय पर धरातल पर उतर सकें. एमआईएस पोर्टल पर देनी होगी समेकित रिपोर्ट विभाग ने सभी नगर निगमों के नगर आयुक्तों, बुडको के प्रबंध निदेशक तथा नगर परिषदों एवं नगर पंचायतों के कार्यपालक पदाधिकारियों को कड़ा निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की चयनित विकास योजनाओं और सिग्नेचर रोड की सूची एमआईएस पोर्टल के माध्यम से अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएं.

30 साल से ज्यादा की पुलिस सेवा, राष्ट्रपति पुरस्कार और लंबा अनुभव... जानिए कौन हैं बिहार में DGP का प्रभार संभालने वाली IPS प्रीता वर्मा

पटना (एजेंसी) आईपीएस अधिकारी प्रीता वर्मा को नई जिम्मेदारी दी गई है. उन्हें बिहार डीजीपी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. डीजीपी विनय कुमार 21 दिनों की छुट्टी पर हैं, ऐसे में उनकी अनुपस्थिति में प्रीता वर्मा जिम्मेदारी निभायेंगी. गृह विभाग की ओर से इसे लेकर अधिसूचना भी जारी कर दी गई है. बिहार के डीजीपी विनय कुमार 21 दिनों की छुट्टी पर चले गए हैं. ऐसे में उनकी गैरमौजूदगी में आईपीएस प्रीता वर्मा को DGP के अतिरिक्त प्रभार की जिम्मेदारी सौंपी गई है. विनय कुमार के वापस आने तक प्रीता वर्मा जिम्मेदारी निभायेंगी. 15 सितंबर को गृह विभाग की ओर से अधिसूचना जारी की गई, जिसमें यह जानकारी दी गई. अधिसूचना जारी होने के बाद आईपीएस अधिकारी प्रीता वर्मा हैं कौन, इसकी चर्चा तेज हो गई है. 991 बैच की अधिकारी हैं प्रीता वर्मा जानकारी के मुताबिक, प्रीता वर्मा वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं. उनके पास 30 सालों से भी ज्यादा का अनुभव है. इसके साथ ही राष्ट्रपति से उन्हें पुरस्कार भी मिल चुका है. कई पदों पर वह जिम्मेदारी निभा चुकीं हैं. प्रीता वर्मा 1991 बैच की बिहार कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं. सरकारी आईपीएस सिविल लिस्ट के रिकॉर्ड की माने तो, उनका होम स्टेट राजस्थान है और एजुकेशनल क्वालिफिकेशन बीए है. साल 1992 को उन्होंने आईपीएस ज्वाइन किया था. मिल चुके हैं ये पुरस्कार प्रीता वर्मा को लेकर एक खास बात यह है कि यूपीएससी सिविल सर्विसेज परीक्षा के जरिए बतौर डायरेक्ट रिक्रूट आईपीएस में आई थीं. 2009 में उन्हें पुलिस मेडल से सम्मानित किया गया. इसके बाद 2023 में राष्ट्रपति पुलिस पदक फॉर डिस्टिंग्विश्ड सर्विस के लिए उनका नाम चुना गया. उस वक्त वह बिहार में DG Training के पद पर तैनात थीं. 2023 के टळअ आईपीएस सिविल लिस् ट में उन्हें DG (ट्रेनिंग) बिहार के पद पर दर्ज किया गया था. इसके बाद उन्होंने अलग-अलग कई वरिष्ठ जिम्मेदारियों को संभाला. वर्तमान पद की भी संभालेंगी जिम्मेदारी साल 2026 में ही बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया था. उस दौरान उन्हें जिम्मेदारी डीजी, होमगार्ड एवं अग्निशमन सेवा बिहार की कमान सौंपी गई थी. अब उन्हें नई जिम्मेदारी दी गई है. प्रीता वर्मा को उनके वर्तमान पद से हटाया नहीं गया है बल्कि डीजीपी के अतिरिक्त पद का प्रभार सौंप दिया गया है.

खबर संक्षेप

अमेजन ने भारत में बढ़ाया नेटवर्क, 20 नए भंडार जोड़े

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन ने आगामी त्योहारी सत्र से पहले भारत में अपने परिचालन नेटवर्क के विस्तार की घोषणा की। कंपनी ने 20 नए भंडार एवं वितरण केंद्र (एफसी), छह छंटाई केंद्र और 150 अंतिम छोर तक आपूर्ति करने वाले डिलिवरी स्टेशन शुरू किए हैं। अमेजन ने बयान में कहा कि यह विस्तार कंपनी द्वारा भारत में अपने परिचालन और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए घोषित 2,800 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का हिस्सा है।

रुपया 38 पैसे लुढ़ककर 95.92 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 38 पैसे लुढ़ककर 95.92 (अस्थायी) पर रहा।

पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष और ब्रेंट कच्चे तेल की ऊंची कीमतों से घरेलू मुद्रा पर दबाव है। ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि तेल आयातकों की ओर से डॉलर की बढ़ती मांग ने भारत के बाहरी संतुलन और मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में तेजी

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनियों के शेयर में मंगलवार को तेजी रही। टाटा केमिकल्स का शेयर 20 प्रतिशत चढ़ गया। भारतीय रिजर्व बैंक के टाटा संस के प्रमुख निवेश कंपनी का पंजीकरण वापस करने के आवेदन को खारिज करने की खबरों के बीच यह तेजी आई है। बीएसई पर टाटा केमिकल्स के शेयर में 20 प्रतिशत की तेजी आई। टाटा इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 15.24 प्रतिशत, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स का 5.89 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का 5.47 प्रतिशत, टाटा एल्क्सी का 4.28 प्रतिशत, टाटा पावर का 3.41 प्रतिशत, टाटा कम्युनिकेशंस का 3.21 प्रतिशत, टाटा स्टील का 1.96 प्रतिशत और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स का 1.72 प्रतिशत चढ़ा।

आरबीआई ने वीआरआरआर से जुटाई 3.93 लाख करोड़

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने परिवर्तनीय दर रिवर्स रेपो (वीआरआरआर) नीलामी के जरिये मंगलवार को 3,93,352 करोड़ रुपये की नकदी जुटाई। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केंद्रीय बैंक को अधिसूचित पांच लाख करोड़ रुपये की राशि के लिए 3,93,352 करोड़ रुपये की बोलियां मिलीं। इन बोलियों को 5.24 प्रतिशत की 'कट-ऑफ' दर और भारित औसत दर पर स्वीकार किया गया।

प्रणव कंस्ट्रक्शंस का शेयर 6 प्रतिशत बढ़कर सूचीबद्ध

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी प्रणव कंस्ट्रक्शंस के शेयर अपनी सूचीबद्धता के दिन मंगलवार को 124 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले छह प्रतिशत से अधिक चढ़कर बंद हुए। कंपनी का शेयर बीएसई पर 162 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 30.64 प्रतिशत अधिक है। एक समय यह 32.66 प्रतिशत चढ़कर 164.50 रुपये तक पहुंच गया था। हालांकि, बाद में इसने ज्यादातर बढ़त गंवा दी और 4.51 प्रतिशत बढ़त के साथ 129.60 रुपये पर बंद हुआ।

इंजीनियरिंग में नौकरियों से कहीं अधिक उम्मीदवार उपलब्ध

प्रतिभा मंच फाउंडइट ने जारी की रिपोर्ट

मुंबई

इंजीनियरिंग क्षेत्र में उम्मीदवारों की उपलब्धता और भर्ती की मांग के बीच अंतर बढ़ रहा है। प्रवेश स्तर की नौकरियों की तलाश करने वाले उम्मीदवार कुल प्रतिभा का 45 प्रतिशत हैं, जबकि ऐसी नौकरियों की मांग केवल 28 प्रतिशत है। एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई। प्रतिभा मंच फाउंडइट (मॉन्स्टर) की रिपोर्ट के अनुसार, इंजीनियरिंग प्रतिभाओं की उपलब्धता और मांग के बीच सबसे अधिक अंतर प्रवेश स्तर पर है। 0-3 वर्ष के अनुभव वाले पेशेवर सक्रिय इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के कुल पूल का करीब 45 प्रतिशत हैं, लेकिन उनके लिए उपलब्ध नौकरियों की हिस्सेदारी केवल 28 प्रतिशत है।

अगस्त में 6.68 लाख नौकरियां उपलब्ध थी

अगस्त, 2026 के अनुमान के अनुसार, कुल 39.59 लाख सक्रिय इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के मुकाबले इंजीनियरिंग पृष्ठभूमि वाली 6.68 लाख नौकरियां उपलब्ध थीं। यानी हर एक नौकरी के लिए 5.9 उम्मीदवार थे। हालांकि, यह अनुपात इंजीनियरिंग की अलग-अलग धाराओं में काफी अलग है। मोटर वाहन/स्वचालन इंजीनियरिंग में हर नौकरी के लिए 1.1 उम्मीदवार से लेकर 'इलेक्ट्रॉनिक्स' और 'इंस्ट्रूमेंटेशन' में 11.5 उम्मीदवार तक हैं।

करियर के शुरूआत में उपलब्धता सबसे अधिक होती है

रिपोर्ट के अनुसार, इंजीनियरिंग करियर की शुरुआत में उम्मीदवारों की उपलब्धता सबसे अधिक होती है और तीन साल से अधिक अनुभव होने के बाद यह काफी कम हो जाती है। 0-3 वर्ष के अनुभव वाले इंजीनियर उम्मीदवारों का सबसे बड़ा समूह हैं। वहीं, 15 वर्ष से अधिक अनुभव वाले समूह में उम्मीदवारों और नौकरियों का अनुपात 9.5 से घटकर 4.1 रह जाता है, यानी आधे से भी कम हो जाता है।

इंजीनियरिंग क्षेत्र में कुल मांग में 4-10 वर्ष के अनुभव वाले लोगों की हिस्सेदारी सबसे अधिक 54 प्रतिशत है। फाउंडइट के मुख्य उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीपीटीओ) तरुण शर्मा ने कहा, आज इंजीनियरिंग में करियर अब किसी एक क्षेत्र या पारंपरिक करियर मार्ग तक सीमित नहीं हैं। प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, बुनियादी ढांचे, मोटर वाहन, इलेक्ट्रॉनिक और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में मांग बढ़ने के साथ इंजीनियर के पास अपना करियर बनाने के लिए अधिक व्यापक अवसर हैं। अवसर यह है कि उद्योग जिस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, उसके अनुरूप लगातार खुद को विकसित किया जाए और उभरते क्षेत्रों में इंजीनियरिंग की अपनी बुनियादी विशेषज्ञता का इस्तेमाल किया जाए।''

पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में तेज वृद्धि से निर्यात बढ़ा

निर्यात अगस्त में 26 फीसदी बढ़कर 44 अरब डॉलर, व्यापार घाटा पांच माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली

देश का वस्तु निर्यात अगस्त में सालाना आधार पर 26.12 प्रतिशत बढ़कर 43.81 अरब डॉलर रहा। पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात में तेज वृद्धि के कारण कुल निर्यात बढ़ा है। वहीं सोने के आयात में कमी से व्यापार घाटा भी कम होकर पांच महीने के निचले स्तर 26.86 अरब डॉलर पर आ गया। आयात अगस्त में 14.1 प्रतिशत बढ़कर 70.76 अरब डॉलर रहा।

- सोने के आयात में कमी से व्यापार घाटा कम हुआ

पिछले महीने वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल के बीच रही। निर्यात में अगस्त महीने में वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे अधिक रही। जून, 2022 में निर्यात 30.12 प्रतिशत बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान निर्यात 17.85 प्रतिशत बढ़कर 215.91 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 18.21 प्रतिशत बढ़कर 363 अरब डॉलर रहा।

खास बातें

- ब्रेंट क्रूड की कीमत 90 से 94 डॉलर प्रति बैरल रही
- निर्यात में अगस्त महीने में वृद्धि जून, 2022 के बाद सबसे अधिक रही

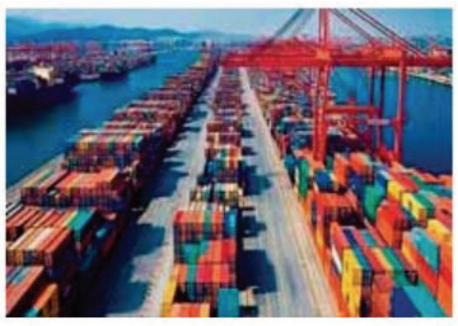

पेट्रोलियम, कोयला ऊर्जा के कारण व्यापार घाटा बढ़ा: अग्रवाल ने कहा कि मुख्य रूप से पेट्रोलियम, कच्चा तेल, कोयला, कोक और ब्रिकेट जैसे ऊर्जा उत्पाद तथा इलेक्ट्रॉनिक सामान के कारण व्यापार घाटा बढ़ा है। उन्होंने निर्यात के मोर्चे पर कहा कि इंजीनियरिंग सामान, पेट्रोलियम उत्पाद, रसायन और कपड़े सहित कई वस्तुओं के निर्यात में वृद्धि से कुल निर्यात बढ़ा है।

व्यापार घाटा बढ़कर 147.09 अरब डॉलर

चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में वस्तु व्यापार घाटा बढ़कर 147.09 अरब डॉलर हो गया, इससे पिछले वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान यह 123.88 अरब डॉलर था। बीते साल अगस्त में व्यापार घाटा 27.22 अरब डॉलर और जुलाई में 31.98 अरब डॉलर था। इससे पहले मार्च में यह 20.67 अरब डॉलर के निचले स्तर पर रहा था। देश का सोने का आयात अगस्त में 57.7 प्रतिशत घटकर 2.3 अरब डॉलर रहा, जो अगस्त, 2025 में 5.4 अरब डॉलर था।

निर्यात वृद्धि की गति बनी हुई

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने आंकड़ों की जानकारी देते हुए कहा कि निर्यात वृद्धि की अच्छी गति बनी हुई है और इसमें और तेजी आ रही है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में आयात में वृद्धि मजबूत घरेलू आर्थिक विस्तार, ऊर्जा की बढ़ती जरूरतों और विनिर्माण क्षेत्र की तेज वृद्धि को बनाए रखने के लिए जरूरी महत्वपूर्ण कच्चे माल तथा अन्य वस्तुओं की मांग के कारण हुई है। इससे व्यापार घाटा भी बढ़ा है।

ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 13.3 फीसदी बढ़ा

अग्रवाल ने कहा, "यूरोपीय संघ, ब्रिक्स देशों और उभरती अर्थव्यवस्थाओं से मांग में वृद्धि हुई है। यह भारत की वैश्विक पहुंच के विस्तार को दर्शाता है और हमारी मजबूती, विविधता तथा रणनीतिक व्यापार एकीकरण के लक्ष्यों को भी मजबूत करता है।" वित्त वर्ष 2026-27 के पहले पांच महीनों में ब्रिक्स देशों को भारत का निर्यात 13.3 प्रतिशत बढ़कर 34.5 अरब डॉलर रहा।

निर्यात में वृद्धि मात्रा के लिहाज से अच्छी रही

अग्रवाल ने कहा कि निर्यात में वृद्धि केवल मूल्य के लिहाज से ही नहीं, बल्कि मात्रा के लिहाज से भी अच्छी रही है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान कच्चे तेल का आयात बढ़कर 95.57 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 78.07 अरब डॉलर था।

इलेक्ट्रॉनिक सामान के आयात में वृद्धि

इसी तरह इलेक्ट्रॉनिक सामान का आयात आलोच्य अवधि में बढ़कर 66.48 अरब डॉलर हो गया जो बीते वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान 46.31 अरब डॉलर था। पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-अगस्त के दौरान बढ़कर 35.31 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 25.32 अरब डॉलर था।

बेरोजगारी दर अगस्त में मामूली घटकर 5% पर

नई दिल्ली

देश में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर अगस्त में मामूली घटकर पांच प्रतिशत रही। जुलाई में यह 5.1 प्रतिशत थी। मंगलवार को जारी आवधिक यानी नियमित अंतराल पर होने वाले श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आधिकारिक बयान के अनुसार, बीते साल अगस्त में भी बेरोजगारी दर 5.1 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर मासिक आधार पर अगस्त में घटकर 4.1 प्रतिशत हो गई। जुलाई में यह 4.5 प्रतिशत थी।

- 15 और उससे अधिक आयु वर्ष के लोगों में रही यह दर

वहीं, शहरी क्षेत्रों में यह आलोच्य महीने में मामूली बढ़कर 6.8 प्रतिशत रही जबकि जुलाई में यह 6.7 प्रतिशत थी। अगस्त, 2025 की तुलना में अगस्त, 2026 में कुल और शहरी बेरोजगारी दर लगभग समान रही, जबकि ग्रामीण बेरोजगारी दर 0.2 प्रतिशत घटकर 4.1 प्रतिशत हो गई। अगस्त, 2025 में यह 4.3 प्रतिशत थी। जनवरी, 2026 के बाद ग्रामीण बेरोजगारी दर अगस्त में सबसे निचले स्तर पर रही।

महिलाओं की कुल बेरोजगारी दर घटी

महिलाओं में कुल बेरोजगारी दर लगातार दूसरे महीने घटकर अगस्त में 5.1 प्रतिशत रह गई। जून, 2026 में यह 5.9 प्रतिशत थी। ग्रामीण महिलाओं में बेरोजगारी दर अगस्त में घटकर 3.9 प्रतिशत रही, जो जुलाई में 4.3 प्रतिशत थी। वहीं शहरी महिलाओं में यह पिछले महीने की तुलना में लगभग स्थिर रही।

महिला व पुरुषों की दर में ज्यादा अंतर नहीं

सालाना आधार पर अगस्त, 2026 में पुरुषों और महिलाओं दोनों की कुल बेरोजगारी दर में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। अखिल भारतीय स्तर पर अगस्त के मासिक अनुमान 3,70,160 लोगों से जुटाई गई जानकारी पर आधारित हैं।

एमएलडी जहाज निर्माण केंद्र पर करेगी 27,000 करोड़ रुपए निवेश

मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र की रक्षा कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में दिघी बंदरगाह पर करीब 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से नया जहाज निर्माण क्लस्टर स्थापित करेगी जिससे करीब 90,000 रोजगार पैदा होंगे। राज्य सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एमडीएल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की मौजूदगी में इस परियोजना के लिए नेशनल शिपबिल्डिंग एंड हेवी इंडस्ट्रीज पार्क महाराष्ट्र लिमिटेड (एनएसएचआईपीएमएल) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौते के तहत एमडीएल ने दिघी में कम-से-कम 20 लाख टन जहाज निर्माण की वार्षिक क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। परियोजना में बड़े वाणिज्यिक जहाजों का निर्माण किया जाएगा और इससे देश की समुद्री औद्योगिक क्षमता मजबूत होने की उम्मीद है। यह जहाज निर्माण परिसर महाराष्ट्र समुद्री बोर्ड और मुंबई बंदरगाह प्राधिकरण द्वारा परियोजना के लिए गठित विशेष प्रयोजन कंपनी एनएसएचआईपीएमएल के जरिये संयुक्त रूप से विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार के अनुसार, यह परियोजना आधुनिक जहाज निर्माण अवसंरचना तथा औद्योगिक एवं आपूर्ति श्रृंखला तैयार करेगी। इससे घरेलू जहाज निर्माण क्षमता बढ़ाने, प्रौद्योगिकी और निवेश आकर्षित करने, कुशल रोजगार पैदा करने तथा वैश्विक समुद्री क्षेत्र में भारत की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

- देश का सबसे बड़ा जहाज निर्माण केंद्र होगा

90 हजार रोजगार पैदा होने का अनुमान

फडणवीस ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर देश का सबसे बड़ा जहाज निर्माण परिसर (शिपयार्ड) बनाएंगी, जहां युद्धपोतों और वाणिज्यिक जहाजों का निर्माण किया जाएगा। शिपयार्ड में जहाज निर्माण के अलावा जहाज तोड़ने, जहाज पुनर्चक्रण और जहाज मरम्मत की गतिविधियां भी होंगी। उन्होंने कहा कि परियोजना से करीब 90,000 रोजगार पैदा होने का अनुमान हैं जिनमें से 15,000 प्रत्यक्ष और 75,000 अप्रत्यक्ष रोजगार होने की उम्मीद है।

सोना 1,000 रुपए टूटकर पांच सप्ताह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को कमजोर वैश्विक रुख और मजबूत डॉलर के बीच सोने की कीमतें 1,000 रुपये टूटकर 1,54,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर रह गईं, जो एक महीने से ज्यादा का निचला स्तर है। यह कीमती धातु इससे पहले सात अगस्त को इसी स्तर के आसपास कारोबार कर रही थी, जब स्थानीय बाजार में इसकी कीमत 1.54 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम थी। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी की कीमतें लगातार दूसरे दिन 2,34,600 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) पर स्थिर रहीं।

एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, ''मंगलवार को कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच सोने की कीमतों में गिरावट आई। हाजिर सोना 4,300 डॉलर प्रति औंस से नीचे फिसल गया और एक महीने के निचले स्तर के करीब कारोबार कर रहा है।'' गांधी ने आगे कहा कि यह गिरावट मजबूत अमेरिकी डॉलर और बढ़ते बॉण्ड प्रतिफल के कारण आई है, क्योंकि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने महंगाई की चिंता बढ़ा दी है और इस सप्ताह होने वाली नीतिगत बैठक में फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने की संभावनाओं को मजबूत किया है।

भारत के चावल निर्यातकों की नजर जॉर्डन, तुर्किये पर

नई दिल्ली

भारतीय चावल निर्यातक पारंपरिक बाजारों से अलग तुर्किये और जॉर्डन जैसे नए और कम पारंपरिक बाजारों की ओर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि दुनिया के सबसे बड़े आयातकों की तुलना में इन छोटे और तेजी से बढ़ते बाजारों से बेहतर लाभ मिल सकता है। यह सब ऐसे समय में हो रहा है जब यह उद्योग अक्टूबर में होने वाले 'भारतीय अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन' (बीआईआरसी) 2026 की तैयारी कर रहा है। भारत के चावल निर्यातक पारंपरिक बाजारों के अलावा तुर्किये और जॉर्डन को विकास के अगले बड़े मौके के तौर पर देख रहे हैं। अक्टूबर में होने वाले 'भारतीय अंतरराष्ट्रीय चावल सम्मेलन' (बीआईआरसी) 2026 की तैयारी के बीच, भारतीय चावल निर्यातक तुर्की और जॉर्डन जैसे नए बाजारों पर ध्यान दे रहे हैं। सम्मेलन के आयोजकों के अनुसार, जॉर्डन को होने वाले भारतीय चावल के निर्यात में लगभग आठ गुना बढ़ोतरी हुई है, जबकि तुर्किये को बासमती चावल का निर्यात दोगुना हो गया है।

- नए और कम पारंपरिक बाजारों पर अब ज्यादा ध्यान

इस बदलाव ने व्यापार जगत को चौंका दिया है, क्योंकि आमतौर पर इनमें से कोई भी देश दुनिया के शीर्ष चावल आयातकों में शामिल नहीं रहा है। बाजार का यह रुख बीआईआरसी-2026 में ''वर्ष 2027 में नजर रखने लायक शीर्ष 10 चावल बाजार: मांग के संकेत और प्रवेश की रणनीतियां' शीर्षक के सत्र का मुख्य विषय होगा।

वैश्विक चावल व्यापार में बढ़ोतरी होगी

गर्ग ने आगे कहा, "तुर्की और जॉर्डन इसके बेहतरीन उदाहरण हैं। साल की शुरुआत में बहुत कम लोगों ने इन्हें खास बाजारों के तौर पर पहचाना होगा, फिर भी व्यापार के आंकड़ों में जबर्दस्त बदलाव आया।" ओईसीडी-एफएओ कृषि परिदृश्य 2026-2035 के अनुसार, अगले दशक में वैश्विक चावल व्यापार में लगभग 2.2 करोड़ टन की बढ़ोतरी होने और वर्ष 2035 तक इसके लगभग 8.1 करोड़ टन तक पहुंचने का अनुमान है।

एस्सार की ईईटी करेगी एसजीएन का अधिग्रहण

नई दिल्ली। एस्सार एनर्जी ट्रांजिशन की खुदरा इकाई ने ब्रिटेन की पेट्रोल पंप संचालक कंपनी एसजीएन रिटेल का अधिग्रहण करने के लिए करार किया है। यह सौदा करीब 40 करोड़ पाउंड का बताया जा रहा है। इससे उसके नेटवर्क में 118 पेट्रोल पंप जुड़ जाएंगे और कुल नेटवर्क बढ़कर 235 पेट्रोल पंप का हो जाएगा। ईईटी रिटेल ने बयान में कहा कि उसने ग्राहम पीकॉक और सुसान टोबेल द्वारा स्थापित एसजीएन रिटेल की 100 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करने पर सहमति जताई है। कंपनी ने सौदे की वित्तीय जानकारी का खुलासा नहीं किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, यह सौदा करीब 40 करोड़ पाउंड का है।

सेंसेक्स 778 अंक लुढ़का, निफ्टी पांच महीने के निचले स्तर पर

मुंबई

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों, भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख के बीच घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 778 अंक टूटकर तीन महीने के निचले स्तर पर आ गया, जबकि निफ्टी 279 अंक गिरकर पांच महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 777.94 अंक की बड़ी गिरावट के साथ 74,003.82 अंक पर बंद हुआ। मजबूती के साथ खुला सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 787.73 अंक फिसलकर 73,994.03 अंक के निचले स्तर तक आ गया था। इसी तरह निफ्टी 279.50 अंक गिरकर 23,118.60 अंक पर बंद हुआ। यह छह अप्रैल, 2026 के बाद निफ्टी का सबसे निचला बंद स्तर है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और बढ़ते वैश्विक बॉण्ड प्रतिफल से निवेशक धारणा प्रभावित होने के कारण घरेलू बाजार में गिरावट जारी रही।'

- कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और खाड़ी युद्ध का असर

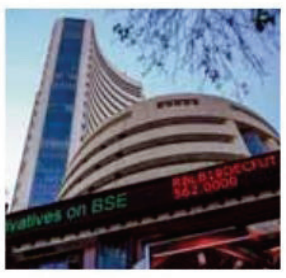

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में छह फीसदी की गिरावट

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर में करीब छह प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो), टाइटन, बजाज फिनसर्व, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

इन शेयरों में रही बढ़त

दूसरी तरफ, एचसीएल टेक्नोलॉजीज 3.98 प्रतिशत, इन्फोसिस 3.64 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.31 प्रतिशत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) 2.18 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 1.27 प्रतिशत चढ़े। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.89 प्रतिशत बढ़कर 107.7 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

ग्रामीण विकास विभाग और पीएफआरडीए में हुआ एमओयू

'पेंशन सखियां' परिवारों में बढ़ाएंगी वित्तीय जागरूकता

नई दिल्ली

ग्रामीण परिवारों में पेंशन के प्रति जागरूकता तथा सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए ग्रामीण विकास विभाग (डीओआरडी) और पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने मंगलवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में 'पेंशन सखियों' के सामुदायिक स्तर पर संपर्क तंत्र को तैयार करने और उसे सहयोग देने की व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने बयान में कहा कि एमओयू पर डीओआरडी के संयुक्त सचिव अमित शुक्ला और पीएफआरडीए की कार्यकारी

- देशभर के ग्रामीण क्षेत्रों में संपर्क तंत्र तैयार किया जाएगा

डिजिटल प्रणालियों का सहयोग मिलेगा: मंत्रालय ने कहा कि यह सहयोग डिजिटल डैशबोर्ड और मोबाइल तथा वेब आधारित समाधान के जरिये संपर्क एवं पंजीकरण की निगरानी को भी मजबूत करेगा। इसमें विभाग की अपनी प्रणाली भी शामिल है। इससे संबंधित संस्थाएं प्रगति पर नजर रख सकेंगी और 'कवरेज' में मौजूद कमियों की पहचान कर सकेंगी।

बैंकिंग प्रतिनिधि सखियां भी शामिल

इस दौरान ग्रामीण विकास विभाग के सचिव रोहित कंसल भी मौजूद रहे। इसमें कहा गया कि इस साझेदारी का उद्देश्य दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) के तहत बनाए गए व्यापक नेटवर्क का लाभ उठाना है। इसमें 'बैंकिंग प्रतिनिधि' (बीसी) सखियां भी शामिल हैं।

पेंशन के प्रति जागरूकता बढ़ेगी

इसके जरिये ग्रामीण परिवारों में पेंशन के प्रति जागरूकता, वित्तीय जागरूकता, पंजीकरण तथा उसके बाद सहायता को बढ़ावा दिया जाएगा। इस पहल के तहत महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के संस्थागत ढांचे की ताकत का इस्तेमाल किया जाएगा।

सुविधाकर्ता के रूप में काम करेंगी

पेंशन सखियां सामुदायिक स्तर पर सुविधाकर्ता के रूप में काम करेंगी और खास तौर पर एसएचजी सदस्यों, ग्रामीण महिलाओं, लखपति दीदियों तथा अन्य ग्रामीण लोगों तक पहुंच बनाएंगी। वे परिवारों को पेंशन और सेवानिवृत्ति की योजना से जुड़ी जानकारी देंगी, पंजीकरण की प्रक्रिया में मदद करेंगी और पेंशन संबंधी सेवाओं को समझने में सहायता करेंगी।

ग्रामीण परिवारों में बचत के तरीके अलग

इस अवसर पर कंसल ने कहा कि एसएचजी आंदोलन से जुड़े ग्रामीण परिवारों में बचत के तौर-तरीके, आजीविका एवं जोखिम की स्थिति अलग-अलग होती है। उन्होंने कहा, "सामाजिक सुरक्षा केवल कमजोरियों से बचाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवारों को निरंतर आर्थिक प्रगति के लिए प्रयास करने का भरोसा और मजबूती देने के बारे में भी है।"

खबर संक्षेप

पहली बार अफ्रीका में विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप

बुडापेस्ट। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आयोजन पहली बार अफ्रीका में होने जा रहा है जब मंगलवार को कीनिया की राजधानी नैरोबी को 2029 के सत्र का मेजबान चुना गया। कीनिया लंबे समय से लंबी दूरी की दौड़ में एक मजबूत देश रहा है लेकिन उसने अब तक इतने बड़े स्तर की किसी प्रतियोगिता की मेजबानी नहीं की है। इसके बाद 2031 में चैंपियनशिप जर्मनी लौटेगी जहां म्यूनिख इसकी मेजबानी करेगा। विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सबेस्टियन को ने हंगरी में 'अल्टीमेट चैंपियनशिप' के बाद यह फ़ैसला सुनाते हुए कहा, 'अपनी चैंपियनशिप को पहली बार अफ्रीका ले जाना ऐतिहासिक होगा।' उन्होंने कहा, 'एथलेटिक्स कीनिया की संस्कृति का अहम हिस्सा है।' इस फैसले से ट्रैक पर शनदार प्रदर्शन करने वाले देश के तौर पर कीनिया की पहचान तो बढ़ेगी लेकिन साथ ही यह पूर्वी अफ्रीकी देश समीक्षा के दायरे में रहेगा क्योंकि उसके कुछ शीर्ष धावक डोपिंग में पकड़े गए हैं।

विमान के अंदर पथिरागे के 5 भाले क्षतिग्रस्त

कोलंबो। श्रीलंका के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी रुमेश पथिरागे को उस समय झटका लगा जब एशियाई खेलों से पहले हवाई यात्रा के दौरान उनके 5 भाले क्षतिग्रस्त हो गए, जिनसे उन्होंने अभी तक कई महत्वपूर्ण जीत हासिल की थी। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी 13 सितंबर को विश्व एथलेटिक्स अल्टीमेट चैंपियनशिप में भाग लेने के बाद तुर्किए एयरलाइन्स की उड़ान से बुडापेस्ट से श्रीलंका लौट रहा था। पथिरागे ने कहा, 'विमान के अंदर मेरे सभी पांचों भाले क्षतिग्रस्त हो गए। इनसे मैंने जीत हासिल की थी। मैं आगामी एशियाई खेलों, 2028 के ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप में इनका उपयोग करता।'

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एशियन गेम्स

टी20 फॉर्मेट में फिर गूंजेगा भारत का डंका, दो गोल्ड पर टिकी निगाहें

नई दिल्ली

एशियन गेम्स में 'क्रिकेट' भारत के लिए एक बार फिर सबसे बड़े 'गोल्ड मेडल' दावेदारों में होगा, जिसमें एक नहीं, बल्कि दो गोल्ड देश के नाम हो सकते हैं।

साल 2023 में आयोजित हांगझोउ एशियन गेम्स में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने गोल्ड जीते थे। इस बार जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाने वाले एशियन गेम्स में फिर से भारतीय फैंस को अपने खिलाड़ियों से ऐसी ही आस है। यह मुकाबले टी20 फॉर्मेट में खेले जाने हैं, जिसमें हाल के समय में भारत की पुरुष और महिला टीम का दबदबा नजर आया है।

भारत के पास प्रतिभा और अनुभव का शानदार मिश्रण

एक ओर पुरुष टीम इसी साल मार्च में टी20 वर्ल्ड कप विजेता बनी है, तो दूसरी तरफ बीते रविवार को महिला टीम ने एशिया कप का खिताब अपने नाम किया है। इस टूर्नामेंट में भारत के पास प्रतिभा और अनुभव का शानदार मिश्रण है। पुरुष टीम में कई ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। वहीं, महिला क्रिकेट में हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा जैसी अनुभवी खिलाड़ी हैं। इनके साथ युवा प्रतिभाओं की मौजूदगी टीम को संतुलित बनाती है।

भारत के लिए कड़ी चुनौती

हालांकि, एशियन गेम्स में भारत के लिए चुनौती आसान नहीं होगी, क्योंकि पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश जैसी टीमें भी मजबूत हैं और टी20 क्रिकेट में एक खराब मुकाबला पूरे अभियान की दिशा बदल सकता है। ऐसे में भारत को शुरुआती दौर से ही अपनी रणनीति और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा।

टी20 में भारत का बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत

टी20 क्रिकेट में भारत का बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है। महिला और पुरुष टीमों के पास ऐसे खिलाड़ी हैं, जिनको दबाव झेलने का अनुभव है। अगर ये खिलाड़ी अपनी क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन करते हैं, तो एशियन गेम्स में एक बार फिर भारत के पास गोल्ड जीतने का मौका होगा। भले ही हांगझोउ की सफलता दोहराना आसान नहीं है, लेकिन भारतीय टीमों के मौजूदा प्रदर्शन को देखते हुए 'क्रिकेट' भारत के लिए 'एशियन गेम्स 2026' में सबसे भरोसेमंद पदक उम्मीदों में से एक रहेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम का चयन आज

भारतीय राष्ट्रीय चयन समिति बुधवार को जब वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की श्रृंखला के लिए टीम का चयन करेगी तो ऋषभ पंत और फिट होकर लौटे हार्दिक पंड्या को शामिल किए जाने की संभावना पर मुख्य रूप से चर्चा होगी। भारत वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी20 मैच खेलेगा। टी20 मैचों की शुरुआत 6 अक्टूबर से होगी और पूरी संभावना है कि इसके लिए वही टीम चुनी जाएगी, जो एशियाई खेलों में भाग लेगी।

पंड्या की वापसी 20 सितंबर को निर्धारित

पंड्या की प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी 20 सितंबर को निर्धारित है क्योंकि उन्हें पहले ही 6 अक्टूबर से पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत ए की तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए चुना जा चुका है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे मैचों की शुरुआत 27 सितंबर से तिरुवनंतपुरम में होगी और यह चयन समिति को तय करना होगा कि क्या पंड्या वनडे में 10 ओवर गेंदबाजी करने और 50 ओवर तक फील्डिंग करने के लिए तैयार हैं या नहीं। अगर पंड्या उपलब्ध नहीं होते हैं तो चयन समिति के लिए तेज गेंदबाजी ऑलराउंडरों की कमी समस्या बन जाएगी।

सबसे लंबे समय तक वनडे खेलने वाले बने खिलाड़ी

जिम्बाब्वे के टेलर ने तोड़ा तेंदुलकर का बड़ा रिकॉर्ड

हरारे

जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया के बीच हरारे स्पोर्ट्स क्लब के मैदान पर पहला वनडे मुकाबला खेला जा रहा है। पहले वनडे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला किया है। इस मैच में मैदान पर उतरने के साथ ही जिम्बाब्वे के विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने सचिन तेंदुलकर का सबसे लंबे वनडे करियर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

वनडे करियर में टेलर के 205 पारियों में 6,704 रन

टेलर जिम्बाब्वे के सबसे सफल बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। अपने वनडे करियर में टेलर अब तक 205 पारियों में 6,704 रन बना चुके हैं। वह जिम्बाब्वे की ओर से दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में उनसे आगे सिर्फ एंडी फ्लावर हैं, जिन्होंने 208 पारियों में 6786 रन बनाए। टेलर ने अपने करियर में तीनों फॉर्मेट में जिम्बाब्वे की कप्तानी भी की है। उन्होंने वनडे विश्व कप 2015 में शानदार प्रदर्शन किया था और दो शतक लगाए थे। इनमें से एक शतक उन्होंने भारत के खिलाफ बनाया था। विश्व कप 2015 में भारत के खिलाफ मैच के बाद टेलर ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड के काउंटी क्लब नॉटिंघमशायर के साथ तीन साल का 'कोलपैक' करार किया। हालांकि, वह इस अनुबंध को पूरा नहीं कर सके और अपने आखिरी सीजन के दौरान ही क्लब छोड़ दिया।

22 साल, 4 महीने का हुआ करियर

टेलर ने रिटायरमेंट और आईसीसी के साढ़े तीन साल के निलंबन के बाद 2025 में इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी की थी। अब वह 2004 में अपने डेब्यू के बाद से 22 साल और 146 दिन तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जो एक नया रिकॉर्ड है। उन्होंने भारत के दिग्गज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा, जिनका 1989 से 2012 तक 22 साल और 91 दिनों का शानदार वनडे करियर रहा। अब टेलर सबसे लंबे समय तक वनडे क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

विमेंस बिग बैश लीग: सिडनी सिक्सर्स के लिए खेलेंगीं एलिस

नई दिल्ली

सिडनी सिक्सर्स ने विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) 12 के लिए इंग्लैंड की अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एलिस कैप्सी को अपने साथ जोड़ा है। फ्रेंचाइजी के साथ जुड़ने पर खुशी जताते हुए कैप्सी ने कहा, मैं इस सीजन में सिडनी सिक्सर्स से जुड़ने को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

डब्ल्यूबीबीएल दुनिया की सबसे अच्छी प्रतियोगिताओं में से एक है और इतनी मजबूत प्रतिष्ठा और इतिहास वाले क्लब का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलना वाकई खास है। मुझे ऑस्ट्रेलिया में खेलने का अपना पिछला अनुभव बहुत पसंद आया। मैं वहां वापस लौटने और सिक्सर्स का हिस्सा बनने के लिए उत्सुक हूं। बैटिंग ऑलराउंडर कैप्सी ने अपने शानदार

करियर में एक और हुनर जोड़ते हुए आयरलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। कैप्सी एक बेहतरीन बल्लेबाज और शानदार ऑफ-स्पिनर हैं, लेकिन आयरलैंड के खिलाफ विकेटकीपिंग करने से सिक्सर्स को हर विभाग में विविधता मिली है, खासकर तब जब एमी जोन्स को आराम दिया जा रहा था।

कोरिया के खिलाफ डेविस कप नहीं खेलेंगे भांबरी

सियोल

भारत को दक्षिण कोरिया के खिलाफ डेविस कप क्वालीफायर मुकाबले में अपने अहम युगल खिलाड़ी युकी भांबरी की कमी खलेगी क्योंकि यह अनुभवी खिलाड़ी जांघ की चोट के कारण बाहर हो गया है। इसके कारण टीम को इस महत्वपूर्ण मुकाबले से कुछ दिन पहले अपने युगल संयोजन पर फिर से विचार करना पड़ रहा है। इस मैच का विजेता फाइनल्स में पहुंचेगा। भारत के कप्तान रोहित राजपाल ने पुष्टि की कि भांबरी दूसरे दौर के मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं होंगे।

जांघ की चोट के कारण बाहर हुए युकी

राजपाल ने कहा, 'युकी भांबरी की जांघ की स्थिति ठीक नहीं है और हो सकता है कि वह डेविस कप खेलने के लिए उपलब्ध ना हों इसलिए हम इस पर काम कर रहे हैं कि हमारा संयोजन क्या होगा। हमें डेविस कप से एक हफ्ता पहले ऐसा नहीं करना चाहिए था लेकिन दुर्भाग्य से हमें ऐसा करना पड़ रहा है।'

भारत में फॉर्मूला वन की वापसी की तैयारी, टास्क फोर्स का गठन

नई दिल्ली

खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी की दिशा में चुनौतियों की समीक्षा के लिए नीति आयोग के कार्यक्रम निदेशक और सलाहकार युगल किशोर जोशी की अध्यक्षता में एक कार्यबल का गठन किया है। दस सदस्यीय समिति में खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव कुणाल और भारतीय मोटर स्पोर्ट्स महासंघ के अध्यक्ष भी होंगे, जो इस समय अरिंदम घोष हैं। महासंघ के चुनाव इस महीने के आखिर में होने हैं। कार्यबल में वाणिज्य और पर्यटन विभाग के प्रतिनिधि भी होंगे।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र सरकार के प्रतिनिधि, राजस्व विभाग के प्रतिनिधि, बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट और मद्रास इंटरनेशनल सर्किट के प्रतिनिधि, एफएमएससीआई की ओर से नामित तकनीकी विशेषज्ञ शामिल होंगे।

2028 में रेस की मेजबानी

खेलमंत्री मांडविया ने कहा, 'इस समिति का काम भारत में मोटस्पोर्ट के विकास के लिए व्यापक तरीके सुझाना और फॉर्मूला वन को फिर से यहां शुरू करने के लिए रोडमैप तैयार करना है ताकि हम 2028 में रेस की मेजबानी कर सकें।'

एशियाई खेलों में अब पदक पर निगाहें

चोटों के चक्रव्यूह से बाहर आईं कुश्ती स्टार निशा दहिया

सियोल

वर्षों से निशा दहिया को हर चोट के बाद यही सवाल परेशान करता था कि मेरे साथ ही ऐसा क्यों होता है। जब सब कुछ ठीक होता दिख रहा था, तभी शरीर ने क्यों साथ नहीं दिया। जिस टूर्नामेंट में उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद थी उसमें निराशा क्यों मिली।

निशा ने अब असफलताओं को सहजता से स्वीकार करना सीख लिया है और अपने करियर में बार-बार बाधा डालने वाली चोटों के बारे में शिकायत करना बंद कर दिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने यह सीख लिया है कि वह अपने काम पर नियंत्रण बना सकती हैं परिणाम पर नहीं।

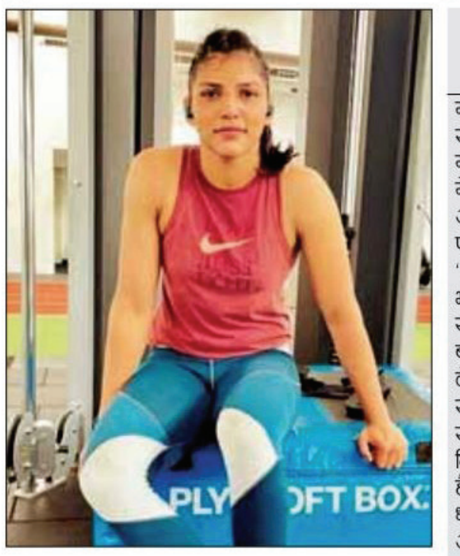

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ध्यान

मानसिकता में इस बदलाव के साथ जब निशा एशियाई खेलों में महिलाओं के 68 किलोग्राम वर्ग में मैट पर उतरेंगी तो बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर ही ध्यान देंगी। निशा ने कहा, 'पहले मुझे लगता था कि भगवान मेरे साथ अन्याय कर रहे हैं। मैं सोचती थी, मेरे साथ बार-बार ऐसा क्यों हो रहा है। लेकिन अब मैं ऐसा नहीं सोचती।' उन्होंने कहा, 'अब मैं समझ गई हूं कि मुझे वही मिलेगा जो मेरे भाग्य में लिखा है। मैं केवल अपने काम पर ध्यान दूंगी, कड़ी मेहनत करूंगी और अच्छी कुश्ती लड़ूंगी।

परिणाम हमारे हाथ में नहीं होता

निशा ने कहा, 'परिणाम हमारे हाथ में नहीं होता है। हर कोई जीत हासिल करना चाहता है। कभी-कभी मुकाबला अनुकूल होता है तो कभी-कभी आप दबाव में आ जाते हैं। पेरिस में मैं अच्छा प्रदर्शन कर रही थी लेकिन फिर चोट लग गई। चोट किसी के नियंत्रण में नहीं होती।' उन्होंने कहा, 'जब आप अच्छी तरह से अभ्यास कर रहे होते हैं, तो सब कुछ सुचारू रूप से चलता है। फिर चोट सब कुछ बिगाड़ देती है और आप अगले छह महीनों तक ठीक से अभ्यास नहीं कर पाते। आप मानसिक रूप से काफी हद तक टूट जाते हैं। मैं तब भगवान से कहती कि वह मेरे साथ ही ऐसा क्यों कर रहे हैं।' लेकिन अब उन्होंने शिकायत करना और अतीत में जीना छोड़ दिया है।

विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना लक्ष्य : सिंड्रेला

मुंबई

भारतीय टेबल टेनिस में तेजी से उभरती 17 वर्षीय खिलाड़ी सिंड्रेला दास का लक्ष्य एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना और जल्द से जल्द विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना है। सिंड्रेला अभी आईटीटीएफ (अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ) की महिला एकल रैंकिंग में 99वें जबकि युवा वर्ग में 27वें स्थान पर काबिज हैं। उन्हें विश्वास है कि वह जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में अपनी अच्छी फॉर्म बरकरार रखने में सफल रहेंगी।

पिछले महीने राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में महिला एकल और अंडर-19 लड़कियों के एकल में खिताब जीतने से कोलकाता की सिंड्रेला पर सबकी निगाहें टिक गईं। उनकी उपलब्धियों में अल्टीमेट टेबल टेनिस के महिला एकल मैच में स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा को हराना भी शामिल है।

एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश

फिटनेस बनाने पर ध्यान केंद्रित

सिंड्रेला ने कहा कि जब वह खेल नहीं रही होती हैं तो मानसिक रूप से मजबूत बनने और अपनी गलतियों का विश्लेषण करने पर ध्यान देती हैं। उन्होंने कहा, 'जब मैच नहीं चल रहे होते हैं तो मैं अपनी फिटनेस और मानसिक रूप से मजबूत बनने पर ध्यान केंद्रित करती हूं। मैं सुबह करीब 3-4 घंटे और शाम को 2-3 घंटे अभ्यास करती हूं और अपनी फिटनेस को भी बराबर समय देती हूं।'

एशियाई खेलों को लेकर बेहद उत्साहित

सिंड्रेला ने कहा, 'मैं एशियाई खेलों को लेकर बेहद उत्साहित हूं। हम निश्चित रूप से स्वर्ण पदक जीतने की कोशिश करेंगे। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द विश्व रैंकिंग में शीर्ष 50 में जगह बनाना भी है।' सिंड्रेला ने कहा कि यह सत्र उनके लिए सबसे अच्छा रहा है और वह राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने में भी सफल रही लेकिन अब भी बहुत कुछ सीखना बाकी है। उन्होंने कहा, 'यह सत्र मेरे लिए बहुत अच्छा रहा है क्योंकि मेरा चयन एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप और युवा ओलंपिक के लिए हो चुका है। मैं अब सीनियर टीम में हूं। बेशक मैंने कई मैच हारे हैं, कई जीते हैं। अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।'

श्रीचरणी

श्रीचरणी बनीं देश की सर्वाधिक रेटिंग पाने वाली खिलाड़ी, हासिल किए 804 अंक

दुबई

भारतीय स्पिनर श्रीचरणी ने अपने कॅरियर के सर्वश्रेष्ठ रेटिंग अंकों के साथ मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि उनकी हमवतन दीप्ति शर्मा चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

श्रीचरणी ने श्रीलंका के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में भी 20 रन देकर 4 विकेट लिए, जिससे उनके रेटिंग अंकों की संख्या 804 हो गई है। उन्होंने अपने करियर में पहली बार 800 रेटिंग अंक का आंकड़ा पार किया। यह आईसीसी रैंकिंग में किसी भारतीय खिलाड़ी की बल्लेबाजी या गेंदबाजी में सर्वाधिक रेटिंग है। उन्होंने मिताली राज को पीछे छोड़ा। भारत की पूर्व कप्तान ने 2011 में 780 रेटिंग अंक हासिल किए थे।

श्रीचरणी ने आईसीसी रैंकिंग में तोड़ा मिताली राज का 15 साल पुराना रिकॉर्ड

दूसरे स्थान पर पहुंचीं दीप्ति

शेफाली वर्मा

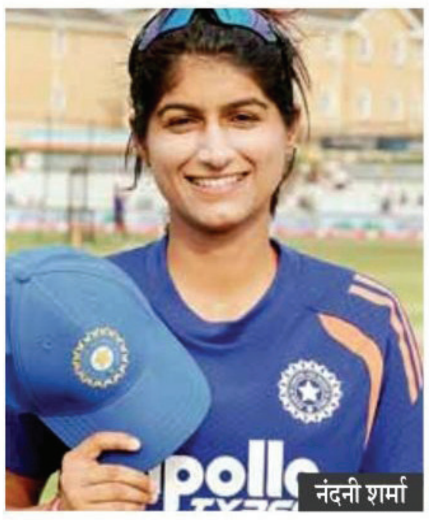

नंदनी शर्मा

रिकॉर्ड से केवल दो अंक पीछे श्रीचरणी

श्रीचरणी अब महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में सर्वाधिक रेटिंग हासिल करने वाली गेंदबाज बनने से केवल दो अंक पीछे हैं। यह रिकॉर्ड नवंबर 2018 में ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के नाम है। एशिया कप में सर्वाधिक 14 विकेट लेने वाली दीप्ति शर्मा भी चार पायदान ऊपर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं।

94वें स्थान पर नंदनी शर्मा

तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने 10 पायदान आगे 94वां स्थान जबकि लेग स्पिनर प्रेमा रावत ने 50 पायदान की लंबी छलांग लगाते हुए 96वां स्थान हासिल किया।

शेफाली को एक अंक का फायदा

बल्लेबाजी रैंकिंग में शेफाली वर्मा सातवें से छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। एशिया कप में शेफाली ने सबसे ज्यादा 236 रन बनाए, जिसमें सेमीफाइनल में 64 और फाइनल में बनाए गए 68 रन भी शामिल हैं। उनके कुल 741 रेटिंग अंक हो गए हैं। वह टीम की अपनी साथी स्मृति मंधाना से सिर्फ एक स्थान और चार रेटिंग अंक पीछे हैं। मंधाना 745 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। शेफाली ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी पांच पायदान ऊपर 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्होंने अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ 221 रेटिंग अंक हासिल किए हैं।

डीआरडीओ कोलकाता से 177 किमी दूर समंदर के पास करेगा मिसाइल परीक्षण, 8.73 एकड़ में बनेगी तीसरी टेस्टिंग रेंज

एजेंसी, हैदराबाद। पश्चिम बंगाल में कोलकाता से 177 किलोमीटर दूर, जहां समंदर (बंगाल की खाड़ी) की लहरें किनारे से टकराती हैं, वहां अब दुश्मन देशों के होश उड़ाने और उनको तबाह करने की क्षमता रखने वाली मिसाइल्स भी गरजेंगी. दरअसल, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन बंगाल के पूर्वी मेदिनीपुर के छोटे से गांव जुनपुट में, समंदर से लगे 8.73 एकड़ के टुकड़े पर देश की तीसरी बड़ी मिसाइल टेस्टिंग रेंज बनाने जा रहा है. इसके पहले ओडिशा के चांदीपुर में मिसाइल टेस्टिंग रेंज स्थापित है और आंध्र प्रदेश के नागायलंका/नवदुर्गा में निर्माण चल रहा है.

वर्तमान में देश की धरती पर सिर्फ एक मिसाइल टेस्टिंग सेंटर एक्टिव है जो ओडिशा के चांदीपुर में है. इसे इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के नाम से जाना जाता है. यहां दो लॉन्च पैड से देश की प्रमुख मिसाइलों अग्नि, पृथ्वी, आकाश और ब्रह्मोस के परीक्षण इसी रेंज से किए जाते हैं. चांदीपुर-ऑन-सी लॉन्च कॉम्प्लेक्स-III से कम दूरी और मध्यम दूरी की मिसाइलों तथा हवाई हथियारों का परीक्षण होता है. दूसरा, ओडिशा तट के पास लॉन्च कॉम्प्लेक्स-IV है. यहां से लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया जाता है. परीक्षण के दौरान मिसाइल के व्यवहार, गति और सटीकता पर पैनी नजर रखने के लिए रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री का उपयोग किया जाता है.

ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए डीआरडीओ नई मिसाइल टेस्टिंग रेंज बनाने की तैयारी कर रहा है. इससे मिसाइल परीक्षणों की गति तो बढ़ेगी ही साथ ही सैन्य आत्मनिर्भरता को मजबूती भी मिलेगी. दरअसल, वर्तमान में डीआरडीओ कई नई मिसाइल प्रणालियों और हथियारों पर काम कर रहा है. इसके चलते मौजूदा टेस्टिंग सुविधाओं का विस्तार करना बेहद जरूरी हो गया है. पिछले कुछ साल में भारत ने मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत स्वदेशी मिसाइलों का विकास बहुत तेज कर दिया है. आकाश, ब्रह्मोस, अग्नि, प्रलय और वीशॉर्ड्स जैसी मिसाइलों के परीक्षण के कारण ओडिशा की चांदीपुर रेंज पर वर्कलोड काफी बढ़ गया था. नए केंद्र से यह वर्कलोड आपस में बंट जाएगा. नए टेस्टिंग रेंज बनने से डीआरडीओ एक ही समय में अलग-अलग जगहों पर समानांतर परीक्षण कर सकेगा. इससे हथियारों के विकास और सेना में उनके शामिल होने का समय घट जाएगा.

नई टेस्टिंग रेंज्स से ओडिशा की चांदीपुर रेज का काम बंट जाएगा. वहां वर्कलोड कम हो सकेगा. काम के बंटवारे के तहत पश्चिम बंगाल के जुनपुट में बनने वाली नई मिसाइल रेंज में मुख्य रूप से कम दूरी की सामरिक मिसाइलों, रडार प्रणालियों और तटीय रक्षा तकनीकों का परीक्षण किया जाएगा. जबकि, आंध्र प्रदेश के नागायलंका/नवदुर्गा रेंज को विशेष रूप से बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस, इंटरसेप्टर मिसाइलों और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के परीक्षण के लिए डेवलप किया जा रहा है. वहीं, ओडिशा के चांदीपुर से लंबी दूरी की रणनीतिक और परमाणु क्षमता वाली मिसाइलों के परीक्षण जारी रहेंगे.

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को डीआरडीओ के नई मिसाइल रेंज बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. उन्होंने इसे पश्चिम बंगाल के विकास के लिए एक बड़ी परियोजना बताया. डीआरडीओ ने अप्रैल 2024 में पुरबा मेदिनीपुर तट के किनारे परीक्षण रेंज का प्रस्ताव रखा था. जिसे अब सरकार ने मंजूरी दी है. इसके तहत सरकार डीआरडीओ को 8.73 एकड़ जमीन देने के लिए तैयार हो गई है. ये जमीन, जहां कोलकाता से 177 किमी दूर है, वहीं ओडिशा की चांदीपुर रेंज से मात्र 70 किमी की दूरी पर है.

'यूएस के सामने झुकना बंद करें, यूपीआई टैक्स वापस लें' : राहुल गांधी

एजेंसी, नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यूपीआई पेमेंट पर शुल्क लगाने के फैसले को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है. उन्होंने पीएम मोदी से इस फैसले को वापस लेने की मांग की. उन्होंने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने झुकने और अमेरिका को बहुत सारा पैसा देने का फैसला किया है.

एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में, राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी से यूएस के सामने झुकना बंद करें, हिम्मत रखें, खड़े हों और यूपीआई टैक्स को वापस लेने की अपील की. सरकार ने मंगलवार को घोषणा की कि 15 अक्टूबर से यूपीआई के जरिये व्यापारियों को किए गए 2,000 रुपये से अधिक के पेमेंट पर 0.4 प्रतिशत शुल्क लागू होगा, जबकि लोगों के बीच होने वाले लेन-देन के साथ-साथ छोटे पेमेंट पर किसी भी शुल्क नहीं लगेगा. राहुल गांधी ने कहा, (पूर्व प्रधानमंत्री) इंदिरा (गांधी) जी से एक बार पूछा गया था कि वह लेफ्ट झुकती हैं या राइट, तो उनका जवाब था 'न मैं लेफ्ट झुकती, न राइट, मैं सीधी खड़ी रहती हूं'. मोदी जी का विचार बिल्कुल अलग है, वह न लेफ्ट हैं और न राइट, उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप के सामने सीधे लेटने और दंडवत करने का फैसला किया है.

कांग्रेस सांसद ने वीडियो में कहा, उन्होंने पीएम मोदी यूपीआई पर टैक्स लगाकर और अमेरिका को बहुत सारा पैसा देकर हर भारतीय पर टैक्स लगा दिया है. कांग्रेस ने मोदी सरकार पर शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट से छुटकारा पाने और यूपीआई पेमेंट के लिए चार्ज लगाने की अमेरिका की मांग के आगे झुकने का आरोप लगाया है।

भारतीय युद्धपोत से टकराया पीएनएस हुसैन, नुकसान के बाद पाकिस्तानी जहाज लौटा बंदरगाह

एजेंसी, नयी दिल्ली। उत्तरी अरब सागर में भारत और पाकिस्तान के नौसैनिक जहाजों के बीच टक्कर हुई है. एजेंसी के मुताबिक यह घटना 15 सितंबर की शाम उस समय हुई, जब भारतीय नौसेना का एक अग्रिम युद्धपोत इलाके में नियमित निगरानी अभियान पर था. इसी दौरान पाकिस्तानी नौसेना का जहाज पीएनएस हुसैन तेज रफ्तार में भारतीय युद्धपोत के करीब आया. रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी जहाज तेज रफ्तार में भारतीय युद्धपोत के करीब आया और गैर-पेशेवर तरीके से घूमने की कोशिश की, जिसके बाद दोनों जहाजों के बीच टक्कर हो गई.

एएनआई की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि टक्कर के बाद पीएनएस हुसैन को नुकसान पहुंचा और उसे अपने बंदरगाह की ओर जाते देखा गया. हालांकि विदेश मंत्रालय ने जहाजवार नुकसान का विवरण नहीं दिया और केवल इतना कहा कि घटना में कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ. भारत ने घटना के बाद पाकिस्तान के राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध भी दर्ज कराया.

घटना के एक दिन बाद भारत ने नई दिल्ली स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के प्रभारी उच्चायुक्त को विदेश मंत्रालय में तलब किया और कड़ा विरोध दर्ज कराया. विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के व्यवहार को अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर बताया. भारत ने कहा कि समुद्र में पाकिस्तानी नौसैनिक इकाइयों के आचरण के कारण भारतीय नौसेना के जहाज के साथ टक्कर हुई.

विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तानी नौसैनिक जहाज का आचरण भारत और पाकिस्तान के बीच अप्रैल 1991 में हुए सैन्य अभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिक गतिविधियों की अग्रिम सूचना से जुड़े समझौते के अनुच्छेद 10 के खिलाफ था. भारत ने पाकिस्तान के प्रभारी उच्चायुक्त से कहा कि वह अपने देश के संबंधित अधिकारियों तक यह संदेश पहुंचाएं कि सैन्य इकाइयों को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए और दोनों देशों के बीच लागू समझौतों का पालन करना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो.

2030 तक हर साल 50 स्पेस लॉन्च का लक्ष्य एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने बताए युवाओं के मौके

एजेंसी, नयी दिल्ली। इंडियन एयर फोर्स के ग्रुप कैप्टन और एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला ने 2030 तक हर साल 50 स्पेस लॉन्च करने के भारत के बड़े लक्ष्य के बारे में बात की और स्पेस सेक्टर में युवा पीढ़ी के लिए बढ़ रहे मौकों पर जोर दिया। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय के तौर पर मशहूर शुक्ला ने कहा कि हम इंसानों को स्पेस में भेजने वाले मिशन पर तेजी से काम कर रहे हैं, लेकिन प्राइवेट सेक्टर भी तेजी से बढ़ रहा है। मेरा मानना है कि जो बच्चे अभी स्कूल में हैं, जब वे प्रोफेशनल दुनिया में कदम रखेंगे, तो उनके पास बहुत सारे मौके और करियर के विकल्प होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि अल्फा और जेन जेड पीढ़ी के बच्चे बहुत स्मार्ट और आगे की सोचने वाले हैं। उन्हें बस सही दिशा की जरूरत है। आजकल हमारे सामने ज्यादा चीजें होने की समस्या है; बहुत कुछ उपलब्ध है और ध्यान भटकाने वाली बहुत सी चीजें हैं। इसलिए, यह बहुत जरूरी है कि हम उन्हें दिखाएं कि इन सब चीजों के बीच किस पर फोकस करना है और किस पर ध्यान देना है। आगे कहाँ जाना है, यह उन पर निर्भर करता है, लेकिन जानकारी देना हमारी ज़िम्मेदारी है। उन्हें सही जानकारी मिलनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को जरूरत पड़ने पर लोगों की मदद लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हमारी सफलता में हमारे परिवार और दोस्तों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। मेरे मिशन के पीछे हजारों लोगों का बहुत बड़ा योगदान था; पूरी ईसरो टीम, पूरी ए७ टीम, मेरे सभी दोस्त और खासकर मेरा परिवार। उनके सहयोग के बिना यह सब संभव नहीं हो पाता। इसलिए, बच्चों के लिए मेरा यही संदेश है: आपके परिवार और दोस्तों की वास्तव में बहुत बड़ी भूमिका होती है। शुक्ला की ये बातें ऐसे समय में आई हैं जब भारत अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने पर ज्यादा ध्यान दे रहा है।

मक्का के पास ड्रोन को लेकर बढ़ा तनाव, भारत ने जताई चिंता, सऊदी और हूतियों के दावे अलग

एजेंसी, दुबई। सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का के पास कथित ड्रोन हमले को लेकर भारत ने चिंता जताई है. विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि भारत इस घटना को लेकर चिंतित है और सऊदी अरब की संप्रभु सीमा पर होने वाले हमलों की निंदा करता है. भारत ने क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता बहाल होने की उम्मीद जताई है.

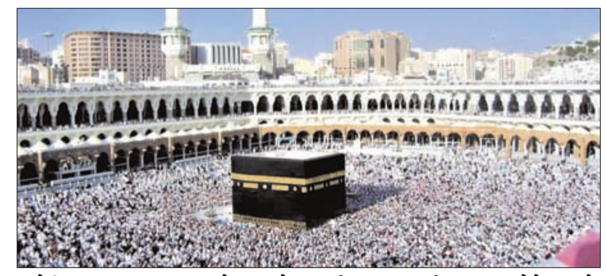

सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी के मुताबिक, मंगलवार शाम सऊदी वायु रक्षा ने मक्का के दक्षिण में एक ड्रोन को रोककर नष्ट कर दिया. सऊदी पक्ष का कहना है कि ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में दाखिल होने से पहले ही मार गिराया गया. घटना के बाद मक्का समेत सऊदी अरब के पश्चिमी हिस्सों में सुरक्षा अलर्ट जारी किए गए. मक्का के लिए इस तरह का हवाई खतरे का अलर्ट इस घटनाक्रम के बीच खास तौर पर महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि यह शहर इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों का केंद्र है और सालाना हज यात्रा का प्रमुख केंद्र है.

सऊदी अरब ने ड्रोन को हूती विद्रोहियों से जोड़ते हुए इसे मक्का की ओर भेजा गया ड्रोन बताया है. हालांकि, हूती पक्ष ने मक्का या किसी इस्लामी पवित्र स्थल को निशाना बनाने से इनकार किया है. हूती राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य मोहम्मद अल-फराह ने सऊदी के आरोप को झूठ बताया है.

भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हम मक्का के पास ड्रोन हमले को लेकर बहुत ही चिंतित हैं. भारत ने सऊदी अरब की संप्रभु सीमा पर होने वाले हमलों और नागरिकों की जान तथा बुनियादी ढांचे को खतरे में डालने वाली कार्रवाइयों की निंदा की. विदेश मंत्रालय ने कहा कि मक्का के पास हुई घटना इसलिए भी विशेष रूप से चिंताजनक है क्योंकि इस शहर का दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष महत्व है. भारत ने क्षेत्र में जल्द शांति और स्थिरता बहाल होने की उम्मीद जताई है. यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब हूतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव फिर बढ़ गया है. पिछले एक सप्ताह में सऊदी क्षेत्र में ड्रोन और मिसाइल हमलों की कई घटनाएं सामने आई हैं.

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- सीजेपी प्रोटेस्ट के दौरान छात्रों के साथ हुई बर्बरता की जांच के लिए बनाई गई कमेटी का दोबारा नहीं होगा गठन, आरोप निराधार

एजेंसी, नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ आयोजित छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस ज्यादतियों की जांच के लिए बनाई गई पांच मेंबर वाली कमेटी को फिर से बनाने से मना कर दिया है. कोर्ट ने कहा कि इस कमेटी को दोबारा से बनाने के लिए जो आरोप पैनल पर लगाए जा रहे हैं वो अंदाजे और धारणाओं पर आधारित हैं.

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने कहा कि कमेटी को निष्पक्षता और ट्रांसपेरेंसी के ऊंचे स्टैंडर्ड और निष्पक्ष नजरिए के साथ बनाया गया है. अभी से कमेटी के कार्यों पर सवाल उठाना सही नहीं होगा. सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह हाई-पावर्ड इंक्वायरी कमेटी कोर्ट के सामने किसी एक या दूसरे पक्ष के कारणों का समर्थन करने के लिए नहीं बनाई गई है. इस कमेटी का उद्देश्य यह बताना है कि 20 जुलाई के दिन जंतर-मंतर पर छात्रों के साथ ज्यादती हुई थी या नहीं?

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 10 सितंबर के ऑर्डर में इस मांग को ठुकरा दिया कि जांच कमेटी दोबारा बनाई जानी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को आज 16 सितंबर को कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया है. बेंच ने कहा, हम कमेटी के गठन में कोई बदलाव करने के पक्ष में नहीं हैं, खासकर तब जब ऐसे पुनर्गठन की प्रार्थना सिर्फ अंदाजे और पहले से बनी-बनाई बातों पर आधारित हैं.

मोदी से मुलाकात के बाद असगर अली वोरा के जमीन विवाद में नया मोड़, एमएलए ने कब्जा छोड़ने की बात कही

एजेंसी, नयी दिल्ली। पीएम मोदी के पुराने स्कूलमेट असगर अली वोरा के भायंदर जमीन विवाद में नया मोड़ आया है। बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने विवादित जमीन का कब्जा छोड़ने और निर्माण अनुमति सरेंडर करने की बात कही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुराने स्कूलमेट असगर अली वोरा के भायंदर जमीन विवाद में बड़ा अपडेट सामने आया है। 8 सितंबर को पीएम मोदी से मुलाकात के बाद मामले में प्रशासनिक स्तर पर बैठक हुई। इसके बाद बीजेपी विधायक नरेंद्र मेहता ने विवादित जमीन का कब्जा छोड़ने और उस प्लॉट के लिए मिली निर्माण अनुमति वापस करने की बात कही है। मेहता ने वोरा के खिलाफ पहले दर्ज कराई गई शिकायत वापस लेने की जानकारी भी दी है। 81 वर्षीय असगर अली वोरा ने इस जमीन विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों ने गुजरात के वडनगर स्थित बीएन स्कूल में साथ पढ़ाई की थी। वोरा ने पीएम के सामने भायंदर ईस्ट के नवघर इलाके में स्थित अपनी जमीन का मामला उठाया था।

असगर अली वोरा के मुताबिक, उन्होंने 1989 में करीब 2,810 वर्ग मीटर जमीन खरीदी थी। उनका आरोप था कि वर्ष 2011 में इस जमीन पर स्वयं बिल्डर्स और नरेंद्र मेहता से जुड़ी सेवन इलेवन कंस्ट्रक्शन्स ने कब्जा कर लिया। वोरा का कहना था कि वह करीब 15 वर्षों से अलग-अलग सरकारी विभागों और अधिकारियों के सामने इस मामले को उठाते रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान मामले में हस्तक्षेप की मांग की थी। यहां यह स्पष्ट करना जरूरी है कि जमीन पर अवैध कब्जे और दस्तावेजों से जुड़े आरोप वोरा की ओर से लगाए गए दावे हैं। इन आरोपों को अंतिम न्यायिक निष्कर्ष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। मामला प्रधानमंत्री के सामने उठाए जाने के बाद संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों के स्तर पर बैठक हुई। रिपोर्टों के मुताबिक, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्रीकर परदेशी की अध्यक्षता में मंत्रालय में हुई बैठक में असगर अली वोरा और नरेंद्र मेहता के अलावा मीरा-भायंदर नगर आयुक्त राधा बिनोद शर्मा और टाउन प्लानर पुरुषोत्तम शिंदे भी शामिल हुए। बैठक में नरेंद्र मेहता की ओर से टाउन प्लानिंग विभाग को एक पत्र सौंपा गया। इसमें विवादित जमीन का कब्जा छोड़ने और उस प्लॉट के लिए मिली निर्माण अनुमति सरेंडर करने की बात कही गई।

नरेंद्र मेहता की ओर से दिए गए पत्र के मुताबिक, उन्होंने यह जमीन 2019 में मर्विन फर्नांडिस से खरीदी थी। वहीं, पुलिस कमिश्नर को भेजे गए एक अलग पत्र में वोरा के खिलाफ पहले दर्ज कराई गई शिकायत वापस लेने की बात कही गई है। रिपोर्टों के अनुसार, मेहता ने दोनों पक्षों के बीच समझौता होने की बात कही है। अब जमीन का कब्जा छोड़ने और निर्माण अनुमति सरेंडर करने से संबंधित प्रशासनिक प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। इस घटनाक्रम के बाद विवाद के समाधान की दिशा में एक नई प्रक्रिया शुरू हुई है। मेहता की ओर से कब्जा छोड़ने, निर्माण अनुमति वापस करने और पुरानी शिकायत वापस लेने की बात सामने आने के बाद अब संबंधित प्रशासनिक विभागों की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

बीजेपी अध्यक्ष बनने के बाद पहली बार मुंबई पहुंचे नितिन नबीन, सिद्धिविनायक और लालबागचा राजा के किए दर्शन

एजेंसी, मुंबई। गणेश उत्सव के बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन बुधवार को मुंबई पहुंचे। अपने एक दिवसीय महाराष्ट्र दौरे के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागचा राजा के दर्शन किए। नबीन ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर महाराष्ट्र और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। नितिन नबीन के साथ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम भी मौजूद रहे।

भाजपा अध्यक्ष बनने के बाद महाराष्ट्र का यह नबीन का पहला दौरा है। दर्शन के बाद नितिन नबीन ने कहा कि गणेश उत्सव के अवसर पर महाराष्ट्र आकर वह खुद को सौभाग्यशाली मानते हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागचा राजा के दर्शन उनके लिए बेहद खास अनुभव है। नबीन ने कहा, मैं अभिभूत हूं और महाराष्ट्र तथा देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। बता दें कि महाराष्ट्र में गणेश उत्सव की शुरूआत 14 सितंबर से हुई है। मुंबई में सिद्धिविनायक मंदिर और लालबागचा राजा समेत प्रमुख गणपति स्थलों पर इन दिनों बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लालबागचा राजा का इस वर्ष का गणेशोत्सव 14 सितंबर से 25 सितंबर तक चलेगा। नितिन नबीन के महाराष्ट्र दौरे में मुंबई के बाद पुणे जाने का कार्यक्रम भी शामिल है। गणेश उत्सव के दौरान उनके विभिन्न गणपति स्थलों पर दर्शन और पूजा-अर्चना का कार्यक्रम रखा गया है।

उत्तराखंड में भारत-अमेरिका की सेनाओं का युद्धाभ्यास, फील्ड पर उतरे 1200 जवान

एजेंसी, चमोली (उत्तराखंड)। सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण औली में मंगलवार को भारत और अमेरिका की सेनाओं के संयुक्त सैन्य अभ्यास युद्ध अभ्यास-2026 के 22वें संस्करण का आगाज हुआ. औली स्थित विदेशी प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित उद्घाटन समारोह में दोनों देशों के करीब 600-600 सैन्यकर्मियों ने हिस्सा लिया. यह अभ्यास उत्तराखंड के औली के साथ राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भी संचालित किया जा रहा है. उद्घाटन समारोह में भारतीय सेना की 14वीं इन्फैंट्री डिवीजन के जनरल ऑफिसर कमांडिंग मेजर जनरल अमरेश गुंजन और अमेरिकी सेना की 11वीं एयरबोर्न डिवीजन की पहली इन्फैंट्री ब्रिगेड कॉम्बैट टीम के कमांडर कर्नल बेंजामिन जैकमैन ने दोनों देशों के सैन्य दलों को संबोधित किया.

अभ्यास का मुख्य उद्देश्य पर्वतीय और अर्ध-पर्वतीय क्षेत्रों में संयुक्त अभियान संचालित करने की क्षमता को मजबूत करना है. इसके तहत दोनों सेनाएं कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में संयुक्त योजना, अभियान संचालन और पैदल सेना आधारित युद्ध कौशल का अभ्यास करेंगी. औली की ऊंचाई और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियां अमेरिकी सैनिकों के लिए विशेष प्रशिक्षण का अवसर उपलब्ध कराएंगी. वहीं भारतीय सैनिकों को अमेरिकी सेना की आधुनिक युद्ध तकनीक और संचालन पद्धतियों से अनुभव हासिल करने का मौका मिलेगा. इस बार अभ्यास में आधुनिक तकनीक पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है. निगरानी और टोही अभियानों के दौरान ड्रोन तथा स्वायत्त प्रणालियों का इस्तेमाल किया जाएगा. राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों का प्रदर्शन भी होगा.

बांग्लादेश वाले बयान पर ममता बनर्जी को राहत, कलकत्ता हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

एजेंसी, कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी के बांग्लादेश से जुड़े बयान के खिलाफ दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया है. बुधवार को हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवींद्र वी घुगे की डिवीजन बेंच ने इस मामले की सुनवाई करते हुए याचिका को खारिज करन दिया. हाईकोर्ट ने यह फैसला राज्य सरकार द्वारा सौंपी गयी उस रिपोर्ट के बाद सुनाया, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि मुख्यमंत्री के बयान से कोई भी संज्ञेय अपराध नहीं हुआ है.

हाईकोर्ट ने 1 सितंबर को इस मामले में सुनवाई करते हुए ममता बनर्जी के बयान के संदर्भ में राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी. बुधवार को राज्य सरकार की ओर से अदालत में रिपोर्ट पेश की गयी. रिपोर्ट देखने के बाद चीफ जस्टिस रवींद्र वी घुगे की पीठ ने याचिका को खारिज कर दिया. जनहित याचिका दायर करने वाले अभ्रतनु सरकार को चीफ जस्टिस ने जमकर फटकार लगायी. याचिका की ग्राह्यता पर कोर्ट ने पहले भी सवाल उठाये थे. मामले की सुनवाई के दौरान तत्कालीन कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश तपब्रत चक्रवर्ती ने कहा था- जो भी व्यक्ति कुछ बोलेगा, क्या अदालत को वही सुनना पड़ेगा? इसे जनहित याचिका के रूप में क्यों स्वीकार किया जाये? कोर्ट ने कहा था कि आजकल जनहित याचिका को एक विशेष टूल या हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है.

सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस के पूर्व सांसद दिवंगत तापस पाल के खिलाफ दर्ज पुराने मामले का भी उल्लेख किया. पीठ ने कहा कि तापस पाल मामले में पुलिस की अकर्मण्यता पर सवाल उठे थे, जहां उकसावे वाले बयान का आरोप लगा था. धर्मतला के वाई चैनल पर 2 जून 2026 को आयोजित धरना के मंच से ममता बनर्जी ने बांग्लादेश के मुद्दे पर टिप्पणी की थी. उन्होंने किसी का नाम लिये बिना कहा था- बांग्लादेश के एक बड़े अपराधी को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था. याद रखिए, जिसे लेकर बांग्लादेश में काफी उथल-पुथल हुई थी. मैं किसी दूसरे देश के बारे में बात नहीं कर रही हूं, मुझे उसका अधिकार नहीं है. लेकिन मुख्य बात यह है कि वह व्यक्ति मेघालय के रास्ते बंगाल में दाखिल हुआ था. जब वह बंगाल आया, तब हमारी एसटीएफ ने उसे पकड़ा. यह एसटीएफ की बड़ी सफलता थी. ममता बनर्जी ने आगे कहा- इसके बाद खुद गृह मंत्री ने मुझे फोन किया.

एक हफ्ते के अंतर में रिलीज होंगी किंग और एवेंजर्स डूम्सडे

मुंबई। शाहरुख खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'किंग' को लेकर सुर्खियों में हैं, जो इस साल के आखिरी में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दरअसल, दिसंबर में ही 'एवेंजर्सः डूम्सडे' और 'ड्यून 3' जैसी बड़ी हॉलीवुड फिल्में रिलीज हो रही हैं। ऐसे में ऐसी अफवाहें तेज हो चलीं कि इन बड़ी फिल्मों से टकराव रोकने के लिए 'किंग' को पोस्टपोन किया जा सकता है। लेकिन, अब शाहरुख खान ने कन्फर्म कर दिया है कि 'किंग' तय डेट पर ही रिलीज होगी। सुपरस्टार ने कन्फर्म किया कि 'किंग' को पोस्टपोन नहीं किया जाएगा, भले ही दिसंबर 2026 में कई बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फिल्म आने में अभी 100 दिन बाकी हैं ना... 24 दिसंबर, ब्रो।'

लाइफ Style

आंचल

14 साल से इंडस्ट्री में, फिर भी अपना घर नहीं

मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है। खासकर फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए यह शहर सफलता और चमक-दमक का प्रतीक माना जाता है। सोशल मीडिया पर भी अक्सर कलाकार अपने खूबसूरत घरों, आलीशान इंटीरियर और लग्जरी लाइफस्टाइल की तस्वीरें साझा करते रहते हैं।

टीवी अभिनेत्री आंचल खुराना ने हाल ही में अपने घर का जो वीडियो दिखाया, वह इस चमकती तस्वीर से बिल्कुल अलग है। 'एमटीवी रोडीज 8' की विजेता रह चुकीं आंचल ने अपने मुंबई वाले 1 बीएचके किराए के फ्लैट का ऐसा टूर कराया, जिसमें उन्होंने बिना किसी बनावट के अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलक दिखाई। आंचल ने अपने व्लॉग में बताया कि मुंबई में जिस 1 बीएचके फ्लैट में वह रहती हैं, उसका मासिक किराया करीब 70 हजार रुपए है। खास बात यह है कि इतने किराए के बावजूद घर के आसपास कोई शानदार गार्डन, स्विमिंग पूल या समुद्र का खूबसूरत नजारा नहीं है। उनके फ्लैट की खिड़कियों से दूर तक फैली चॉल और झुग्गी बस्ती दिखाई देती है। आंचल ने इस स्थिति को लेकर कोई शिकायत करने के बजाय इसे मजाकिया अंदाज में पेश किया। उन्होंने कहा कि मुंबई में घर खरीदना उनके लिए अभी भी बहुत दूर की बात है। अभिनेत्री ने यहां तक मजाक किया कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है और इंडस्ट्री की स्थिति है, उन्हें अपना घर खरीदने में 400-500 साल लग सकते हैं। उन्होंने साफ कहा कि यह कोई लग्जरी या बेहद खूबसूरत घर नहीं है, बल्कि किराए का एक साधारण फ्लैट है, जिसके लिए उन्हें हर महीने 70 हजार रुपये चुकाने पड़ते हैं।

हॉलीवुड मसाला

टॉम-जेंडाया ने अभी नहीं की है शादी

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड के चर्चित कपल टॉम हॉलैंड और जेंडाया की शादी को लेकर उनके स्टाइलिस्ट ने नया खुलासा किया है। दावा किया है कि दोनों ने अभी आधिकारिक तौर पर शादी नहीं की है। टॉम हॉलैंड और जेंडाया की शादी की मिस्ट्री में एक नया ट्विस्ट आया है। महीनों से यह अटकलें लगाई जा रही थीं कि स्पाइडर-मैन स्टार्स ने गुपचुप तरीके से शादी कर ली है। मगर, जेंडाया के स्टाइलिस्ट और करीबी दोस्त लॉ रोच का कहना है कि कपल अभी आधिकारिक रूप से शादीशुदा नहीं है।

छह साल बाद किया परफॉर्म मंच पर हुई भावुक

पेरिस। सिंगर सेलीन डायोन ने संगीत के मंच पर भावुक वापसी कर ली है। हाल ही में पेरिस में आयोजित शो में उन्होंने फैंस को शुक्रिया कहा। इसके साथ ही सेलीन शो के दौरान काफी खुश नजर आई।सिंगर सेलीन डायोन ने गंभीर बीमारी से लड़ने के बाद स्टेज पर वापसी कर ली है। वह कई साल बाद पेरिस में शो के दौरान फैंस के लिए भावुक बाते कीं। सिंगर सेलीन डायोन ने हाल ही में पैरिस में कई साल बाद अपना शो किया। इस दौरान वह काफी भावुक दिखाई दीं। उन्होंने कहा, 'मैंने एक वादा किया था। मंच पर वापस आने काऔर मैं यहां हूं। मैं आप सबको देखकर काफी खुश हूं। मैंने आप सभी को बहुत याद किया। मैं जो भी हूं आप सबके प्यार की वजह से हूं।'इस दौरान सिंगर के चेहरे पर खुशी के आंसू देखने मिले। 58 वर्षीय डायोन ने पेरिस के ला डिफेंस एरिना में अपनी आवाज का जादू बिखेरा।

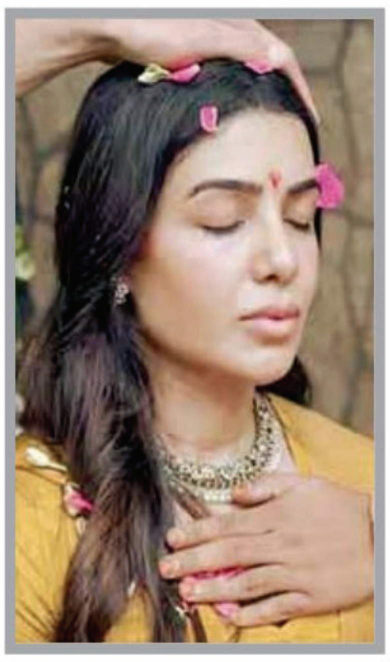

बेबी शावर सेरेमनी में निभाईं रस्में

मुंबई। साउथ सिनेमा की सुपरस्टार एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु और उनके पति राज निदिमोरु जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। इस बीच पहली बार मां बनने जा रही एक्ट्रेस का बेबी शावर हुआ है। सामंथा ने परंपरिक 'सीमंतम' सेरेमनी के फोटोज-वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर किए हैं, जिसमें पारंपरिक अंदाज, रस्म और मंत्रों की गूंज ने फैंस का दिल जीत लिया है। इसमें पति राज भी सामंथा पर प्यार लुटाते हुए दिख रहे हैं। सामंथा ने बताया है कि बेबी शावर सेरेमनी के दौरान निभाई गई श्रीविद्या परंपरा के खास रस्म ने उन्हें भावुक कर दिया। तस्वीरों और वीडियो में एक्ट्रेस फूलों से सजी, एक खुली जगह पर बैठी नजर आईं। पुजारियों की मौजूदगी में श्रीविद्या परंपरा की रस्म अदायगी हुई। यह रस्म तमिल और तेलुगू परंपराओं का हिस्सा है, जिसमें गर्भवती महिलाओं को आशीर्वाद दिया जाता है।

नए लुक में गणेश चतुर्थी पूजा में पहुंचे...

नई दिल्ली। अभिनेता सलमान खान नीता अंबानी और मुकेश अंबानी की गणेश चतुर्थी पूजा में नए लुक में शामिल होकर हर किसी का ध्यान खींच लिया। 14 सितंबर को मुकेश अंबानी के घर पर गणेश चतुर्थी पूजा का आयोजन किया गया था, जहां कटरीना कैफ, विक्की कौशल, कियारा आडवाणी, सिद्धार्थ मल्होत्रा, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, करीना कपूर खान और कृति सेनन समेत बॉलीवुड के तमाम सेलेब्स पहुंचे थे। इस गणेश पूजा में सलमान खान ने भी शिरकत की। उन्होंने स्वैग मारते हुए सिंपल लुक में एंट्री की और देखते ही देखते उनका लुक छा गया। उन्होंने वॉन्टेड लुक में एंट्री मारी। उन्होंने अपने बालों को स्कार्फ से कवर किया। लाइट ब्लू स्ट्रिप शर्ट और डेनिम जींस में एक्टर हैंडसम लग रहे हैं। सलमान खान का नया लुक देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

टीवी मसाला

आसिफ और यंग समेत चार घर वालों पर साजिश के आरोप

नई दिल्ली। चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' की बात हो और इसमें विवाद न हो, ऐसा नहीं हो सकता। शो के हालिया एपिसोड में 'बिग बॉस' ने यंग डीएसए, रोहेद खान, आसिफ खान और स्काउट पर साथी कंटेस्टेंट्स को शो से बाहर करने की साजिश रचने का आरोप लगाया। इसके चलते उन्हें सीधे नॉमिनेट कर दिया गया है। 'बिग बॉस 20' में एक नया ट्विस्ट देखा गया।

राधिका का अनोखा गणपति लुक भरतनाट्यम से जमाया रंग

मुंबई। मुंबई में अंबानी परिवार का गणपति उत्सव हर साल अपनी भव्यता के लिए चर्चा में रहता है। इस बार भी अंटीलिया में गणपति बप्पा के स्वागत के लिए खास आयोजन किया गया, जिसमें परिवार के सदस्यों के साथ बॉलीवुड की कई बड़ी हस्तियां भी शामिल हुईं। हालांकि, इस पूरे समारोह में राधिका मर्चेंट का अंदाज कुछ अलग रहा। उन्होंने सिर्फ अपने आउटफिट से ही ध्यान नहीं खींचा, बल्कि भरतनाट्यम प्रस्तुति के जरिए भारतीय संस्कृति और फैशन के खूबसूरत मेल को भी सामने रखा। राधिका मर्चेंट प्रशिक्षित भरतनाट्यम डांसर हैं और गणेश चतुर्थी के इस शुभ अवसर पर उन्होंने अंटीलिया में खास प्रस्तुति दी। इस परफॉर्मेंस के लिए उनका पहनावा भी साधारण नहीं था। उनके लिए खास तौर पर तैयार किया गया आउटफिट भारतीय पारंपरिक टेक्सटाइल की खूबसूरती और क्लासिकल डांस की जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया था। यही वजह रही कि उनका लुक सिर्फ देखने में खूबसूरत नहीं लगा, बल्कि उनकी डांस परफॉर्मेंस के साथ भी पूरी तरह जुड़ा हुआ नजर आया।

एमी अवॉर्ड्सः मैथ्यू बने बेस्ट लीड एक्टर, जीन स्मार्ट ने रचा इतिहास

लॉस एंजिल्स। 78वें प्राइमटाइम एमी अवॉर्ड्स 2026 के मुख्य विजेताओं का ऐलान हो चुका है। बता दें कि इससे एक सप्ताह पहले तकनीकी और सहायक श्रेणियों के लिए क्रिएटिव आर्ट्स एमी अवॉर्ड्स प्रदान किए गए थे। अब मुख्य विनर्स की लिस्ट भी सामने आ चुकी है। हॉरर-कॉमेडी विडोज बे, हैक्स और द पिट के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला है।

मैथ्यू राइस ने झटके दो अवॉर्ड, बनाया रिकॉर्ड : अवॉर्ड सेरेमनी में मैथ्यू ने एक रिकॉर्ड कायम किया है। मैथ्यू ने एक नहीं, बल्कि दो अवॉर्ड जीते। इसी के साथ मैथ्यू राइस ने एक ही रात में दो 'लीड एक्टर' अवॉर्ड जीतकर एमी अवॉर्ड्स के इतिहास में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। वे इस सेरेमनी के इतिहास में ऐसा करने वाले पहले एक्टर बन गए हैं। सोमवार को हुई सेरेमनी में मैथ्यू ने पहले नेटफ्लिक्स की 'द बीस्ट इन मी' में अपने काम के लिए 'लीड एक्टर (लिमिटेड)' का अवॉर्ड जीता। इसके बाद उन्होंने 'विडोज बे' के लिए 'लीड कॉमेडी एक्टर' का अवॉर्ड अपने नाम किया।

जीन स्मार्ट ने रचा इतिहास : अभिनेत्री जीन स्मार्ट को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का एमी

पुरस्कार मिला है। उन्हें 'हैक्स' के लिए यह प्रदान किया गया है। यह उनका लगातार पांचवी बार 'लीड एक्ट्रेस' का अवॉर्ड है। वह ऐसी पहली कलाकार हैं, जिन्होंने किसी सीरीज के पूरे रन के हर सीजन के लिए एक्टिंग एमी जीता हो। इसी के साथ जीन ने इतिहास रच दिया है। यह उनके करियर का आठवां एमी पुरस्कार है।

नोह वाइल, रिया सीहोर्न ने भी झटकी ट्रॉफी : एमी पुरस्कार पर नोह वाइल का भी कब्जा रहा। नोह ने 'द पिट' के लिए ड्रामा सीरीज में लीड एक्टर का अवॉर्ड जीता। इसके अलावा रिया सीहोर्न ने प्लूरिबस के लिए ड्रामा सीरीज में मुख्य अभिनेत्री का पुरस्कार जीता है। वहीं, लिंडा कार्डेलिनी और डेविड हार्बर ने डीटीएफ सेंट लुइस के लिए सपोर्टिंग एक्टिंग अवॉर्ड जीते हैं।

मुख्य अवॉर्ड सेरेमनी के विजेताओं की लिस्ट कुछ इस तरह है

ड्रामा श्रेणी के विजेता : लीड एक्टर के तौर पर नोह वाइल ने 'द पिट' के लिए पुरस्कार जीता

मुख्य अभिनेत्री के लिए रिया सीहोर्न ने 'प्लूरिबस' के लिए अवॉर्ड

सपोर्टिंग एक्ट्रेस का अवॉर्ड एलिसन जैनी ने 'द डिप्लोमैट' के लिए जीता

गेस्ट एक्टर का अवॉर्ड अर्नेस्ट हार्डन जूनियर ने 'द पिट' के लिए जीता

गेस्ट एक्टर का अवॉर्ड अर्नेस्ट हार्डन जूनियर ने 'द पिट' के लिए जीता

गेस्ट एक्ट्रेस शैलीन वुडली को 'पैराडाइज' के लिए पुरस्कार मिला

कॉमेडी सीरीज श्रेणी के विजेता : 'हैक्स' के लिए लीड एक्ट्रेस के तौर पर जीन स्मार्ट

'विडोज बे' के लिए सपोर्टिंग अभिनेता स्टीफन रूट

'विडोज बे' के लिए सपोर्टिंग एक्ट्रेस बनीं केट ओ'फ्लिन

गेस्ट एक्टर का अवॉर्ड रॉब रेनर को 'द बेयर' के लिए मिला।

गेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड बेट्टी गिलपिन को 'विडोज बे' के लिए मिला

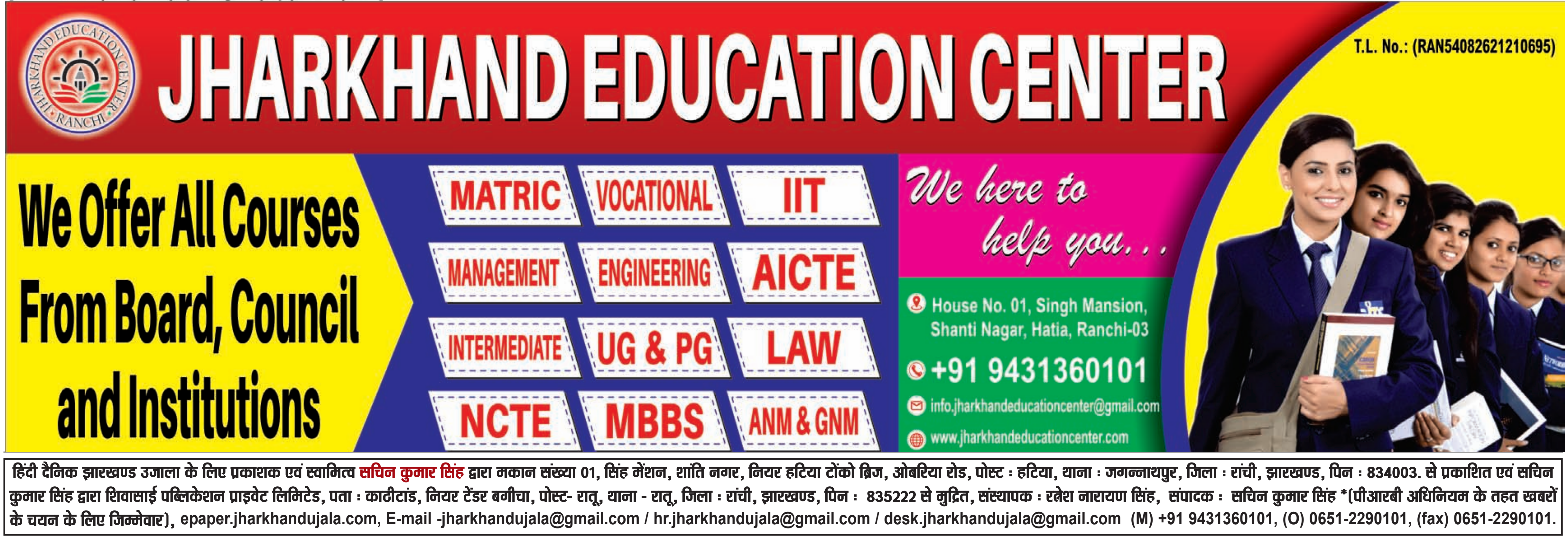

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.